रांची, रविवार
05.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 36 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के स्कूलों में केजी से 8वीं तक की कक्षाएं 7 से 13 जनवरी तक बंद

रांची। झारखंड शीतलहर की चपेट में है। बढ़ती ठंड को देखते हुए सरकार ने झारखंड के सभी स्कूलों में केजी से 8वीं तक की कक्षाएं 7 से 13 जनवरी तक बंद रखने का आदेश दिया है। इससे संबंधित आदेश राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग ने शनिवार देर रात जारी किया है।जारी आदेश के अनुसार, राज्य के सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक और निजी स्कूलों में केजी से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं बंद रहेंगी। वहीं, 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं और सभी प्रकार के आवासीय विद्यालय पहले की तरह चलते रहेंगे।

परमाणु वैज्ञानिक आर. चिदंबरम का मुंबई में निधन

मुंबई। भारत सरकार के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार और परमाणु वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम (88) का शनिवार को तड़के 3.20 बजे मुंबई के जसलोक अस्पताल में निधन हो गया। परमाणु वैज्ञानिक चिदंबरम पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और उनका इलाज जसलोक अस्पताल में चल रहा था। परमाणु वैज्ञानिक चिदंबरम भारत के परमाणु इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिन्होंने 18 मई, 1974 को देश के पहले परमाणु परीक्षण, पोखरण एक (ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा) और 1998 में दूसरे, पोखरण दो (ऑपरेशन शक्ति) दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके योगदान के लिए उन्हें 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। 1936 में चेन्नई में जन्मे चिदंबरम चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज के पूर्व छात्र थे। उन्होंने 1962 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में शामिल होने से पहले बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान में पीएचडी की। बीएआरसी में उनका करियर 1990 में निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति के साथ समाप्त हुआ। 1993 में, वे परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष बने, जिस पद पर वे 2000 तक रहे।

भारत में ग्रामीण गरीबी घटकर पांच प्रतिशत से भी कम हुई : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास की अनदेखी करने और गरीबी हटाओ के केवल नारे लगाने को लेकर पिछली सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 से वह ग्रामीण भारत की सेवा में जुटे हैं और उसी का परिणाम है कि आज ग्रामीण भारत में ग्रामीण गरीबी 5 प्रतिशत से नीचे आ गयी है।

प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में शनिवार को ग्रामीण भारत महोत्सव-2025 के उद्घाटन के बाद कहा कि ग्रामीण भारत महोत्सव के साथ वर्ष की शानदार शुरूआत भारत की विकास यात्रा को दशार्ती है और एक विशिष्ट पहचान बनाती है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और अन्य योगदानकताओं को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एसबीआई की ताजा शोध रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कल ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट आई है, जिसके अनुसार 2012 में भारत में ग्रामीण गरीबी करीब 26 प्रतिशत थी। जबकि 2024 में ग्रामीण गरीबी घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

कांग्रेस के गरीबी हटाओ के नारे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सालों से गरीबी हटाओ के नारे सुनाई देते रहे लेकिन अब वास्तव में गरीबी कम हो गई है। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने एससी-एसटी-ओबीसी की आवश्यकताओं की ओर ध्यान नहीं दिया। गांव से पलायन होता रहा, गरीबी बढ़ती रही, गांव और शहर के बीच की खाई बढ़ती रही। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। जो इलाके दशकों से विकास से वंचित थे, अब उन्हें बराबरी का हक मिल रहा है। उन्होंने कहा, ह्लये सब काम (गांवों को सशक्त बनाने का) पहले की सरकारों में भी तो हो सकते थे...मोदी का इंतजार करना पड़ा क्या? आजादी के दशकों बाद भी हमारे देश के गांव बुनियादी जरूरतों से वंचित थे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जातियों की ज्यादातर आबादी गांवों में रहती है। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने उनकी जरूरतों को नजरअंदाज किया लेकिन मोदी इन गांवों को सशक्त बना रहे हैं और उन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो पहले उपेक्षित थे।ह्व

उन्होंने कहा कि वह 2014 से ग्रामीण भारत की सेवा में लगे हैं। गांव के लोगों को गरिमापूर्ण जीवन देना सरकार की प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य गांवों को विकास और अवसर के जीवंत केंद्रों में बदलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को 3 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। पिछले 10 वर्षों में कृषि ऋण 3.5 गुना बढ़ाया गया है। देश में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 1.15 करोड़ ग्रामीण महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। हमारा विजन भारत के गांव के लोग सशक्त बनें, उन्हें गांव में ही आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले, उन्हें पलायन न करना पड़े, गांव के लोगों का जीवन आसान हो, इसलिए हमने गांव-गांव में मूलभूत सुविधाओं की गारंटी का अभियान चलाया। गांव के हर वर्ग के लिए विशेष नीतियां बनाई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने 'पीएम फसल बीमा योजना' को एक वर्ष अधिक तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। दुनिया में डीएपी का दाम बढ़ रहा है, आसमान छू रहा है, लेकिन हमने निर्णय किया कि हम किसान के सिर पर बोझ नहीं आने देंगे और हमने सब्सिडी बढ़ाकर डीएपी का दाम स्थिर रखा है। हमारी सरकार की नीयत, नीति और निर्णय ग्रामीण भारत को नई ऊर्जा से भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के अलावा भी हमारे गांव में अलग-अलग तरह के पारंपरिक कला और कौशल से जुड़े हुए कितने ही लोग काम करते हैं। रूरल इकोनॉमी और लोकल इकोनॉमी में इनका बड़ा योगदान रहा है, लेकिन पहले इनकी भी उपेक्षा हुई। अब हम उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना चला रहा हैं। ये योजना देश के लाखों विश्वकर्मा साथियों को आगे बढ़ने का मौका दे रही है।

पूरे देश में करेंगे जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान की शुरूआत : कांग्रेस

नई दिल्ली : कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान विरोधी है और वह बाबा साहब अंबेडकर और महात्मा गांधी का अपमान करती है इसलिए कांग्रेस देश के हर जिले में चौपाल लगाकर देशवासियों को बताएगी कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कैसे गांधी जी और अंबेडकर का अपमान करती है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 17 दिसंबर को संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव बाबा साहेब अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हमें उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे लेकिन श्री मोदी ने गृह मंत्री का साथ दिया और अंबेडकर के अपमान में साझेदार बने। बेलगावी की बैठक में भी यह मुद्दा उठा और तय किया गया कि पूरे देश में हम 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान की शुरूआत करेंगे। इस अभियान के तहत हम हर जिले में चौपाल लगाकर लोगों को बताएंगे कि अंबेडकर का अपमान और संविधान को नीचा दिखाने का काम भाजपा आरएसएस दशकों से करती आई है।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में सीआईडी ने जारी किए मोबाइल और ईमेल नंबर

बिभा संवाददाता

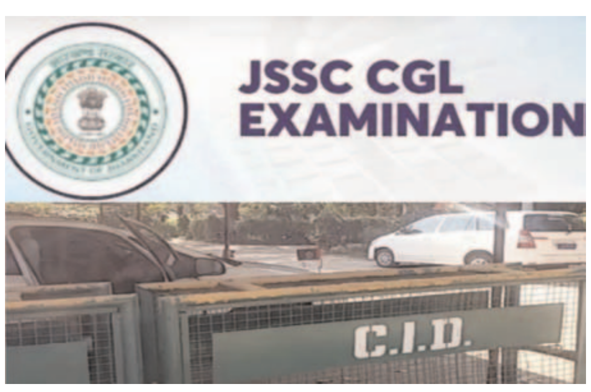

रांची। जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में झारखंड सीआईडी ने परीक्षार्थियों और आम लोगों से अपील करते हुए साक्ष्य या जानकारी मांगी है। इसके लिए सीआईडी ने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जारी किए हैं।

सीआईडी ने कहा है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा, 2023 में कथित गड़बड़ी और अनियमितता के संबंध में किसी परीक्षार्थी या अन्य किसी के पास कोई साक्ष्य (अभिलेख, ऑडियो-वीडियो) या कोई अन्य जानकारी है तो मोबाइल नंबर 9934309058 और ईमेल आईडी (sp-cid@jhpolice.gov.in) पर उपलब्ध करा सकते हैं। इसके अलावा इस संबंध में किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अनुसंधानकर्ता से मिलकर जानकारी उपलब्ध करवाई जा सकती है। पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जायेगी।

हाई कोर्ट ने मामला दर्ज कर जांच के दिए थे आदेश

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। साथ ही सीजीएल परीक्षा-2023 का परिणाम अगले आदेश तक घोषित नहीं करने का भी निर्देश दिया था। प्रतिवादी राज्य सरकार, मुख्य सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव और सदर थाना प्रभारी को प्रार्थियों द्वारा की गयी शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने, आरोपों की जांच करने और अगली सुनवाई की तारीख तक जांच का स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

एसआईटी का हुआ है गठन

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित पेपर लीक के आरोपों की जांच के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी का नेतृत्व सीआईडी की डीआईजी संध्या रानी मेहता करेंगी। टीम में रांची पुलिस के अधिकारियों को भी रखा गया है। डीजीपी के द्वारा गठित एसआईटी में अध्यक्ष संध्या रानी मेहता, सदस्य सीआईडी एसपी निधि द्विवेदी, रांची ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, रांची के मुख्यालय-1 डीएसपी अमर कुमार पांडेय और सीआईडी में प्रतिनियुक्त डीएसपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता को शामिल किया गया है।

ऑटो और धान लदा ट्रक के आमने-सामने भिड़ंत, चार की मौत

बिभा संवाददाता

दुमका। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दुमका-रामपुरहाट मुख्य पथ पर दासोरायडीह के समीप स्थित पेट्रोल पंप के पास ऑटो और धान लदा ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में दो महिला सहित चार की मौत हो गई। घटना में ऑटो सवार छह से ज्यादा सवार घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां एक युवती, एक महिला सहित चार को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि घायल और मृत सभी जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के नोनीहाट के रहने वाले थे। जो पिकनिक मनाने मसानजोर गए थे। लौट के दौरान यह हादसा हुआ। धान लदा ट्रक पश्चिम बंगाल जा रहा था।

मृतको में संजय साह(55), पुनम देवी (45) मुस्कान कुमारी (22) एवं टेम्पू चालक है टेम्पू चालक नगर थाना क्षेत्र के शिवपहाड़ निवासी है। चालक की पहचान नहीं हो सकी है।

जबकि घायलों में आठ वर्षीय नैंसी कुमारी, लवली कुमारी, सरिता देवी, पति जितेंद्र कुमार गुप्ता, रौशन कुमार है। नैंसी और लवली दोनों बहन है। घायल लवली और नैंसी की मां सरिता देवी है। नैंसी और लवली का मौसेरा भाई रौशन कुमार है। दुर्घटना में जहां एक परिवार से मां-बेटी घायल है। वहीं घायल सरिता देवी की बहन-बहनोई की मौत हो चुकी है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिरा, चार जवान बलिदान

एजेंसी

बांदीपोरा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार जवानों का बलिदान हो गया, जबकि दो घायल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जिले के एसके पायीन इलाके में हुई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर पास की खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था।

एमएस बांदीपोरा अस्पताल के डॉ. मसरत ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए छह में से पांच सैन्य कर्मियों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीन गंभीर घायलों को श्रीनगर रेफर किया गया। इस दौरान एक जवान ने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसी बीच सूत्रों के अनुसार एक और सैनिक की श्रीनगर के एक अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई है जिससे इस हादसे में बलिदान हुए सैनिकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

राजधानी में पड़ रही कड़ाके की ठंड

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के लोग ठंड से कांप रहे हैं। सुबह और शाम को ठंड में लगातार इजाफा हो रहा है। सुबह और रात में जगह-जगह आग जलाकर लोग ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर झारखंड में भी दिख रहा। लगातार चल रही हवा ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। शनिवार को राजधानी रांची के कांके में पारा लुढ़ककर तीन डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। राजधानी में शनिवार सुबह हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा लेकिन धीरेधीरे आसमान साफ हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार पांच और छह जनवरी को सुबह कोहरा छाया रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाने की भी संभावना है। सात, आठ जनवरी को भी कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा।

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 07.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इस संबंध में रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेंटीग्रेड रांची में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.5 डिग्री सेंटीग्रेड सिमडेगा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा।

इसरो ने अंतरिक्ष में फसल उगाने जैसी तकनीक पर पायी सफलता

एजेंसी

चेन्नई: अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में फसल उगाने और रोबोटिक वॉक जैसी तकनीकों पर सफलता पायी है।

दोनों ही वैज्ञानिक प्रयोगों का उपयोग करके 31 दिसंबर, 2024 को स्पैडेक्स अंतरिक्ष डॉकिंग प्रौद्योगिकी मिशन के हिस्से के रूप में पीएसएलवी-सी 60 पर पीओईएम -4 के भाग के रूप में लॉन्च किया गया।

इसरो ने कहा कि पीओईएम-4 पर चलने वाले रोबोटिक हाथ का प्रदर्शन अंतरिक्ष रोबोटिक्स में मेक इन इंडिया का एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है।

एजेंसी ने कहा कि वैज्ञानिक प्रयोग क्रॉप्स का उपयोग करते हुए, इसरो ने फसलों की खेती करके नई अंतरिक्ष जीव विज्ञान तकनीक का अनावरण किया। पीएसएलवी-सी 60 चौथे चरण पर पीओईएम-4 के हिस्से के रूप में भेजे गये 24 वैज्ञानिक प्रयोगों में से एक का उपयोग करते हुये, लोबिया के बीज रिकॉर्ड चार दिनों में अंकुरित हुए और जल्द ही पत्तियाँ आने की उम्मीद है।

इस प्रयोग का उद्देश्य, यह समझना था कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में पौधे कैसे उगते हैं और उनका विकास किस प्रकार होता है। इससे अंतरिक्ष में दीर्घकालिक मिशनों के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ सकती है, जैसे कि मंगल या चांद पर मानव बस्तियाँ स्थापित करना।

एजेंसी के अनुसार, 31 दिसंबर को लॉन्च के बाद, सात दिनों में अंकुर निकलने की उम्मीद थी, लेकिन यह चार दिनों में हुआ। पीएसएलवी-सी60 को नए साल की पूर्व संध्या पर दो स्पैडेक्स उपग्रहों चार्जर और टारगेट के साथ लॉन्च किया गया था, दोनों का वजन 220 किलोग्राम था, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक का प्रदर्शन करना था।

इसरो ने कहा कि दोनों उपग्रहों की डॉकिंग सात जनवरी की सुबह होगी। उन्होंने कहा, ह्लअंतरिक्ष में जीवन अंकुरित होता है! पीएसएलवी-सी60, पीओईएम-4 पर वीएसएससी के क्रॉप्स (कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज) प्रयोग ने चार दिनों में लोबिया के बीजों को सफलतापूर्वक अंकुरित किया।ह्व

इन उपलब्धियों से इसरो की अंतरिक्ष विज्ञान में तकनीकी क्षमता का एक और उदाहरण सामने आया है, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को और अधिक उन्नत बनाने में मदद करेगा।

चीन में एचएमपीवी के बढ़ते कहर को लेकर भारत भी हुआ अलर्ट, जारी की गाइडलाइन

एजेंसी

नई दिल्ली : चीन में तेजी से फैल रहे ह्यूमन मेटानिमोवायरस (hMPV) को लेकर डर का माहौल बन गया है कि कहीं यह कोरोना वायरस जैसी महामारी का रूप न ले ले। भारत में इस वायरस पर पैनी नजर रखी जा रही है। तेलंगाना सरकार ने इस वायरस के खतरे को देखते हुए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, हालांकि राज्य में अभी तक इसका कोई मामला सामने नहीं आया है।

तेलंगाना राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वह चीन से आ रही hMPV की खबरों को लेकर सतर्क है और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर स्थिति की निगरानी कर रहा है। मंत्रालय ने नागरिकों से अफवाहों से बचने और जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है।

तेलंगाना में hMPV का कोई मामला नहीं : तेलंगाना स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में श्वसन संक्रमण के मामलों का विश्लेषण किया और पाया कि दिसंबर 2024 में पिछले साल के मुकाबले संक्रमण के मामलों में कोई बड़ी वृद्धि नहीं हुई है।

सावधानी बरतने के निर्देश : स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से निम्नलिखित सावधानियां बरतने को कहा है:

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का बयान
भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डीजीएचएस और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (NCDC) ने भी बयान जारी किया है। मंत्रालय ने कहा कि ह्यूमन मेटानिमोवायरस (hMPV) एक सामान्य श्वसन संक्रमण वायरस है जो सर्दियों में सर्दी और फ्लू जैसे लक्षण पैदा करता है। यह खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करता है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि इस वायरस को लेकर घबराने की कोई बात नहीं है। यह वायरस भी आम सर्दी-खांसी जैसे लक्षण पैदा करता है और अन्य श्वसन वायरस की तरह ही व्यवहार करता है।

संक्षिप्त खबरें

शहीद शेख भिखारी एवं टिकैत उमराव का शहादत दिवस 8 को मनाया जाएगा

रांची(बिभा)। देश के महान सपूत, आजादी के दीवाने, क्रांतिवीर शहीद शेख भिखारी एवं टिकैत उमराव का शहादत दिवस दिनांक 08 जनवरी 2025 दिन बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मनाया जाएगा एवं दोनों महान सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके बलिदान को स्मरण किया जाएगा ताकि भावी पीढ़ी इससे प्ररित हो सके। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कार्यक्रम की सफलता के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर को संयोजक एवं अभिलाष साहु, कार्यालय प्रभारी तथा हजारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह को सदस्य मनोनीत किया जाता है।

विमेंस कॉलेज में युवा महोत्सव नवरंग का तीन दिवसीय कार्यक्रम 8 से

रांची(बिभा) : विमेंस कॉलेज युवा महोत्सव 2025 नवरंग 8,9 और 10 जनवरी को मनाने जा रहा है। यह विशेष तौर पर अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। 12 जनवरी महान दार्शनिक और विचारक स्वामी विवेकानन्द की जयंती है, जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। नवरंग में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन को लेकर आज प्राचार्या डॉ सुप्रिया ने सभी शिक्षिकाओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया। महाविद्यालय प्रशासन इस कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को एक नवीन जोश से भरना चाहता है। वास्तव में स्वामी विवेकानन्द आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि हैं। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए स्वामी विवेकानन्द से बढ़कर दूसरा कोई नेता नहीं हो सकता। उन्होंने हमें कुछ ऐसी वस्तु दी है जो हममें अपनी उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त परम्परा के प्रति एक प्रकार का अभिमान जगा देती है। स्वामी जी ने जो कुछ भी लिखा है वह हमारे लिए हितकर है और होना ही चाहिए तथा वह आने वाले लम्बे समय तक हमें प्रभावित करता रहेगा। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में उन्होंने वर्तमान भारत को दृढ़ रूप से प्रभावित किया है। भारत की युवा पीढ़ी स्वामी विवेकानन्द से निःसृत होने वाले ज्ञान, प्रेरणा एवं तेज के स्त्रोत से लाभ उठाएगी। महाविद्यालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव में फाइन आर्ट्स इवेंट के तहत कार्टूनिंग, क्ले मॉडलिंग, कोलाज,खेल फोटोग्राफी, लिटरेरी इवेंट के तहत क्विज, एलोक्यूशन और डिबेट का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लोक और ट्राइबल डांस, क्लासिकल वोकल सोलो, लाइट वोकल सोलो ,वेस्टर्न वोकल सोलो, ग्रुप सॉन्ग भारतीय और पाश्चात्य, मेहंदी ,पोस्टर मेकिंग, रंगोली, ऑन द स्पॉट पेंटिंग का आयोजन किया जाएगा।

सामाजिक क्षेत्र मे उत्कृष्ठ सेवा कार्य के लिए अजय कुमार जैन सहित कई हुए सम्मानित

रांची(बिभा) : छात्र क्लब श्रमिक कल्याण मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप)की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन रांची नामकुम पेट्रोल पंप के निकट संपन्न हुआ। इस अवसर पर कंप्यूटर के क्षेत्र मे हनी कुमारी,सामान्य ज्ञान के क्षेत्र मे श्रेया कुमारी,सोहराई आर्ट के क्षेत्र मे मिंटू कुमार एवं सामाजिक क्षेत्र मे अजय कुमार जैन को सम्मानित किया गया। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अजय कुमार जैन ने कहा समाज सेवा से मन में शकुन मिलता है, मिंटू कुमार ने कहा सोहराई आर्ट पेंटिंग हमारे पूर्वजों से चला आ रहा है,रोजगार के क्षेत्र में एक अच्छा कदम है यह सोहराई पेंटिंग 04 प्रकार के प्राकृतिक मिट्टी (काली,गेरू,सफेद,पीला मिट्टी) एवं कोहवर पेंटिंग 02 कलर के काली और उजली मिटी से ही बनाई जाती है।इच्छुक लोगों को मैं इस कला की प्रशिक्षण भी देता हूं। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश ने किया।इस मौके से श्रमिक कल्याण मंच के उपाध्यक्ष सुबोध कुमार शर्मा,संरक्षक पिंटू शर्मा,रमेश मिस्त्री,दीपक राणा,राजकिशोर राणा,अशोक कुमार राणा,विद्यानंद शर्मा आदि मौजूद थे।मौके पर क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा रांची नामकुम के शुद्ध, टेस्टी ब्रेड एवं बेकरी निमार्ता सेठी बेकरी के निदेशक अजय कुमार जैन व्यवसाई के साथ साथ समाजसेवी भी है वे अपने समाजिक दायित्व के तहत क्लब के साथ मिलकर हमेशा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच ब्रेड, बिस्कुट, बेकरी आदि उपलब्ध कराते रहते है वही संतोष कुमार ने कहा क्लब कई वर्षों से समाजिक एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वालों को सम्मान कर मनोबल बढ़ा रही है।सभी संस्था एवं समाजसेवियो से आग्रह है कि अभी के कनकनी ठंडे मौसम को देखते हुए अपने अपने क्षेत्र के सुरक्षित स्थानों में अलाव जलाने की व्यवस्था करें साथ ही गरीब, जरूरतमंद लोगों के बीच गर्म वस्त्र भी वितरण करें।समाज सेवा भी एक पुण्यकार्य है।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का उदघाटन आज

रांची(बिभा) : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा है कि 5 जनवरी को पुंदाग रांची मे राज्य का सबसे बड़ा श्री राधा- कृष्ण का मंदिर का उद्घाटन परमहंस भागवत भास्कर डॉ. संत शिरोमणि श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद जी महाराज करेंगे। यह भव्य मंदिर स्वामी सदानंद जी महाराज के अथक प्रयास एवं गुरुजी राधिका दास जी महाराज के आशीर्वाद से 8 वर्षों में बनकर तैयार हुआ है। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के संस्थापक एवं संरक्षक परम श्रद्धेय स्वामी सदानन्द जी महाराज का जन्म भिवानी जिले के छोटे से गाँव जुई कलां में खंडेलवाल ब्राह्मण परिवार में आयुवेर्दाचार्य पिता बजलाल व मामला शिवबाई को कोख से 01 अगस्त 1945 को हुआ।इनके पिताजी एक प्रसिद्ध आयुवेर्दाचार्य थे जिनसे उपचार के लिए लगभग 500 गाँवों से लोग इलाज करवाने आते थे। स्वामी जी के बचपन का नाम मानु था। प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही करने के बाद युवावस्था में विद्या ग्रहण करने के पश्चात शिक्षक का दायित्व संभाला।

गुरु गोविंद सिंह जयंती पर छह जनवरी को रहेगा अवकाश

रांची(बिभा)। झारखंड सरकार ने गुरु गोविंद सिंह जयंती पर छह जनवरी को अवकाश घोषित किया है। इससे संबंधित आदेश कार्मिक विभाग के विशेष सचिव ओमप्रकाश साह ने शनिवार को जारी किया है। इसमें कहा है कि गुरु गोविंद सिंह की जयंती के अवसर पर छह जनवरी को कार्यपालक आदेश के तहत अवकाश घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम में विधि-व्यवस्था व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने आर्मी ग्राउंड खोजा टोली नामकुम में 06 जनवरी को होने वालें राज्यस्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सभी सम्बंधित जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उन्हें विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं सुगम यातायात संधारण हेतु ब्रीफिंग आयोजित की गई।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम के सम्पूर्ण कार्यक्रम की तैयारी की क्रमवार समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कार्यक्रम संचालन, कार्यक्रम से सम्बंधित सभी व्यवस्था जैसे- अतिथियों से सम्बंधित सभी व्यवस्था, लाभुकों के खाने, पेय जल, बैठने की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, बिजली सम्बन्धी व्यवस्था, पार्किंग, बस एवं वाहनों के लिए रुट मार्किंग, अग्निशमन, मेडिकल टीम, साइनेज, एम्बुलेंस, हर सेक्टर में पेय जल की व्यवस्था एवं अन्य सभी व्यवस्था ससमय कराने को कहा गया।

पुरे कार्यक्रम स्थल पर सेक्टरवार दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की जा रही है। जो सभी विधि व्यवस्था को संभालेगें। साथ ही इतने बड़े कार्यक्रम आयोजन को लेकर ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए दफ्ळ टीम तैनात रहेगी जो पूरी तरह ट्रैफिक को सुगम बना कर रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर डी.आई.जी. सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, चंदन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव,ने कई दिशा-निर्देश दिया।

साथ ही उपायुक्त रांची ने सभी आवश्यक तैयारी का जायजा लेते हुए सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को सारी व्यवस्था सुनिश्चित और निर्धारित रूप से पूरा कराने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस ब्रीफिंग में डी.आई.जी. सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, चंदन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची, सुमित कुमार अग्रवाल, अपर समाहर्ता रांची, रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था रांची, राजेश्वर नाथ आलोक, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडेय एवं सम्बंधित जिला स्तरीय सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल को न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक ने स्वरचित पुस्तक की भेंट

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. एस. एन. पाठक ने राज भवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति ने अपनी स्वरचित पुस्तक न्याय पथ के पथिक राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल ने पुस्तक रचना के लिए न्यायाधीश को हार्दिक बधाई दी और उनकी इस उत्कृष्ट साहित्यिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने आशा प्रकट कि यह पुस्तक न्यायिक प्रक्रिया, उसके मूल्यों और आदर्शों को समझने में सहायक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री से मिला सिख समुदाय का प्रतिनिधिमंडल, किया आमंत्रित

रांची(बिभा)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सिख समुदाय से एक प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को 19 जनवरी को गुरु गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल प्रांगण में आयोजित ₹गुरु गोविन्द सिंह जयंती उत्सव₹ में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया। मौके पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष रणजीत सिंह हैप्पी, झारखंड सिख फेडरेशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह , सचिव परमजीत सिंह, हरजीत सिंह स्विंकी, ऋषि छाबड़ा, तविंदर सिंह, गुरनाम सिंह, सोनू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

सहायक प्राध्यापक के पद पर आवेदित सभी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में बुलाया जाए : एनएसयूआइ

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्विद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा से मिला एनएसयूआइ का प्रतिनिधिमंडल नववर्ष की बधाई दी एवं ज्ञापन सौंपा । प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने बताया कि रांची विश्विद्यालय अंतर्गत सहायक प्राध्यापक आवश्यकता आधारित के पद पर आवेदित एक पद के लिए सिर्फ. 5 अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन एवं 3 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में बुलाया जाएगा ।जबकि हमेशा से यह प्रचलन रहा है कि आवेदित सभी अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन एवं साक्षात्कार में बुलाया जाता है, कुल 25 विषय में 299 नीड बेस्ट सीट है, जिसमें कुल सीटों पर 1000 से जायदा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

हाल में ही डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय, रांची में संपन्न हुए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन एवं साक्षात्कार में आवेदित सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया था ।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मांग करती है कि इस तरह का विश्विद्यालय में नया मोनोपॉली प्रयोग नहीं किया जाए तथा आवेदित सभी अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन एवं साक्षात्कार के लिए बुलाया जाए ताकि सभी अभ्यर्थियों को मौका मिल सके एवं उचित व्यक्ति का चयन हो सके ।कुलपति ने कहा इसपर विचार विमर्श किया जाएगा । मौके पर प्रदेश सचिव हुसैन अंसारी, डीएसपीएमयू अध्यक्ष आर्यन कुमार, आर्यन सिंह, आदि छात्र नेतागण उपस्थित थे ।

रांची विवि के 10 सेवानिवृत्त शिक्षकों-कर्मियों को कुलपति ने किया सम्मानित

शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते: कुलपति

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के दस शिक्षक 31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत हो गये। 4 जनवरी 2025 को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति कांफ्रेंस हॉल में कुलपति ने एक विदाइ समारोह आयोजित कर सभी सेवानिवृत शिक्षकों तथा कर्मियों को स्वयं सम्मानित किया और उन्हें भविष्य के लिये शुभकामनायें दीं। सेवानिवृत शिक्षकों में पीजी इतिहास विभाग की डा.वंदना राय, पीजी अंग्रेजी विभाग की डॉ. मधु मिश्र, पीजी केमिस्ट्री विभाग की डॉ. नीता सिन्हा, पीजी राजनीति विज्ञान के हेड डॉ. बागेश चंद्र वर्मा, पीजी बॉटनी के एसोसिएट प्रो. डॉ. राधाकृष्ण झा, कुडुख विभाग के हेड डॉ. नारायण भगत, भूगोल विभाग के डॉ. राजेश कुमार लाल, अकाउंट्स सेक्शन से अशोक कुमार सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ. कुनुल कुंदीर तथा भूगोल विभाग के कर्मी श्री गोविंद राम को माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय कुलसचिव, प्रॉक्टर , एफओ तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ शॉल ओढा कर पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सभी सेवानिवृत शिक्षक एवं कर्मी बहुत ही भावुक दिखे। सबों ने अपने कार्यकाल की स्मृतियों को सुनाया। डॉ. वंदना ने कहा कि 79 में मैंने इसी विवि में पढ़ाई की तब सोचा नहीं था कि यहीं अध्यापन करूंगी।यहां का हर कोना, हर रूम से हमारी यादें जुड़ी हैं। मुझे संतुष्टि है कि आरयू को उत्कृष्ट बनाने में मेरा भी छोटा योगदान रहा है। वहीं डा. मधु ने कहा कि मैं बहुत भावुक हूं , मुझमें अभी कुछ कहने की इच्छा शक्ति नहीं है।मुझे आप सबों का आशिर्वाद मिला है, वहीं अकाउंट्स सेक्शन के अशोक कुमार सिंह ने कहा कि मैं स्वयं को बहुत ही सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे यहां कार्य करने का मौका मिला।मुझे सदैव यहां वरिष्ठों का सहयोग और प्रेम मिला।

माननीय कुलपति की पहल पर सभी सेवानिवृति शिक्षकों एवं कर्मचारियों के पेंशन संबंधी सारे कार्य भी संपन्न करा दिये गये हैं और सबों को ऑनलाइन पेंशन समय पर प्राप्त होगा । माननीय कुलपति के इस पहल की सबों ने सराहना की और कुलपति तथा रजिस्ट्रार, एफओ और रांची विवि का आभार जताया और सभी शिक्षकों ने कहा कि हम भले सेवानिवृत भले हो रहे हैं पर रांची विवि के किसी भी कार्य के लिये बिना किसी चाह के सदैव उपलब्ध हैं।

कुलपति ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते। आपके पास जो मां सरस्वती का आशिर्वाद है वो तो सदैव रहेगा जो हमारे विवि में भी योगदान आयेगा। मैं उम्मीद करता हूं आप सभी किताबें लिखेंगे और आरयू उसे प्रकाशित करने में पूरी मदद करेगा। सेवानिवृत शिक्षकों से मैं आज भी आग्रह करता हूं कि आप अध्यापन करें। आप स्वस्थ रहें, एक्टिव रहें मेरी शुभकामनायें आपके साथ हैं।उन्होंने कहा कि मैंने पूरा प्रयास किया है कि रांची विवि के विभागों को राष्ट्रीय स्तर का बनाऊं। आगे भी मेरी सदैव कोशिश है कि समय पर शिक्षकों को प्रोमोशन और उसका लाभ दिला सकूं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बी. नारायण , डीआर वन डा.प्रीतम कुमार , प्रोक्टर डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. पीके झा, डा.बीके सिन्हा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विकास कुमार,डिप्टी डायरेक्टर वोकेशनल डा.स्मृति सिंह, तथा रांची वियवविद्यालय के अन्य कर्मचारगण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने शीत लहर को देखते हुए अधिकारियों को अलाव जलाने और कंबल वितरण का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त रांची, श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा रांची जिला में पड़ रहें शीत लहर को देखते हुए रांची जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी को विशेष रूप से निर्देश देते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया।

साथ ही उन्होंने रांची जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सभी जरूरतमंदो को कंबल वितरण करने का निर्देश दिया गया है। जिसपर लगातार रांची जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा कंबल का वितरण किया जा रहा है। साथ ही प्रखंड और पंचायतों में अलाव की समुचित व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त रांची, द्वारा शीत लहर को देखते हुए सम्बंधित सभी पदाधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए गए है। उनके द्वारा विशेष रूप से कहा गया है, की बेघर लोगों को ठंड में किसी प्रकार की समस्या ना हो इसका ख्याल रखें। साथ सड़को चौराहो पर रह रहें लोगों को आश्रय गृह में रखें।

जानकारी हो की उपायुक्त रांची, श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा ठंड के मद्देनजर स्वयं रात्रि में भ्रमण करके तमाम व्यवस्था को देख रहें है, उनके द्वारा जरूरतमंदो को कम्बल भी दिया गया। जानकारी हो की जिला में पड़ रही शीत लहर को देखते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को कठिनाईयों को देखते हुए दिनांक 06.01.2025 एवं 07.01.2025 को जिले के सभी कोटि के सरकारी उच्च / मध्य / प्राथमिक विद्यालय एवं सभी निजी विद्यालय पूर्णतः बंद करने का निर्देश दिया गया है।

अपनी बची खूची साख को भी बरबाद करने में लगें हैं पिता पुत्र लालू तेजस्वी : जदयू

रांची(बिभा) : जनता दल यू का एनडीए गठबंधन से निकलकर इंडिया गठबंधन में जाने की बात बिल्कुल हीं निराधार है। और यह लालू और उनके पुत्र तेजस्वी के दिमाग की उपज है। बिहार के मुख्यमंत्री जिस नीतीश को निशाना बनाकर यह खेल खेला गया उन्होंने हीं इस बात को सिरे से खारीज कर दी है। असल में बिहार में राजद का आस्तित्व खत्म हो रहा है इसलिए लालू परिवार अपनी आपा खोकर ऐसी बातें करके अपनी भद्द खूद पीटवा रहा है। उक्त बातें जदयू के प्रदेश महासचिव संतोष कुमार सोनी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का हवाला देते हुए दी है। उन्होंने कहा ऐसा करके लालू तेजस्वी बिहार में अपनी दिवालियापन का परिचय दे रहें हैं। पिता पुत्र दोनों का हीं बिहार में सफाया हो चूका है अब भाजपा और प्रधानमंत्री की आड़ में अपनी बची खूची साख को भी बरबाद करने में पड़ें हैं।

एनएसओ में जवाहर विद्या मंदिर के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : जवाहर विद्या मंदिर को साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) द्वारा हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड (एनएसओ) में अपने छात्रों की उल्लेखनीय सफलता की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। 12 नवंबर, 2024 को आयोजित परीक्षा में हमारे छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन देखा।

स्कूल के कुल 115 छात्रों ने प्रतिष्ठित उत्कृष्टता स्वर्ण पदक हासिल किया है और प्रतियोगिता के दूसरे स्तर के लिए अर्हता प्राप्त की है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे छात्रों, शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण और स्कूल द्वारा समर्थित शैक्षणिक माहौल का प्रमाण है।

जवाहर विद्या मंदिर में, हम युवा दिमागों का पोषण करने और उन्हें शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं। इस तरह की उपलब्धियाँ शिक्षा के उच्च मानकों और हमारे छात्रों की अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

हम सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हैं और उन्हें एनएसओ के दूसरे स्तर के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उनकी सफलता न केवल स्कूल को गौरवान्वित करती है बल्कि उनके साथियों को भी ऊंचे लक्ष्य रखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के रेलवे उप समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के रेलवे उप समिति की बैठक आज चैंबर भवन में संपन्न हुई। बिहार और पश्चिम बंगाल की तर्ज पर झारखण्ड में फास्ट मेमू ट्रेन के परिचालन की आवश्यकता बताते हुए सदस्यों ने रांची रेलमंडल द्वारा इस दिशा में पहल करने की मांग की। यह कहा गया कि गढवा रोड से रांची (वाया डाल्टनगंज), लातेहार, टोरी, लोहरदगा तक, रांची से हजारीबाग टाउन (वाया मेसरा) फास्ट मेमू चलाई जाय। चैंबर के रेलवे उप समिति चेयरमेन और रांची रेलमंडल में डीआरयूसीसी के सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि राज्य के प्रमुख जिलों को राजधानी रांची से जोडने के लिए फास्ट मेमू ट्रेन का परिचालन जरूरी है ताकि ग्रामीण जनता को सस्ती रेल सेवा का लाभ मिल सके।

नये साल की शुरूआत से रांची से कई ट्रेनों के समय में बदलाव के कारण यात्रियों को होनेवाली असुविधा पर भी चर्चा हुई। पूर्व में कराये गये टिकट में ट्रेन की पुरानी समय-सारिणी का उल्लेख होने तथा बदले गये समय की सूचना की जानकारी नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है। नये समय की विधिवत सूचना नहीं होने के कारण कई यात्रियों की ट्रेन छूट गई है। कहा गया कि रांची रेल मंडल द्वारा यात्रियों को नये समय सारिणी की विधिवत सूचना देने की पहल करनी चाहिए।

यात्रियों की मांग को देखते हुए महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने गोरखपुर से चलकर संबलपुर (वाया हटिया) तक परिचालित होनेवाली ट्रेन संख्या मौर्या एक्सप्रेस का ठहराव गोविंदपुर रोड और बानो स्टेशन पर करने की बात कही। सह सचिव नवजोत अलंग ने रेलवे कॉलोनी और अनंतपुर की तरफ से रांची रेलवे स्टेशन तक एप्रोच रोड निर्माण कार्य की गति धीमी होने पर चिंता जताई और कार्य में तेजी लाये जाने को जरूरी बताया। यह भी कहा गया कि प्राइम-टाइम की ट्रेनों के समय एस्केलेटर कार्य नहीं कर रहे होते, जिस कारण यात्रियों को असुविधा होती है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हटिया रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रारंभ होने में हो रहे विलंब पर उपाध्यक्ष राहुल साबू और कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने चिंता जताई और कहा कि रांची रेलमंडल को इस दिशा में कार्रवाई प्रारंभ करनी चाहिए। ट्रेन में पसंदीदा सीट के आरक्षण हेतु आरआरसीटीसी पोर्टल में संशोधन की आवश्यकता बताते हुए कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा ने कहा कि बुकिंग के समय च्वाइज डालने के बाद भी कई बार यात्रियों को उनकी पसंदीदा सीट नहीं मिलती है। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, आस्था किरण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नमो पतंग महोत्सव 13 को ओटीसी मैदान में

रांची(बिभा): आगामी 13 जनवरी को ओटीसी ग्राउंड (रातू रोड) के मैदान में नमो पतंग महोत्सव का आयोजन रखा गया है नमो पतंग महोत्सव की शुरूआत 2006 में सांसद व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया था। आयोजन के संरक्षक रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ रहेंगे वही कार्यक्रम का संयोजक मुकेश काबरा को बनाया गया है। संयोजक मुकेश काबरा ने बताया हिंदू धर्म के अनुसार 13 तारीख को मकर संक्रांति के दिन नमो पतंग महोत्सव का आयोजन धार्मिक धरोहर को बनाये रखने के लिए यह परंपरा बनाये रखी गई है। 2006 से प्रारंभ इस उत्सव को लगातार किया जा रहा है इस उत्सव को झारखंड के नगरवासी बड़े ही उत्साह पूर्वक सपरिवार इस्टमित्रो संग मनाते आ रहे हैं। समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष इसको बड़े उत्साह पूर्वक झारखंड सहित रांची नगर वासियों के संग विभिन्न स्थानों में मनाया जाता है। इस प्रतियोगिता में पूरे राज्य सहित राजधानी के लोग भी भाग लेंगे और पतंग महोत्सव का पूर्ण आनंद लेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रतिदिन बैठकों का दौरा चल रहा है जिसमें नमो पतंग महोत्सव से जुड़े अजय मारू, कुणाल आजमानी,प्रमोद सारस्वत, राज वर्मा ,रविंद्र मोदी ,संजय सिंह, नीरज चौधरी, रमाशंकर बगड़िया ,संतोष सेठ ,अमित चौधरी, मनीष लोधा सुबेश पांडेय, संजय पांडेय सहित सैकड़ो की संख्या में समिति के सदस्य आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए है।

रांची जिला राजद की बैठक आज, मंत्री संजय प्रसाद यादव होंगे शामिल

रांची(बिभा) । रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल की आवश्यक बैठक 5 जनवरी को पार्टी के प्रदेश कार्यालय बायपास रोड बिरसा चौक में दिन के 12:00 बजे बुलाई गई है। बैठक की जानकारी देते हुए रांची जिला राजद अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने बताया कि बैठक में पार्टी के सदस्यता अभियान को त्वरित गति से आगे बढ़ाने, संगठन को हर स्तर पर मजबूत करने सहित विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार विमर्श किया जाएगा। ताकि नए वर्ष में नए तेवर के साथ राजद अपने को प्रस्तुत कर सके। बैठक में संगठन के विस्तार पर भी चर्चा की जाएगी। श्री महतो ने कहा कि बैठक में सारे प्रखंड अध्यक्ष, जिला कमेटी के पदाधिकारी और सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।

संत शिरोमणि स्वामी श्री सदानंद जी महाराज को झारखंड मे राजकीय अतिथि सम्मान मिलेगा

रांची(बिभा) : संत शिरोमणि श्री श्री 1008 स्वामी डॉ. श्री सदानंद जी महाराज के पांच दिवसीय झारखंड दौरे पर 4 जनवरी को शाम को रांची पहुंचेंगे। श्री सदानंद महाराज रांची के पुंदाग झारखंड के सबसे बड़े मंदिर श्री राधा-कृष्ण मंदिर का उद्घाटन 5 जनवरी को करेंगे। तथा चार दिवसीय श्रीमद्भागवत कृष्ण कथा मे भाग लेंगे। झारखंड में स्वामी सदानंद महाराज जी को राजकीय सम्मान मिलेगा झारखंड के विशेष कार्य पदाधिकारी ने रांची के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक को एक पत्र प्रेषित कर स्वामी डॉ सदानंद महाराज जी को झारखंड आगमन से लेकर प्रस्थान तक पुरे राजकीय अतिथि के रूप मे सम्मान देते हुए समुचित व्यवस्था देने की बात कही। ट्रस्ट के संस्थापक एवं संरक्षक स्वामी श्री सदानंद महाराज को झारखंड सरकार द्वारा राजकीय सम्मान दिए जाने पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के पदाधिकारीगण एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उक्त जानकारी ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

रिश्वतखोरों की अब खैर नहीं, डीजीपी ने जारी किया मोबाइल नंबर

रांची(बिभा) : झारखंड में अब भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की तैयारी तेज हो गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आम जनता से अपील की है कि वे रिश्वत लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की शिकायत करें। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। झारखंड के सरकारी दफ्तरों में, जहां रिश्वतखोरी की संभावना ज्यादा होती है, वहां एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा हेल्पलाइन बोर्ड लगाए जाएंगे। अगले एक हफ्ते में ये बोर्ड सभी प्रमुख दफ्तरों में लग जाएंगे। इन पर हेल्पलाइन नंबर दिए जाएंगे, जिन पर लोग रिश्वतखोरी की शिकायत कर सकेंगे। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि लोग 9431105678, 06512710001 या 1064 पर कॉल करके घूसखोरी की जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकतर लोग शिकायत तो करते हैं, लेकिन दोषी को पकड़वाने के लिए आगे नहीं आते। उन्होंने सभी से अपील की है कि भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब करने में सहयोग करें। डीजीपी ने यह भी आश्वासन दिया है कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने जनता से कहा है कि बिना डर के भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं और झारखंड को घूसखोरी से मुक्त बनाने में मदद करें।

झारखंड स्टेट रैपिड चेस के विजेता बने अभिषेक

रांची(बिभा) : सरला बिरला विश्वविद्यालय मे झारखंड स्टेट रैपिड चेस चैंपियनशिप का आठवां एवं अंतिम राउंड का खेल संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पूर्वी सिंहभूम के अभिषेक दास साढ़े सात अंकों के साथ विजेता एवं बोकारो के अंकित कुमार सिंह सात अंकों के साथ उपविजेता बने। रांची के विभाष कुमार सिंह भी सात अंक बनाकर तीसरे एवं पश्चिमी सिंहभूम के मनीष शर्मा 6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। इसके बाद तीसरे झारखंड स्टेट ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप के प्रथम चार चरण का मैच खेला गया। अंतिम चार चरणों का खेल रविवार को खेला जाएगा। इसके उपरांत रैपिड और ब्लिट्ज दोनों टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम दोपहर 12 बजे किया जाएगा।

तिरुपति बालाजी मंदिर में खिचड़ी भंडारे का आयोजन

रांची(बिभा): दिव्यदेश के रूप में श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी)मंदिर को प्रतिष्ठित हुये साढ़े सतरह वर्ष से ऊपर होने को है। जून 2007 में परात्पर ब्रह्म परमात्मा श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर भगवान का राँची नगर के धराधाम पर पधारने के समय से सप्ताह के सातों दिन भिन्न -भिन्न सात प्रकार के भोग निवेदन किये जाते हैं। इस तरह प्रत्येक शनिवार को खिचड़ी महाभोग का प्रसाद नैवेद्य करके भक्तों में बाँटा जाता है। कोरोना काल के लॉकडाउन को छोड़कर आज 04 जनवरी 2025 शनिवार को 860 वॉ खिचड़ी भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में 1,470 लोगों ने खिचड़ी महाप्रसाद ग्रहण किया। आज के खिचड़ी महाप्रसाद शशिभूषण सिंह पत्नी वीणा सिंह राँची निवासी निवेदन किया। समस्त चराचर प्राणियों के रक्षक और पालनहार भगवान श्रीमन्नारायण को अन्नों से परिपक्व खिचड़ी सर्वाधिक रुचिकर है।

कृषि मंत्री का रांची, खूंटी, धनबाद, गुमला और देवघर के भूमि संरक्षण पदाधिकारी को सख्त निर्देश

दो दिनों में विधायकों से मिलकर योजना की जानकारी दें पदाधिकारी : शिल्पी

लाभुकों के आवेदन का अनुमोदन कर 31जनवरी तक कार्य प्रगति का निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची : कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं में सुस्ती पर नाराजगी व्यक्त की है . नेपाल हाउस के एनआईसी सभागार में भूमि संरक्षण के निदेशालय के साथ ऑन लाइन मीटिंग के दौरान योजना मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने योजना की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की. समीक्षा के दौरान रांची , खूंटी , धनबाद , गुमला और देवघर जिले में संचालित योजनाओं की सुस्त रफ्तार की बात सामने आई . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भूमि संरक्षण विभाग के पदाधिकारियों को अगले दो दिनों में क्षेत्र के विधायकों से मिलकर योजना की जानकारी देने का निर्देश दिया . उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों की सुस्ती की वजह से विभाग अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पा रही है . विभाग के द्वारा लाभुकों के लिए संचालित तालाब निर्माण , डीप बोरिंग योजना, ट्रेक्टर खरीद , कृषि संयंत्र का अपेक्षित लाभ नहीं दिया जा सका है . जितनी संख्या में आवेदन का अनुमोदन होना चाहिए , उस लक्ष्य से ये पांच जिले काफी पीछे है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विभाग को ब्रिज की भूमिका अदा करने की जरूरत है , ताकि लाभुकों तक सही जानकारी और समय के साथ योजना पहुंच सके . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि योजना का लाभ लेने से संबंधित फॉर्म जिला मुख्यालय के साथ-साथ प्रखंड कार्यालय में भी उपलब्ध रहना चाहिए . राज्य के विधायकों को भी योजना से संबंधित फॉर्म उपलब्ध कराए जाए, ताकि जरूरत मंद किसानों को लाभ मिल सके .किसानों के साथ बेहतर सामंजस्य बना कर ही विभाग की योजना को धरातल पर उतारा जा सकता है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य स्तर पर भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग जरूरी है . हर महीने निदेशालय स्तर पर योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर समीक्षा करने का निर्देश मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया है .

भूमि संरक्षण विभाग के निदेशक को 3 से 4 दिन में जिला स्तर पर रिपोर्ट लेने का निर्देश दिया गया है . उन्होंने इस बात को लेकर नाराजगी जताई की जिला स्तर पर खाली पद को भरा गया है फिर बेहतर परफॉर्मेंस नहीं हो पा रहा है . अगर पदाधिकारी को रहने और नहीं रहने पर कोई असर नहीं पड़ रहा है , तो सोचने की जरूरत है . विभागीय अधिकारी कार्य संस्कृति में बदलाव लाए और काम को गति देने का काम करें . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं का आवेदन और अनुमोदन करते हुए 31 जनवरी तक योजना की कार्य प्रगति की रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है .

रिम्स पीएचडी एंट्रेंस के लिए आवेदन 15 जनवरी तक

रांची(बिभा)। रिम्स ने पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम के सत्र 2024-25 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत रिम्स के कुल 41 विभागों के पीएचडी कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया होगी। आवेदन वेबसाइट रिम्स के वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। सभी जरूरी डॉक्यूमेंट के साथ 15 जनवरी तक जमा करना होगा। पीएचडी एंट्रेंस 18 फरवरी को संभावित है। परीक्षा ऑफलाइन मोड पर होगी। परीक्षा अवधि 120 मिनट का होगा। इसमें एमसीक्यू पैटर्न पर सवाल होंगे। परीक्षा केंद्र रिम्स, रांची में ही होगा। इसमें आवेदन फॉर्म शुल्क जनरल और ओबीसी कैटेगरी के लिए 300 रुपये एवं झारखंड के एससी तथा एसटी केटेगरी के लिए 200 रुपये निर्धारित है। साथ ही एंट्रेंस एग्जाम फीस 2500 रुपये निर्धारित है। ज्यादा जानकारी संस्थान के वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

पंडरा में लूट व फायरिंग मामले में महिला समेत चार गिरफ्तार

बिभास ंवाददाता

रांची : राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में 30 दिसंबर 2024 को दिनदहाड़े हुई 13 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अपराधियों ने आशीर्वाद आटा कंपनी के कैशियर सुमित कुमार गुप्ता से पैसे लूटे थे और बचाने आए युवक को गोली मार दी थी। इसमें पुलिस ने रांची और रामगढ़ में छापेमारी कर एक महिला सहित 4 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी हो कि यह वारदात ओटीसी मैदान के पास, आइसीआइसीआइ बैंक के नजदीक हुई थी। 3 अज्ञात अपराधियों ने कैशियर सुमित कुमार गुप्ता पर हमला कर 13 लाख रुपये लूट लिए। इस दौरान बचाने आए सुमित नाम के युवक को अपराधियों ने गोली मार दी और फरार हो गए। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम बनाई। पुलिस ने रांची और रामगढ़ में छापेमारी कर एक महिला सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के बाद पुलिस ने अपराधियों की तस्वीर जारी कर उनकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस अब भी घटना में शामिल 2 अन्य अपराधियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया जाएगा।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने जनता दरबार का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। जन समस्याओं के समाधान तथा शिकायतों के निवारण के लिए कांग्रेस कोटे के मंत्रियों द्वारा राज्य से लेकर जिला स्तर तक जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि सरकार गठन के प्रारंभ से ही कांग्रेस जन मुद्दों के प्रति गंभीर है और उनकी पंचायत से लेकर राज्य स्तर की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए जनता दरबार का आयोजन कांग्रेस कोटे के मंत्रियों द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है इस क्रम में शनिवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा जनता दरबार का आयोजन कांग्रेस भवन में किया गया,जहां विभिन्न लोगों तथा कांग्रेसजनो द्वारा अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया। 6 जनवरी को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह द्वारा जनता दरबार का आयोजन कांग्रेस भवन में 11:00 से 12:00 तक किया गया है यहां लोग अपनी समस्याओं को रख सकते हैं।

श्री शांति ने बताया कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य जनता को समाधान का उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है ताकि अपनी समस्याओं को दूर करने में उन्हें अनावश्यक भाग दौड़ और अन्य परेशानियों से बचाया जा सके। जनता दरबार में सभी विभाग से संबंधित समस्याओं पर कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के विभागों से संबंधित समस्याओं के अलावा यदि अन्य विभागों की समस्याएं आती हैं तो उस विभाग के मंत्री और अधिकारी से समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। समय-समय पर निराकरण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी संबंधित अधिकारी से ली जाएगी, जनता की समस्याओं का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। जिन उद्देश्यों के साथ जनता ने महागठबंधन पर अपना भरोसा जताया है उसके लिए बेहतर कार्य संस्कृति और मजबूत कार्य प्रणाली तैयार है। अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जाएगा जनहित के कार्यों से समझौता नहीं होगा। जनता दरबार के लिए मंत्रियों के लिए समय और तिथि का कैलेंडर तैयार किया जाएगा ताकि जनता सजग रहे और खुलकर अपनी बातों को रख सके।

रांची नगर निगम से निबंधित वेंडर्स के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करे प्रशासनः संजय सेठ

रांची(बिभा)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को कहा कि प्रशासन और नगर निगम अतिक्रमण के नाम पर वेंडर को क्षतिग्रस्त ना करें। नगर निगम ऐसे 5901 वेंडर, जो नगर निगम से निबंधित हैं उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करे। सेठ ने कहा कि 2016 में नगर निगम के सर्वे में रांची के विभिन्न जगहों पर 5901 वेंडर लाइसेंस निर्गत किए गए थे। सर्वे के मुताबिक, जहां पर वेंडर अपनी दुकान लगाकर व्यापार कर रहे हैं वहां से हटाने पर उन्हें दूसरी जगह स्थान मुहैया कराई जाएगी लेकिन प्रशासन के जरिये अभी अतिक्रमण के नाम पर दुकान उजाड़े जा रहे हैं। यही नहीं हद तो तब हो गई कि बिना नोटिस के दुकानदारों को बिना समय दिए सीधे दुकान उजाड़ दिए जा रहे हैं। ठेला को जेसीबी से तोड़ दिया जा रहा है। गाड़ी उलट दी जा रही है, जो बिल्कुल ही गलत है। सेठ ने कहा कि छोटे-छोटे वेंडर को प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत लोन भी मुहैया कराया गया है। हजारों वेंडर चलने वाले लोन लेकर व्यापार कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। दुकान हटा दिये जाने के बाद कहां से वह लोन चुका पाएंगे। साथ ही उनके सामने जीवन यापन की भी समस्या उत्पन्न हो गई है।

राष्ट्रीय जिम्नास्टिक चैंपियनशिपः जूनियर खिलाड़ी दिवास ने पैरालल बार स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

बिभा संवाददाता

रांची/सूरत : राष्ट्रीय जिम्नास्टिक चैंपियनशिप के चौथे दिन झारखंड के लिए गौरवपूर्ण पल आया, जब जूनियर खिलाड़ी दिवास ने अपनी शानदार प्रदर्शन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पैरालल बार स्पर्धा के व्यक्तिगत मुकाबले में स्वर्ण पदक हासिल किया। यह जीत झारखंड जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कठिन प्रतिस्पर्धा और उच्च स्तरीय प्रतिभागियों के बीच दिवास ने अपने आत्मविश्वास, तकनीकी कौशल और संतुलित प्रदर्शन के दम पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

ज्ञात हो कि झारखंड में जिम्नास्टिक खिलाड़ियों को रेलवे स्टेडियम, चक्रधरपुर में प्रशिक्षण की सुविधा है। खिलाड़ियों के अभिभावकों के द्वारा व्यक्तिगत रूप से दिलचस्पी लेकर अपने बच्चों को राज्य के बाहर प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता रहा है। राज्य में सुविधाओं से युक्त खेलगांव के गणपत राय स्टेडियम में सामान्य खिलाड़ियों को अभ्यास हेतु अनुमति नहीं रहने के बावजूद भी खिलाड़ियों द्वारा समय समय पर पदक जीता जा रहा है। गत वर्ष भी झारखंड के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एरोबिक्स प्रतियोगिता के दो स्पर्धा में कांस्य पदक जीत राज्य का मान बढ़ाया है।जो काफी सराहनीय है।

यह सफलता दिवास की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस जीत से न केवल दिवास को, बल्कि पूरे झारखंड को गर्व है।

झारखंड जिम्नास्टिक संघ के

मईयां सम्मान के साथ विधवा, वृद्ध और दिव्यांग जन को भी 2500 रुपए पेंशन राशि दे हेमंत सरकारःभाजपा

बिभा संवाददाता

रांची : प्रदेश भाजपा ने आज झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो सत्तामद में होश खो चुका है। झामुमो के नेता अपने किए वादों की विफलताओं को छुपाने केलिए अनर्गल और तथ्यहीन आरोप गढ़ने लगे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो नेता द्वारा चुनाव पूर्व भाजपा द्वारा बहनों केलिए घोषित गोगो दीदी योजना में करोड़ों की वसूली की बात बेबुनियाद,और तथ्यों से परे है।

श्री सिंह ने हेमंत सरकार से मांग किया कि अपने पार्टी के प्रवक्ता के अनर्गल आरोपों की जांच कराकर जनता को बताएं कि किसने फॉर्म भरने केलिए पैसे दिए हैं। सरकार करोड़ों की अवैध वसूली को भी उजागर करे अन्यथा भाजपा झामुमो के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए कानूनी कार्रवाई करेगी। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा एक सशक्त विपक्ष के नाते राज्य सरकार को जब उनका वादा याद कराती है तो सत्ताधारी गठबंधन तिलमिला जाता है।

झामुमो बताए कि 3200रुपए प्रति क्विंटल धान खरीद का वादा क्या केवल वोट लेने केलिए किया गया था। 450रुपए में गैस सिलिंडर का वादा क्या सिर्फ दिखावा था।

मईयां सम्मान योजना का भाजपा ने विरोध नहीं किया। बल्कि भाजपा के ही चुनाव पूर्व गोगो दीदी योजना के दबाव में ही झामुमो ने मईया सम्मान योजना की राशि को 1000 से बढ़ाकर 2500 रुपए किया। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार केवल मईया योजना में जैसे तैसे भुगतान करके अन्य योजनाओं का भुगतान रोक रही है। कहा कि हेमंत सरकार विधवा ,वृद्ध और दिव्यांग जन का भी पेंशन राशि बढ़ाकर 2500रुपए करे और शीघ्र भुगतान भी सुनिश्चित करे।ये लोग ज्यादा जरूरतमंद हैं। इनका पेंशन महीनों से बंद है।

डॉ श्यामा प्रसाद विवि के रसायन शास्त्र विभाग में व्याख्यान सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में प्राकृतिक पॉलिमरः संश्लेषण और अनुप्रयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव रंजन ने आमंत्रित वक्ता डॉ आरती महतो और आरआईआईआई की टीम का स्वागत किया। डॉ राजीव रंजन ने पॉलीमर केमिस्ट्री (बहुलक रसायन) के बारे में संक्षिप्त चर्चा करते हुए विषय प्रवेश कराया।

आमंत्रित वक्ता के तौर पर आरआईआईआई की निदेशिका डॉ आरती महतो ने पॉलीमर रसायन से संबंधित नवीनतम शोधों पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होने बहुलक रसायनों के संश्लेषण और उनके बहू-प्रयोगों पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान ही ग्वार गम आधारित हाइड्रोजेल के संश्लेषण का प्रदर्शन भी किया गया और इसके विभिन्न अनुप्रयोगों की जानकारी दी गई। आरआईआईआई की डॉ. फरजाना ने भी कुछ बहुलकों का संश्लेषण करके छात्रों के समक्ष इसका प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान में करियर के अवसरों पर प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विशेषज्ञों ने दिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक और व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य का यह मानना है कि विगत कुछ अंतराल से विश्वविद्यालय के सामाजिक, मानविकी और विज्ञान संकाय में नियमित तौर पर शैक्षणिक सेमिनार, संवाद और विमर्श पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जल्द ही विश्वविद्यालय में अलग अलग संकायों के लिए कई राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना है, जिसके माध्यम से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव रंजन, डॉ पूनम भारद्वाज, डॉ खुर्शीद अख्तर और डॉ एन के राय भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्नातक और स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र के 60 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संचालन में आरआईआईआई के सदस्यों डॉत फरहाना रोजी, विपिन सिंह और विवेक सिंह का भी पूर्ण सहयोग रहा।

झारखंड लॉन बॉल संघ ने खिलाड़ियों को माला पहनाकर किया स्वागत

बिभा संवाददाता

रांची : दिल्ली से रांची राजधानी ट्रेन से आने के बाद रांची रेलवे स्टेशन पर झारखंड लॉन बॉल टीम का झारखंड लॉन बॉल संघ ने सभी खिलाड़ियों का माला पहनाकर किया भव्य स्वागत। बताते चले की झारखंड के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया , और अंडर 25 और पुरुष वर्ग में झारखंड चैंपियन रही , और इसके साथ टीम ने 38वीं राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड के लिए सभी वर्ग में क्वालीफाई भी कर लिया, लॉन बॉल संघ के सचिव सह कोच ने कहा जल्द अभ्यास कैंप रांची में लगाया जाएगा जहां हमने गलती की है उसमें सुधार किया जायेगा।

पुरुष वर्ग में : दिनेश कुमार , सुनील बहादुर , प्रिंस महतो, अभिषेक लकड़ा, आलोक लकड़ा, मोहम्मद वसीम, दुबराज

महिला वर्ग में : लवली चौबे, रूपा रानी तिर्की , सरिता तिर्की , कविता रेशमा, अन्नू सेठ, खुशबू कुमारी

वहीं अंडर 25 वर्ग महिला : बसंती कुमारी, सोनी कुमारी

वहीं अंडर 25 वर्ग पुरुषः सौरव कुमार , सूरज केशरी

स्वागत करने वालों में देवेंद्र सिंह, शशि सिंह, रोहित , रितेश झा इत्यादि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

चंदनक्यारी में सड़क दुर्घटना, बाइक सवार की मौके पर मौत

बोकारो/बिभा संवाददाता। बोकारो के चंदनक्यारी स्थित सबरा दहरा जुडिया के समीप एक ट्रक वाले ने बाइक संवाद को रौंदा जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई बताते चले की चंदन केरी के चंद्र निवासी 30 वर्षीय जयदेव झा की रोड एक्सीडेंट में दर्दनाक मौत हो गई वह अपने बाइक ज ह 09 ऐ डी 1723 से अपने घर लौट रहे थे इसी क्रम में सबरा दहरा जोड़ियों के समीप ट्रक ने जोरदार टक्कर मारी चंद्रा निवासी जयदेव शाह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई इसको लेकर ग्रामीणों ने मुआवजे के लिए चंदनक्यारी रोड को पूरी तरह जाम कर दिया।

गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के तीसरे दिन निकाली गई प्रभात फेरी

रामगढ़/बिभा संवाददाता। साहब श्री गुरु गोविंद सिंह साहब जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए रामगढ़ शहर में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रभात फेरी आरंभ की गई है। कड़ाके की ठंड होने के बावजूद संगत में कमी नहीं आई, अमृत गुर ते पाया, सास सस सिमरो गोविंद जैसे सब्दो से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। निशान साहेब पर पुष्प की माला डाली, निशान साहब की सेवा जसकीरत सिंह सैनी गुरजोत सिंह सैनी के द्वारा नंगे पैर की गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से निकलकर किला मंदिर, लोहार टोला, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंची। मौके पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी, डॉ नरेंद्र सिंह सोनी मनदीप सिंह गुरदीप सिंह सैनी, कुलवंत सिंह मारवाह, तेजेंद्र सिंह सोनी, मशहूर गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा, सोमा जस्सल शामिल हुए।

गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के तीसरे दिन निकाली गई प्रभात फेरी

रामगढ़/बिभा संवाददाता। साहब श्री गुरु गोविंद सिंह साहब जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए रामगढ़ शहर में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रभात फेरी आरंभ की गई है। कड़ाके की ठंड होने के बावजूद संगत में कमी नहीं आई, अमृत गुर ते पाया, सास सस सिमरो गोविंद जैसे सब्दो से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। निशान साहेब पर पुष्प की माला डाली, निशान साहब की सेवा जसकीरत सिंह सैनी गुरजोत सिंह सैनी के द्वारा नंगे पैर की गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से निकलकर किला मंदिर, लोहार टोला, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंची। मौके पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी, डॉ नरेंद्र सिंह सोनी मनदीप सिंह गुरदीप सिंह सैनी, कुलवंत सिंह मारवाह, तेजेंद्र सिंह सोनी, मशहूर गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा, सोमा जस्सल शामिल हुए।

बालू खनिज के अवैध खनन व परिवहन पर तीन ट्रैक्टर जब्त

रामगढ़/बिभा संवाददाता। रामगढ़ जिले में अवैध खनन, खनिजों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार द्वारा अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में कुज्जू ओपी अंतर्गत ग्राम बौंगाबार के पास दो ट्रैक्टर बालू लोड कर ले जाते हुए पाया गया गश्ती दल द्वारा दोनों ट्रैक्टर चालको से जांच के क्रम में बालू संबंधित कागजात की मांग करने पर कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। दोनों ट्रैक्टरों में अवैध बालू परिवहन किया जा रहा था। कुज्जू ओपी अंतर्गत महिंद्रा 415DI लाल रंग ट्रैक्टर जिसका निबंधन संख्या JH18H1671 इंजन नंबर RJF4YBA4003 वहीं दूसरी वाहन संख्या पावर ट्रैक 434 ब्लू रंग का ट्रैक्टर इंजन नंबर E3187429,चेचिस नंबर B3169037। बासल थाना क्षेत्र में संध्या गस्ती के क्रम में जयनगर पतरातु की ओर से अवैध बालू लोड लाल रंग का महिंद्रा ट्रैक्टर जिसका चेचिस नंबर MBNABAEAPKRJ 00129 इंजन नंबर RKJ 2DBN 0309 पर अवैध बालू खनिज लोड पाया गया। उक्त तीनों ट्रैक्टरों में जांच पड़ताल किया गया परंतु बालू का परिवहन चालान कागजात नहीं पाया गया। जिसके उपरांत वाहन मालिक, चालक एवं अन्य संलिप्त लोगों के विरूद्ध सरकारी संपत्ति की चोरी, खनन राजस्व की छति, राष्ट्रीय हरित न्यायधिकरण के आदेश का उल्लंघन तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के धारा 4/21, झारखंड लघु खनिज नियमावली 2004 यथा संशोधित के नियम 4/54 एवं The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining Transportation and Storage) Rule 2017 के नियम 9/13 के तहत जिला खान निरीक्षक रामगढ़ द्वारा प्राथमिकी दर्ज करायी गयी।

परीक्षा को लेकर बनी केंद्रों की सूची, डीसी ने कहा केंद्रों का निरीक्षण करें

63 केंद्रो पर मैट्रिक व 44 केंद्रों पर होगी इंटर परीक्षा

बिभा संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने आगामी फरवरी माह में होने वाले मैट्रिक – इंटर परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र चयन समिति की बैठक की। मौके पर सांसद प्रतिनिधि गिरिडीह, विधायक प्रतिनिधि चंदनकियारी, विधायक प्रतिनिधि डुमरी, विधायक प्रतिनिधि बेरमो, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने समिति को बताया कि इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में कुल 25,910 छात्र शामिल होने हैं, जिसके लिए 63 परीक्षा केंद्रों को चिन्हित किया गया है। वहीं, इंटर परीक्षा (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) में कुल 23,436 छात्र शामिल होने हैं, जिसके लिए 44 परीक्षा केंद्रों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने प्रखंडवार चिन्हित परीक्षा केंद्रों, शामिल होने वाले विद्यालयों के छात्रों, उनकी संख्या से समिति सदस्यों को अवगत कराया। उपायुक्त ने कहा कि कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन को लेकर झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा जारी सभी गाइडलाइन का अक्षरशः अपालन करना है। इसमें किसी तरह की कोई चूक नहीं हो। बैठक में डुमरी विधायक प्रतिनिधि ने नावाडीह प्रखंड के उपरघाट के छात्रों के परीक्षा केंद्र की दूरी अत्याधिक होने की बात कहीं। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से तकनीकी जानकारी ली, उन्हें नजदीक के विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है कि नहीं भौतिक समीक्षा कर प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा सांसद गिरिडीह के प्रतिनिधि एवं विधायक बेरमो प्रतिनिधि ने भी अपनी बात रखी, जिस पर उपायुक्त ने डीईओ को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने मैट्रिक एवं इंटर के परीक्षा केंद्रों की सूची को विभिन्न दैनिक अखबारों में प्रकाशित करने, संबंधित विद्यालयों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिया।

उपायुक्त के निर्देश पर विभिन्न मिष्ठान प्रतिष्ठानों का किया गया जांच

एसडीओ - एफएसओ ने लिया प्रतिष्ठानों का सैंपल

बिभा संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार अनुमण्डल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढ़ांडा एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी (एफएसओ) श्वेता लकड़ा के द्वारा सेक्टर 04 सिटी सेंटर स्थित विभिन्न मिष्ठान/खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। द्वय पदाधिकारियों ने कोजी स्वीट्स, मानसरोवर स्वीट्स एवं रेस्टोरेंट, मोती महल डिलक्स, नटखट स्वीट्स आदि का निरीक्षण किया। टीम द्वारा सभी प्रतिष्ठानों में उपलब्ध खाद्य पदार्थों का सैंपल संग्रह किया गया। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा एवं सैंपल में त्रुटि होने/मानक अनुरूप नहीं होने पर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ चास ने प्रतिष्ठानों को साफ सफाई से संबंधित निर्देश दिया। वहीं, खाद्य सुरक्षा - मानक अधिनियम 2006 के निर्धारित मानक अनुसार प्रतिष्ठान में पाये गये कमियों को सुधारने को लेकर संबंधित प्रतिष्ठानों को इंप्रूवमेंट नोटिस दिया गया एवं निर्देश का 14 दिनों के अंदर नोटिस का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। एसडीओ चास ने नियमित रूप से जाँच एवं सैंपलिंग किया जाएगा एवं किसी भी प्रकार के मिलावट खोरी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एफएसओ ने कहा कि सभी प्रतिष्ठानों से आग्रह है कि साफ - सफाई सुनिश्चित करेंगे, साफ पानी का उपयोग एवं खाद्य सामग्रियों में अनावश्यक रंगों के इस्तेमाल से परहेज करेंगे।

चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने मुख्यमंत्री को दी नववर्ष की बधाई, क्षेत्र के विकास पर हुई चर्चा

बोकारो। चंदनकियारी के विधायक और पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने आज रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को नववर्ष की बधाई दी और अपने क्षेत्र के विकास योजनाओं के बारे में चर्चा की। रजक ने इस बार झामुमो की टिकट से चुनाव लड़कर भाजपा विधायक दल के नेता रहे अमर बाउरी को भारी अंतर से हराया है।

गोमिया प्रखंड में एनआईए की छापेमारी नक्सलियों से जुड़े सामान किया गया जब्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में शनिवार सुबह नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने कई जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई नक्सल गतिविधियों, लेवी और अवैध हथियारों से जुड़ी गुप्त सूचना पर आधारित थी। छापेमारी के दौरान कई थानों की पुलिस और महिला सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे। हालांकि किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई, लेकिन मोबाइल, डायरी जैसे सामान जब्त किए गए। एनआईए की टीम ने झुमरा पहाड़ और इसके आसपास के गांवों में छापेमारी की। चतरो चट्टी, रजडेरबा, लोधी, चेयाटांड और हरयीदमो गांवों में एनआईए की टीम पहुंची है। एनआईए की अलग-अलग आठ टीमें नक्सलियों से संबंध रखने वाले और नक्सली संगठनों के बारे में तथ्यों को खंगालने में लगी हुई है। पुलिस अधीक्षक ने इसे नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया।

एमजीएम स्कूल में जूडो प्रतियोगिता पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम स्कूल बोकारो मैं 28 एवं 29 दिसंबर को हुए झारखंड राज्य सब जूनियर और सीनियर जूडो प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों का प्रातः प्रार्थना सभा में स्कूल के प्राचार्य के द्वारा सम्मानित किया गया झारखंड राज्य जूडो प्रतियोगिता जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल रांची में हुआ जिसमें एमजीएम के कई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया तथा कल 16 पदक जीतकर सब जूनियर कैटेगरी में ओवरऑल ट्रॉफी का खीताब बोकारो को दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पदक जीतने वाले खिलाड़ि सब जूनियर वर्ग में अमन कुमार, राहुल कुमार, प्रियांशी गौरव, प्रियदर्शनी सिंह, साक्षी सिंह सोलंकी, नमन ऋषि, सत्यम केसरी, रिचा नंदा, अर्पित टोप्पो, अंशु कुमार। सीनियर वर्ग में आयशा रंजन,ओम आनंद,प्रियांशु राज सिंह,स्नेहा कुमारी,प्राची कुमारी एवं सक्षम कुमार सिंह इन जूडो खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्गीस खुशी जताते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं भेंट की साथ ही साथ स्कूल के उप प्राचार्य रेखा बनर्जी, एकेडमिक डायरेक्टर जॉर्ज जोसेफ, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी के साथ स्कूल के अन्य खेल शिक्षकों में राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, सौरभ कुमार एवं वंदना कुमारी ने खिलाड़ी छात्रों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

नक्सली गतिविधि के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई

बोकारो। बोकारो जिले में शनिवार को एनआईए की टीम ने दस्तक दी। एनआईए ने गोमिया प्रखंड में कुल आठ जगहों पर नक्सली समर्थकों के यहां छापेमारी की है।जिसमें गोमिया थाना क्षेत्र में एक चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में सात जगह शामिल है। इस खबर की बोकारो पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयरी ने पुष्टि की है।पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयरी ने बताया है कि छापेमारी के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से एनआईए की टीम के साथ बोकारो पुलिस भी मौजूद थी। सुबह से दोपहर तक छापेमारी चली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक फरवरी 2024 में पुलिस के साथ नक्सलियों की हुई मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों के मिले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और लैपटॉप से मिली।

धान अधिप्राप्ति केंद्र पौखन्ना का विधायक ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

बोकरो। धान अधिप्राप्ति केंद्र पौखन्ना का उद्घाटन शनिवार को बोकारो विधायक श्वेता सिंह एवं चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्वेता सिह ने कहा की क्षेत्र में मानसून के आधार पर किसान आश्रित है। यहां सिंचाई की व्यवस्था होने पर किसानो में लाभ के साथ साथ अन्य फसले उगाने में प्रोत्साहित मिलेगी। उन्होंने उपस्थित किसानो को विश्वास दिलाते हुए कहा की क्षेत्र में बंद पड़े लिफ्ट इरिगेशन को चालु कराया जाएगा और नई जगह नया इरिगशन का भी व्यवस्था किया जाएगा वही चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने कहा की धान खरीद में किसानों को विश्वास में लेना बहुत ही जरूरी है। वजन इमानदारी पूर्वक होना चाहिए। किसी भी धान अधिप्राप्ति केंद्र से ऐसी शिकायत मिलने पर उस पैक्स के अध्यक्ष को सहित अन्य अधिकारी नपें जायेंगे। इसके पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी चास के प्रदीप कुमार ने धान अधिप्राप्ति के विषय पर किसानो को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मौके पर जीप सदस्य राजेश महतो, किरण चंद्र बाउरी, पवन झा, मुखिया कृष्णपद महतो, गुलाम अंसारी, पशुपति कुमार, शिबु बीसीओ राणा रमेश कुमार सिंह सोरेन, पैक्स प्रबंधक गोपन कुमार महतो अध्यक्ष उमेश चंद्र महतो राजकुमार गोप, संतोष कुमार, योगेश्वर महतो, राजु माहथा, निरंजन महतो, गौराचांद महतो सहित दर्जनो किसान उपस्थित थे।

9वीं राष्ट्रीय लॉन बाउल्स पुरुष व बालिका में झारखंड बना चैम्पियन

बिभा संवाददाता

बोकारो। 26 दिसंबर से 2 जनवरी तक दिल्ली के डीपीएस आरके पुरम में संपन्न हुई 9वीं राष्ट्रीय लॉन बाउल्स पुरुष व बालिका आयु 25 वर्ग में झारखंड टीम बनी चैम्पियन। चैंपियनशिप के महिला वर्ग में झारखंड की टीम ओवर ऑल उपविजेता बना। स्वर्ण पदक : सुनील बहादुर व दिनेश कुमार, पुरुष ट्रिपलः अभिषेक लाकड़ा व एम डी वसीम ब्रोंज मेडल : आलोक लाकड़ा व दिनेश कुमार 25 वर्ष से कम आयु (बालक वर्ग) सौरभ कुमार महिला एकल : सरिता तिर्की ने रजत पदक जीता लवली चौबे एवं रूपा रानी तिर्की की जोड़ी ने जीता स्वर्ण पदक रेशमा कुमारी, अन्नू सेठ, कविता कुमारी ने ट्रिपल में जीता रजत पदक। महिला फोर्स में सिल्वर मेडल जीता : लवली चौबे ,रेशमा कुमारी व कुमारी रूपा रानी तिर्की ने रजत पदक जीता। 25 वर्ष से कम आयु की महिला वर्ग में बसंती कुमारी ने स्वर्ण पदक जीता। चैंपियन झारखंड टीम में बोकारो के सौरभ कुमार एवं रेशमा कुमारी ने किया उत्कृष्ट पदर्शन इन दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर झारखंड लाउन बोलिंग एसोशिएशन के सचिव डॉ, मधुकांत पाठक, बोकारो जिला लाउन बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, सचिव राजेश्वर सिंह सहित दर्जनों खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने खुशी और गर्मजोशी के साथ नए साल का किया स्वागत

बिभा संवाददाता

बोकारो। ईएसएल स्टील लिमिटेड ने नए वर्ष 2025 के आगमन का जश्न टाउन हॉल कार्यक्रम के साथ मनाया। इस जीवंत और प्रेरणादायक कार्यक्रम जिसमें कर्मचारियों, नेतृत्व हितधारकों को पिछली उपलब्धियों पर विचार करने और आने वाले वर्ष की चुनौतियों और अवसरों को अपनाने के लिए प्रण के लिए एक साथ एकत्रीकृत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक श्री आशीष गुप्ता के हार्दिक स्वागत भाषण से हुई। जिन्होंने पिछले साल कंपनी की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर विचार व्यक्त किया। उन्होंने कंपनी के विजन को आगे बढ़ाने में एकता, नवाचार और उत्कृष्टता के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में 2025 डायरी का अनावरण, केक काटने की रस्म और पुरस्कार विजेता एनसीक्यूसी और सीएसआर टीमों द्वारा किए गए असाधारण योगदान को मान्यता दी गई। 500 से अधिक कर्मचारियों ने व्यक्तिगत और आभासी रूप से भाग लिया। टाउन हॉल ने ई एसvएल स्टील टीम के सामूहिक समर्पण और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक, आशीष गुप्ता ने कहा, जैसा कि हम 2025 में कदम रख रहे हैं, मैं वेदांता ई एस एल परिवार के प्रत्येक सदस्य के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।वे सब पिछले वर्ष में ऐसे मील के पत्थर रहे, जिन्होंने हमारी ताकत, लचीलापन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। हम इस गति को आगे बढ़ाने, नए मानक स्थापित करने और अपने साझा लक्ष्यों को साकार करने का संकल्प लेते हैं। साथ मिलकर, हम चुनौतियों को अवसरों में बदलना जारी रखेंगे। आप सभी और आपके परिवारों को नववर्ष की शुभकामनाएँ। जैसा कि हम 2025 में कदम रख रहे हैं, सीईओ और डब्ल्यूटीडी, आशीष गुप्ता ने अध्यक्ष अनिल अग्रवाल के दृष्टिकोण को साझा किया। जिसमें ईमानदारी को बनाए रखने, शून्य चोटों की प्रतिबद्धता के साथ सुरक्षा को प्राथमिकता देने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया। हम प्रतिभाओं को पोषित करने, युवा नवोन्मेषकों को सशक्त बनाने और अपनी विश्व स्तरीय संपत्तियों को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। भागीदारों के साथ जुड़कर और व्यावसायिक कौशल को बढ़ाकर, हमारा लक्ष्य सामूहिक सफलता प्राप्त करना है। सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, हम समुदाय को प्राथमिकता देंगे और सार्थक, स्थायी प्रभाव डालने के लिए काम करेंगे। 2024 में, ईएसएल को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। जिसमें पूरी टीम की लगन, कड़ी मेहनत और सामूहिक उत्कृष्टता को दर्शाया गया। कंपनी को ईटी एच आर वर्ल्ड द्वारा 'हैप्पी प्लेस टू थ्राइव अवार्ड 2023' से सम्मानित किया गया, ग्लोबल अवाड्र्स में बेस्ट इन लार्ज एंड जेन वाई के रूप में मान्यता दी गई, और स्टेम में महिलाओं में उत्कृष्टता के लिए सीआईआई अवार्ड प्राप्त किया। ईएसएल ने इन्कॉन अवाड्र्स में स्टार-रेटेड मेमेंटो और केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री द्वारा प्रस्तुत संवाद 4.0 में टीमटी आपूर्ति के लिए 'उत्कृष्टता पुरस्कार' भी अर्जित किया। इसके अतिरिक्त, मीनाक्षी सभरवाल को भारतीय इस्पात संघ द्वारा 'विंग्स ऑफ़ स्टील अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जबकि आशीष रंजन ने csr, PR और भूमि प्रबंधन में अपने नेतृत्व के लिए 'सरदार पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार 2024' जीता। ईएसएल ने ग्वालियर में आयोजित एनसीक्यूसी 2024 एबीवी-आईआईआईटीएम में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अंततः एमक्यूएच बेस्ट प्रैक्टिसेज कॉम्पिटिशन 2024 में विनिर्माण के लिए एमक्यूएच विनर ट्रॉफी हासिल की। ये मान्यताएँ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए ईएसएल की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गाँव में स्थित, ईएसएल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक अग्रणी निर्माता है। इसके पास 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) का ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट है जो पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है। यह प्लांट निर्धारित पर्यावरण मानकों के अनुरूप काम करता है, जो विश्व स्तरीय सेवाओं और उत्पादों की पेशकश करने के लिए प्रतिष्ठित निर्माताओं से अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधान लाता है।

संक्षिप्त खबरें

नियत चाल पर वाहन चलाएँ व हेलमेट तथा सीटबेल्ट का उपयोग : निशांत

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिला में सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक निशांत रौशन के द्वारा बताया गया कि मार्ग के किनारे साइनेज अधिष्ठापित किए गए है जो मार्ग से जुड़े जानकारी के संकेतक हैं। अतः वाहन चलाते समय सभी प्रकार के साइनेज को दृष्टिगत रखते हुए गाड़ी चलाए। कभी भी वाहन निर्धारित गति सीमा पर ही चलाए और समय बचाने के लिए ओवरस्पीड ना करें। ऐसा कर आप अपनी तथा दूसरों की जिंदगी बचा सकते हैं। वाहन चालन वैध लाइसेंस के साथ ही करें एवं वाहन से संबंधित कागजात अपने साथ रखे। वाहन चलाते समय हेलमेट तथा सीटबेल्ट का उपयोग जरूर करें। किसी भी दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति को समय से मदद पहुंचा कर गुड समरीटन बनने का प्रयास करें। सड़क सुरक्षा के प्रति आपकी गंभीरता आपको एक जिम्मेवार नागरिक बनने में सहायता करता है। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करने हेतु शपथ दिलाई गई।

ठंढ से बचने के लिए गरीब जरुरतमंदों को दुलारमनी ने प्रदान किया कम्बल

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिले में बढ़ती ठंड को देखते हुए गरीब व जरूरतमंद लोगों के बीच ठंड से राहत दिलाने के लिए खूँटी महिला थाना के पूर्व प्रभारी दुलारमनी टुडू ने शनिवार को सपरिवार खूँटी आकर कम्बल वितरण किया। श्रीमती टुडू ने खूँटी के दुकानों में काम करने वाली मजदूर तथा दादुल घाट आदि जगहों में जाकर जरूरतमंद वृद्धाओं के बीच कम्बल वितरण की। वहीं माँ के द्वारा इस नेक कार्य में बच्चे भी गौरवान्वित महसूस किया। इस दौरान वृद्धजनों ने पूर्व थाना प्रभारी की इस सेवा कार्य से काफी खुश हुई । जिनके पास ओढ़ने के लिए कड़ाके की ठंढ में चादर मात्र था जो जमीन में नींद लेकर रात बिताती हैं। वहीं उन्होंने खुश होकर दुलारमनी टुडू को आशिर्वाद दी। बता दें कि दुलारमनी टुडू जब भी हो आवश्यकता अनुसार गरीब व जरूरतमंद लोगों को मदद करने में समय समय पर हाथ आगे बढ़ाती है। वहीं उनके पति राजेश सोरेन भी उनका ऐसे कार्य में सहयोग करते हैं। श्रीमती टुडू ने कहा कि ऐसे कार्य करने में संतुष्टि मिलती है और मन को शांति मिलती है। ऐसे कार्य भविष्य में जैसा भी आगे भी कार्य करते रहेंगे।

अफीम खेती के विरुद्ध चलाया गया विनष्टीकरण अभियान

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिले में अफीम खेती के विरुद्ध लगातार विनष्टीकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को खूँटी थाना क्षेत्र के बारूडीह में लगे 05 एकड़, साइको थाना के जीवरी में 14 एकड़, मारंगहादा थाना के होड़ोंग और बिछागुटु में 4 एकड़, मुरहू थाना पेरका, मेराल, ईथे में 10 एकड़, अड़की थाना लुपुंगपीढ़ी एवं चेरेंबा में 10 एकड़ में लगे अवैध अफीम के खेती को ट्रैक्टर चलाकर विनिष्ट किया गया ।

उच्च वर्गीय लिपिक के निधन पर शोक, रखा गया दो मिनट का मौन

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। जिला आपूर्ति कार्यालय में पदस्थापित उच्च वर्गीय लिपिक तारामनी कुमारी का आकस्मिक निधन हो गया जिसे लेकर आज उपायुक्त कार्यालय, लोहरदगा प्रांगण शोक स्वरूप 2 मिनट का मौन उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के नेतृत्व में रखा गया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत जिला के अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद थे। स्वर्गीय तारामनी अपनी सेवा के दौरान कर्त्तव्यनिष्ठ, अनुशासित, मृदुभाषी एवं व्यवहारकुशल कर्मी रहीं।

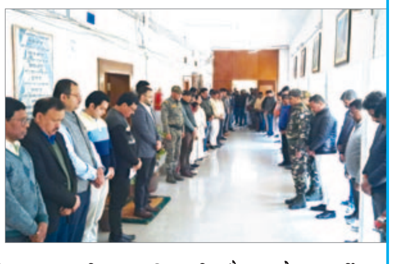

कुडू के टाटी पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र का हुआ शुभांरभ

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। कुडू के टाटी पंचायत भवन में शनिवार को ज्ञान केंद्र का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में बीडीओ कुडू प्रवेश कुमार साव, बीपीओ निलेन्द्र कुमार और टाटी पंचायत की मुखिया राजमुनी देवी ने सयुक्त रूप से फिता काट कर ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि जो लोगों पढ़ाई में रुचि रखते हैं वो पंचायत में आ कर पढ़ाई कर सकते हैं। इस मौके पर बीडीओ प्रवेश कुमार साव, बीपीओ निलेन्द्र कुमार, राजमुनि देवी, राजेश आवास मित्र, रजनी रोजगार सेवक, प्रज्ञा केंद्र संचालक कुंदन कुमार, जयपाल मुंडा,इत्यादि मौजूद थे।

ट्रक अनलोडिंग मजदूर संघ ने सांसद सुखदेव भगत से किया मुलाकात

हिंडाल्को को हर हाल में मजदूरों को देना होगा रोजगार : सांसद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। ट्रक अनलोडिंग मजदूर संघ के सैकड़ो मजदूर शनिवार को लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात किया । इस दौरान मजदूरों ने सांसद को बताया कि हम लोग अनलोडिंग स्टेशन में विगत 17 वर्षों से काम कर रहे हैं। जिससे हम लोगों का भरण पोषण होता है। हिंडालको कंपनी गत दो माह से अनलोडिंग स्टेशन में ट्रकों का परिचालन बंद कर दिया है जिसके कारण हम सबों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गया है। मजदूरों ने सांसद से सभी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग किये। मौके पर सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि वह मजदूरों के साथ हैं। मजदूरों के साथ हो रहे अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।मजदूरों को न्याय मिलेगा। श्री भगत ने कहा कि विगत 17 वर्षों से सैकड़ो ट्रक मजदूर काम कर रहे हैं जिसके कारण हजारों लोगों का भरण पोषण हो रहा है। दो माह से हिंडाल्को के द्वारा ट्रकों का परिचालन बंद करने से मजदूरों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गया है। जनप्रतिनिधि होने के नाते मजदूरों को न्याय दिलाना उनका दायित्व है। हिंडाल्को एक ओर रोपवे से बॉक्साइट का ढुलाई कर रही है लेकिन ट्रकों के द्वारा बॉक्साइट का ढुलाई लोहरदगा स्टेशन में नहीं कर रही है अगर ट्रकों से प्रदूषण होता है तो रोपवे से भी प्रदूषण होगा। हिंडाल्को के दोहरे नीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मजदूरों के हक हुकुम के लिए वे मजदूरों के साथ है। हिंडाल्को का हर हाल में मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराना होगा ।मौके पर मनोज सोन तिर्की, अनिल उरांव, विनोद उरांव, प्रेमचंद महतो, प्रदीप उरांव, नीलमणि तिग्गा, सुधा उरांव, ललिता उरांव, रवि महली, बुधमन टोप्पो, विमला उरांव, फुलमनी उरांव, सुगी उरांव, धर्मदेव उरांव, ननका अंसारी, निवेश उरांव, रोपा उरांव, मनोज भगत, आलोक कुमार साहू, नेसार अहमद, साजिद अहमद चंगू, जगदीप भगत, सोनू कुरैशी सहित सैकड़ो मजदूर उपस्थित थे।

सोलर चाक के उपयोग से कुम्हारों की कार्यक्षमता में वृद्धि

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के कुम्हार अब इलेक्ट्रिक सोलर चाक के उपयोग से अपने पारंपरिक व्यवसाय को नए आयाम दे रहे हैं। हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सोलर चाक चलाने और इसके लाभों की जानकारी प्राप्त करने के बाद कुम्हार अब इस तकनीक का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं। प्रशिक्षित कुम्हार सोलर चाक की सहायता से मिट्टी के बर्तन, दीये, मूर्तियां और अन्य सामग्री का निर्माण आसानी से और कम समय में कर रहे हैं। इस आधुनिक तकनीक ने न केवल उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाया है, बल्कि उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खूँटी के एक प्रशिक्षित कुम्हार ने कहा कि सोलर चाक से काम करना बहुत आसान हो गया है। पहले जहां हमें अधिक समय और मेहनत लगानी पड़ती थी, अब उसी काम को कम समय में पूरा कर सकते हैं। इससे हमारी आय में भी सुधार हो रहा है।

उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कहा कि यह पहल कुम्हारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास है। सोलर चाक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ उनके व्यवसाय को भी सशक्त बना रहा है। जिला प्रशासन भविष्य में भी ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देगा। सोलर चाक के इस्तेमाल से कुम्हार पारंपरिक हस्तशिल्प को संरक्षित कर रहे हैं, उनके उत्पादों में भी वृद्धि हो रही है।

उप विकास आयुक्त ने विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी। मुरहू पंचायत का दौरा करते हुए उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने शनिवार को मुरहु पंचायत के अंतर्गत जिला परिषद की योजना की समीक्षा की। वहीं मुरहू पंचायत में बनी योजना और अन्य के सम्बन्ध में जांच करते हुए मुख्य रूप से मुरहु के मनोरंजन पार्क, बहुद्देशीय भवन, गोदाम भवन, मुरहू बाजार सहित सेरात का निरीक्षण किया।

उप विकास आयुक्त ने उप प्रमुख और जिलां परिषद सदस्य से कहा कि आप लोगो के द्वारा दिया गया सुझाव पर राजस्व सम्बन्धित योजना दी जायेगी जिससे सामिति की आय में वृद्धि के साथ साथ जनहित के लिए लाभकारी होगा।

उप प्रमुख अरुण साबू ने कहा कि शादी करने का स्थल बहुद्देशीय भवन में पानी का आभाव है इसके लिए उप विकास आयुक्त ने 2 न्यू बोरिंग का आदेश दिया साथ ही भवन के आस पास कचरा का साफ सफाई का निर्देश दिया। नेलानी देमता ने बताया कि जिला परिषद के अंतर्गत मुरहु पंचायत में चर्च रोड का निर्माण शांतिपुरी में पथ का निर्माण किया जाय ।

साथ ही गाँव के सूरजमल जी के द्वारा बताया गया कि अतिक्रमण के तहत अभियान चलाया जाए ताकि अतिक्रमित भूमि से मुरहु को बिमुक्त किया जाय। साथ ही बाजार के अंदर में बने दुकान का भी टेंडर कार्य कराया जाय ताकि दुकान का आवंटन जनहित में हो सके। उप विकास आयुक्त ने अंचलाधिकारी को निर्देशित करते हुए बाजार की भूमि का मापी और चर्च रोड सहित शांति पूरी पथ का मापी का आदेश दिया। उप प्रमुख को आस्वस्त किया गया कि मुख्य पथ पर स्ट्रीट लाइट जल्द अधिष्ठापित किया जाएगा ।

बैठक में बाजार ठेकेदार द्वारा बाजार में कचरा जो लोग फेंकते है उस सम्बंध से अवगत कराते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि जो भी कचरा फेंकते हुए पाय जाएंगे उनपर अभिलंब फ़ोटो अथवा प्रमाण के आधार पर फाइन काटा जाय। इस मौके पर मुरहु प्रखण्ड में उप प्रमुख अरुण साबू जिला परिषद सदस्य श्रीमती नेलानी देमता , प्रखण्ड बिकास पादधिकारी रंजीत कुमार , अंचलाधिकारी शंकर विद्यार्थी, समाजसेवी महेश गुप्ता, रितेश गुप्ता आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक

खूँटी। डीआरडीए स्थित सभागार में जिला पंचायती राज पदाधिकारी शिशिर कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को पंचायत राज विभाग द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा की गई। इनमें मुख्य रूप से ट्रेनिंग के तहत पोर्टल में रखने की प्रगति, 15वें वित्त आयोग के तहत व्यय को एक सप्ताह में 50% तक बढ़ाने, पंचायत ज्ञान केंद्र का अधिष्ठापन, जनप्रतिनिधियों के मानदेय से संबंधित विषय, सभी पंचायतों में बायोमेट्रिक मशीन का अधिष्ठान एवं संचालन सुनिश्चित करने, पंचायत सुदृढ़ीकरण और 15वें वित्त आयोग की उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्थिति, पंचायत भवन की स्थिति और भारत नेट रिचार्ज की समीक्षा और प्रज्ञा केंद्र से संबंधित प्रगति की जानकारी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर की ग्रेडिंग सिस्टम रिपोर्ट, पंचायत स्वयंसेवकों के कार्यों की समीक्षा, डिजिटल सिग्नेचर से संबंधित मुद्दों का समाधान, कंप्यूटर ऑपरेटर के कार्यों के विषय पर विस्तार से समीक्षा की गई।

ऐनुल अंसारी ने नये थाना प्रभारी अजीम अंसारी का किया स्वागत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां द्वारा बीते दिनों जिले के कई थाना प्रभारियों को इधर से उधर तबादला किया गया था। इसी कड़ी में एसपी हारिस बिन जमां ने कुड़ू थाना के नये थानेदार के रूप में अजीम अंसारी को जिम्मेदारी सौंपी है। इधर कुड़ू थाना के नव पदस्थापित थाना प्रभारी अजीम अंसारी से कुड़ू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने बुक और शॉल देकर स्वागत व सम्मानित किया। इस बीच कुड़ू उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि नये थाना प्रभारी अजीम अंसारी से क्षेत्र में आपसी भाईचारा कायम करने में काफी उम्मीदें रहेगी। उन्होंने नये थाना प्रभारी का स्वागत करते नव पदस्थापित थाना प्रभारी अजीम अंसारी से गुजारिश करते हुए कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और आम जनता से समन्वय स्थापित कर बेहतर पुलिसिंग की उम्मीद रहेगी। इसपर नव पदस्थापित थाना प्रभारी अजीम अंसारी ने कुड़ उप प्रमुख ऐनुल अंसारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी के साथ मिल-जुलकर क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग देना, क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण स्थापित करना एवं जन सरोकार को लेकर खरा उतरने का सार्थक प्रयास रहेगा। मौके पर राजी अंसारी, शहजाद अंसारी, शाहिद अंसारी, नारायण लोहरा, मेराज अंसारी आदि शामिल थे।

टाना भगत जयंती समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय

बिभा संवाददाता

लोहरदग। आगामी स्वतंत्रता सेनानी आशीर्वाद टाना भगत जयंती समारोह सह जतरा आगामी 22 जनवरी 2025 को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया । आयोजन समिति के अध्यक्ष अनूप भगत ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी आशीर्वाद टाना भगत महज 20 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे रांची क्षेत्र में घूम-घूम कर स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति लोगों को जागरूक किया करते थे उनकी इन्हीं कार्यों को देखते हुए अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार करके फुलवर शरीफ बिहार जेल में डाल दिया था और उन्हें स्पेशल सेल में रखा गया था। आशीर्वाद टाना भगत जैसे ही जेल से निकले उसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को और तेज कर दिया आशीर्वाद टाना भगत ने रामगढ़ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस से मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन का रणनीति तैयार किया था बाद में सन 1942 में जब महात्मा गांधी भारत छोड़ो आन्दोलन के विस्तार को लेकर डाल्टनगंज आए थे तब भी स्वतंत्रता सेनानी आशिर्वाद ने गांधी जी से मिलकर आंदोलन की समिति बनाई थी। स्वतंत्रता सेनानी आशिर्वाद टाना भगत के पुत्र अम्बिका भगत ने कहा कि इस बार जयंती समारोह पिछले साल की भांति ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से आयोजन समिति के अध्यक्ष अनूप भगत, उपाध्यक्ष राजदेव भगत, सचिव दामोदर भगत, उपसचिव कौशिक भगत , संरक्षक अम्बिका भगत, बासुदेव भगत, धर्मदेव भगत, बिंदेश उरांव,सुनिल मुंडा,संजय गंझू, सुधांशु भगत, कार्तिक भगत,सोमरा टाना भगत , सुनिल टाना भगत, अमित उरांव, सन्नी उरांव ,अनुपम भगत, सुधांशु भगत , इन्द्रनाथ भगत ,एतवा उरांव, रविन्द्र उरांव, तुलसी भगत सहित अन्य मौजूद थे।

तमाड़ में 25 एकड़ अफीम की फसल को किया नष्ट

तमाड़। थाना क्षेत्र के बारनेया में शनिवार को अवैध अफीम की फसल को डीएसपी ओमप्रकाश के निर्देश पर तमाड़ थाना प्रभारी रौशन कुमार झा के नेतृत्व में क्षेत्र में ट्रेक्टर से रौंद कर हल चलाते हुये विनिष्ट किया गया। ग्राम बारनेया में लगभग 25 एकड़ भूमि में लगे अफीम की खेती को विनिष्ट किया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि जिस तरह से अवैध रूप से अफीम की खेती कर नई पीढ़ी को नशे की लत में धकेलने की सोच अफीम तस्करों कि है अब यह कामयाब नही होगी। प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर अवैध अफीम की खेती विनिष्ट किया जा रहा है। जो निरंतर जारी रहेगा। जो भी व्यक्ति अफीम की खेती में संलिप्त है उसको चिन्हित करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा।

जयपाल सिंह मुण्डा का सपना और कृत्य झारखण्ड निर्माण के लिए था : लाल विजय

बिभा संवाददाता

खूँटी। मरंग गोमके जयपालसिंह मुंडा 122वें जन्मदिवस पर अखिल भारतीय झारखंड पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सहित झारखंड पार्टी के अनेक लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर पार्टी के गौरवान्वित इतिहास के यादगार को ताजा किया। जिस पार्टी को स्व जयपाल सिंह मुण्डा ने गढ़ने का काम किये थे। वहीं झारखंड पार्टी जयपालसिंह मुण्डा के आवाज और मांग को हमेशा ही मुखर होकर संगठन को आगे बढ़ाया। इस दौरान झारखंड पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष लाल विजय नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड पार्टी की शुरुआत मारंग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा ने किया था। जिनका सपना और कृत्य झारखण्ड निर्माण के लिए था। वहीं झारखंड पार्टी अलग झारखंड राज्य की मांग हमेशा करती आ रही है। हालांकि इस राज्य को 2000 ई में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में साकार रुप में झारखंड अलग राज्य के रूप में मिला। लेकिन हमारी पार्टी की हमेशा ही मांग रही है कि जिन झारखंडियों के लिए यह राज्य बना उसे अब तक पूरी लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को छत्तीसगढ़ की तर्ज पर पेंशन दिया जाए। साथ ही, यहाँ के मूलवासियों को नौकरी में प्राथमिकता मिले। मरंग गोमके को सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब उनके विचार और जिस सोच के लिए अलग राज्य मांग किया गया था उसका पूरा पालन किया जाय तब। श्री शाहदेव ने बताया कि जिस समय बिहार था उस समय झारखंड पार्टी सबसे बड़ी पार्टी थी। लेकिन कांग्रेस ने इस पार्टी को लाभान्वित करने का वादा करके अपने में मिला लिया। लेकिन कुछ किया नहीं। इस प्रकार पार्टी फिर कमजोर होती चली गयी। और सांसद विधायक कम होते गये। लेकिन आवाज कमजोर नहीं हुआ। जिसका नतीजा यह हुआ कि 2000 ई में मांग भाजपा सरकार ने पूरा किया। वही हमारे आंदोलन जारी है और जल जंगल जमीन की लड़ाई के साथ इसकी सुरक्षा के लिए यह माटी की पार्टी हमेशा ही आगे रहेगा।

उपायुक्त ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

खूँटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने शनिवार को राँची स्थित मुख्यमंत्री आवास जाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। साथ ही, उन्होंने कटहल प्रोसेसिंग यूनिट में निर्मित विशिष्ट सामग्री भेंट की। वहीं हेमन्त सोरेन ने सामग्री की प्रशंसा करते हुए खूँटी कटहल प्रोसेसिंग यूनिट के उत्पादों को देश-विदेश में पहचान दिलाने के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने इन सामग्रियों की गुणवत्ता को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। साथ हीं इससे जुड़े किसानों को शुभकामनाएं दी।

माकपा कार्यकर्ताओं ने किया कफन सत्याग्रह

बिभा संवाददाता

चंदवा। माकपा ने अपने पुर्व घोषित कार्यक्रम के तहत टोरी रेलवे क्रॉसिंग के समीप कफन सत्याग्रह किया। नेशनल हाईवे से जुड़े टोरी रेलवे क्रॉसिंग जाम से राज्य की आधी आबादी त्रस्त है।

इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने कहा कि टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर राज्य की आधी आबादी रोजाना जाम की समस्या से जूझ रहा है, नेशनल हाईवे भी इसी रेल क्रॉसिंग से जुड़ा है, इस रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन अधिक होने के कारण क्रॉसिंग आधे घंटे से अधिक समय तक बंद रहती है। एक ट्रेन गुजरती भी नहीं है कि दुसरी ट्रेन आ जाती है, फिर तीसरी ट्रेन और चौथा ट्रेन पास करने के बाद फाटक खुलती। आवागमन के लिए रेलवे फाटक बहुत ही बड़ा बाधक बना हुआ है, क्रॉसिंग जाम से दो व चार पहिया वाहनों की लंबी लाइन दोनों तरफ लग जाती है, नागरिकों का क्रॉसिंग के जाम की वजह से घंटों समय बर्बाद हो रहा है, फाटक खुलने के इंतजार में खड़े रहते हैं कि इसी बीच एक ट्रेन गुजरती भी नहीं है कि दुसरी ट्रेन आ जाती है, फिर तीसरी ट्रेन और चौथा ट्रेन पास करने के बाद फाटक खुलती है, इस बीच स्कूली कॉलेज के बच्चे, अस्पताल, ब्लॉक, सरकारी दफ्तर जाने वाले लोग, पटना, चतरा, हजारीबाग , छत्तीसगढ़, रांची, गुमला, लोहरदगा आदि दुरदराज से चार पहिया वाहन, एम्बुलेंस में आने जाने वाले लोग जाम में फंसे रहते हैं, जाम में फंसकर अबतक कई मरीजों की मौत हो चुकी है। जिला सचिव रसीद मियां ने कहा कि फाटक खुलने के दौरान इसे पार करने की होड़ मच जाती है, रेलवे फाटक पार करते समय बड़े वाहन के चपेट में आने से कई लोग चोटिल हो चुके हैं। आरओबी के लिए अधिग्रहण कीमत गई भुमि का मुआवजा राशि अबतक रैयतों को नहीं मिला है।

पूर्व जिला सचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद फुट ब्रिज का कार्य शुरू हुआ जो क़रीब नौ माह काम होने के बाद बंद हों गया, भंडारगढ़ा - परसाही के बीच अंडर ब्रिज पास नहीं है, शहर आने जाने के लिए ग्रामीणों को परेशानी हो रही है, बालूमाथ रेलवे लाईन पर पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने से इस रेल रूट पर आमजन को कोई लाभ नहीं हुआ बल्कि इसका फायदा शिर्फ कोयला कंपनियों और ठिकेदारों का हो रहा है, स्टेशन पर यात्री सूविधाओं का घोर अभाव है, करोड़ों रुपए का राजस्व देने वाला देश में यह पहला रेलवे जंक्शन है जहां जाने आने के लिए न फुट ब्रिज है न ही फ्लाई ओवरब्रिज है।

डाडींग दह जलप्रपात का जल्द होगा विकास : सुदीप

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बानो के डाडींग दह जलप्रपात प्रकृति के सुंदरता का अदभुत नजारा है। जिन वादियों का आनन्द लेने सैलानी आते हैं। वहीं इस मनोरम प्रकृति का नजारों को दूर दूर से लोग आवें और पर्यटन को बढ़ावा मिले इसके लिए जल्द ही डाडींग दह जलप्रपात विकास किया जाएगा। ये उक्त बातें तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने बानो प्रखंड के बांकी पंचायत अंतर्गत कोयल नदी पर स्थित डाडिंग दह जलप्रपात का निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि डाडिंग दह, पेरवाँघाघ और पांडुपुडिंग को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात किया गया है। उक्त तीनों पर्यटन स्थलों में आवागमन के लिए सड़क का निर्माण किया जाएगा,पार्कींग सुदृढ़ बनाया जाएगा। आमजनों के लिए पर्यटन स्थल पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी जिससे की यहां आने वाले लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिलेगा, सुविधाएं बढ़ेंगी तो ज्यादा लोग आएंगे पर्यटन के साथ-साथ रोजगार भी बढ़ेगा जिससे यहां के बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलेगा।प्रखंड क्षेत्र के सुदुरवरती इलाकों के विकास के साथ साथ पर्यटन क्षेत्रों के विकास के लिए तोरपा विधायक प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

ख़ूनी रिश्तों को बचा लीजिये

व्यस्तता तो कभी खत्म नहीं होती। खुनी रिश्तों क़ो बचा लीजिये कहीं देर न हो जाये बाद में पछताना पड़ेगा। । व्यस्तता क़े कारण रिश्तों में आ रही दूरियों क़ो खत्म करना होगा बढ़ती खाइयों क़ो पटना होगा ताकि रिश्ते अटूट बने रहें। रिश्तों को बरकरार रखना होगा। आभासी दुनिया से बाहर निकलना होगा। आभासी दुनिया ने ख़ूनी रिश्ते छीन लिए हैं। रिश्तों क़ो बचाना होगा। प्रत्येक मानव व्यस्त है किसी क़े पास समय ही नहीं है हालांकि हर आदमी के चौबीस घंटे होते हैं लेकिन कौन मानव उनका कितना सदुपयोग करता है या दुरूपयोग करता है यह मानव पऱ निर्भर है। आभासी दुनिया ने सबको व्यस्त कर दिया है समय का दुरूपयोग करने वालों क़ो क़ो इससे कोई सरोकार नहीं होता लेकिन जो समय का सदुपयोग करता है उसे समय की कीमत पता होती है की एक एक मिनट की कितनी वैल्यू होती है लेकिन वर्तमान परिवेश में मानव की अनावश्यक व्यस्तता इतनी बढ़ गई है की 24 घंटे भी कम होने लगे हैं। व्यस्तता ही व्यस्तता हो गई है किसी क़े लिए एक मिनट का समय नहीं है। व्यस्तता ने कई खुनी रिश्ते छिन लिए हैं। रिश्तों क़ो बचाना होगा। आज लोगों क़े पास सही कार्यों क़े लिए वक्त नहीं है जबकि फालतू कार्यों क़े लिए समय कम पड़ रहा है। इंसान इंटरनेट की नाटी में नाच रहा है। दूसरों क़ो इग्नोर कर रहा है मतलब हो तो समय ही समय है अगर मतलब नहीं है तो एक मिनट का समय नहीं है। आज लोग इतने व्यस्त हो गए हैं की खाना खाने का समय नहीं हैं। एक समय था की सबको समय दिया जाता था लेकिन अब तो लोगों क़े पास एक मिनट का समय नहीं होता है। गैरों क़े लिए समय ही समय होता है लेकिन अपनों क़ो इग्नोर किया जाता है यह ट्रेंड बढ़ता ही जा रहा है। कुछ लोग तो इंटरनेट क़ो ही सब कुछ मानते है पड़ोसी क़ो भी इंटरनेट पऱ ही सर्च करते हैं। आस पड़ोस का पता नहीं है लेकिन दोस्त विदेशों में है पड़ोसी क़े लिए एक मिनट का समय नहीं होता लेकिन अजनबी से घंटो बातचीत होती है। आज लोग इतने व्यस्त हो गए हैं की समय कम पड़ने लगा है। अपनों क़े लिए समय ही नहीं होता। फेसबुक, व्हाट्सप्प, इंस्टाग्राम पऱ अजनबी लोगों क़ो पैसा दे रहे हैं और ठगे जा रहे हैं अपनों क़ो एक रुपया देने से भी परहेज करते हैं पैसा देने से पहले हजारों बार सोचेंगे। खुनी रिश्तों में बिखराव एक त्रासदी है। रिश्तों क़ो बचाना चाहिए मुश्किल व मुसीबत में अपने ही काम आते हैं आभासी दुनिया क़े लोग तमाशा देखते हैं। आभासी दुनिया नहीं थी तब रिश्तों में मिठास होती थी लेकिन अब लोग आभासी दुनिया क़ो ही सब कुछ मान बैठे हैं।

संविधान को संकीर्ण राजनीतिक लड़ाई का उपकरण न बनाएं

लेखक

हृदयनारायण दीक्षित

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

> संसद और विधान मण्डल और न्यायालयों की बहसों में संविधान की सर्वोपरिता है। संविधान की उद्देशिका में राष्ट्रजीवन के लक्ष्य हैं। उद्देशिका में उल्लिखित भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास और धर्म उपासना की स्वतंत्रता, अवसर की समता प्राप्त कराना मुख्य उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने तमाम निर्णयों में उद्देशिका के महत्व और उपयोगिता की चर्चा की है। बेशक संविधान के अन्य प्रावधानों की तरह उद्देशिका को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता। लेकिन न्यायालयों के कई निर्णयों में यह शासन का मुख्य घटक है।

संविधान के खात्मे को लेकर खासी बहस चली है। भारत का संविधान अनूठा है, अद्वितीय है। यह देश का राजधर्म है। इस संविधान में अनेक लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सबकी अपनी सीमा है। यह सीमा भी संविधान निर्देशित है। सभी संवैधानिक संस्थाओं का स्रोत संविधान है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां भी संविधान प्रदत्त हैं। संविधान निर्माता भविष्य के भारत के प्रति सजग थे। उन्होंने गहन विमर्श के बाद संविधान बनाया। परस्पर विचार विमर्श अच्छी बात है, लेकिन संविधान को समाप्त करने का दुष्प्रचार करने का विपक्षी दलों का निर्णय अनुचित है। लोकसभा चुनाव के समय संविधान को खत्म करने और बदलने का शोर मचाया गया। विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे कि केन्द्रीय सत्ता संविधान के खात्मे पर उतारू है। संविधान समाप्ति जैसी कोई योजना कभी प्रकाश में नहीं आई। न विचार में, न कर्म में और न ही लेखन सहित अन्य अभिव्यक्तियों में भी। संविधान को खत्म करने की अफवाह देश के कोने कोने तक पहुंची। शिक्षित लोग सन्न थे कि संविधान के खात्मे की बात कहां से आई? संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचवा रहे थे।

मजेदार बात है कि संविधान खत्म किए जाने की सूचना संभवतः सबसे पहले उनको ही प्राप्त हुई। यह झूठ देश के मानस में बार-बार आ रहा है। संविधान के खात्मे का दुष्प्रचार करने वाले व्यक्ति/दल/समूह नितांत झूठ का सहारा ले रहे हैं। संविधान बदलने का सबसे बड़ा दुस्साहस 1976 में

अधिनियमित 42वें संविधान संशोधन में कांग्रेस ने किया था। दुर्भाग्य से इस संविधान के खात्मे का विषय ठीक से जानने वाले लोगों की संख्या कम है।

संसद और विधान मण्डल और न्यायालयों की बहसों में संविधान की सर्वोपरिता है। संविधान की उद्देशिका में राष्ट्रजीवन के लक्ष्य हैं। उद्देशिका में उल्लिखित भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास और धर्म उपासना की स्वतंत्रता, अवसर की समता प्राप्त कराना मुख्य उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने तमाम निर्णयों में उद्देशिका के महत्व और उपयोगिता की चर्चा की है। बेशक संविधान के अन्य प्रावधानों की तरह उद्देशिका को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता। लेकिन न्यायालयों के कई निर्णयों में यह शासन का मुख्य घटक है।

उद्देशिका 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। संविधान सभा को मिली शक्ति भारत के लोगों द्वारा ही अर्जित है। कुछ राजनीतिक दल जाति और मजहब के आधार पर राजनीतिक समूह या संगठन चलाते हैं। इस प्रकार के दलों द्वारा समाज तोड़ने वाले शब्द चलाए जाते हैं। इनकी बात माने तो संविधान की उद्देशिका में लिखा जाता कि भारत जाति पाति आदि कई संकीर्णताओं में लिप्त है। इसे 'भारत के लोग' कहना बेकार है। वे कहते हैं कि यहां की जनता केवल कुछ समूहों का गठजोड़ है। जबकि संविधान रचना का उद्देश्य और कारण सुस्पष्ट हैं। प्रत्येक भारतवासी उद्देशिका के अनुरूप 'हम भारत के लोग' का हिस्सा है। भारत हजारों वर्ष पहले भी एक राष्ट्र था। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत की एक संस्कृति है। इस संस्कृति के कारण ही हम भारत के लोग एक सशक्त राष्ट्र हैं। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा है कि, "यह बात ठीक है कि भारतवासी परस्पर लड़ते झगड़ते रहते हैं। किन्तु संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र है।" संविधान रचना के उद्देश्य स्पष्ट हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य और संकल्प का प्रस्ताव रखा था। संकल्प के अनुसार, "प्रभुत्व संपन्न स्वतंत्र भारत की सभी शक्तियां और प्राधिकार उसके संगठक भाग शासन के सभी अंग आम जनों से उत्पन्न हैं।"

संकल्प के अनुसार भारत की जनता को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर की तथा विधि के समक्ष समता, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और संगठन बनाने आदि कार्यों की विधि के अधीन स्वतंत्रता होगी। आगे कहा है कि, "राज्य क्षेत्र की अखण्डता, भूमि, समुद्र और आकाश पर उसके प्रभुत्वसंपन्न अधिकार, न्याय और अन्य राष्ट्रों की विधि के अनुसार बनाए रखे जाएंगे।" संकल्प के अंतिम आठवें प्रावधान में लिखा है, "यह प्राचीन भूमि विश्व में अपना समुचित और गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करेगी, और विश्व शांति तथा मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।" संकल्प में उल्लिखित प्राचीन भूमि का अर्थ क्या हो सकता है? सारी दुनिया की भूमि प्राचीन है। भारत के अर्थ में प्राचीन भूमि का अर्थ प्राचीन संस्कृति होना चाहिए। संविधान निर्माताओं ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र बताया है।

स्वाधीनता मिलने तक भारत राष्ट्रकुल का सदस्य था। इंग्लैंड के सम्राट के अधीन राष्ट्रमण्डल में भारत के बने रहने पर आलोचना हुई। प्रत्यक्ष रूप में यह निर्णय उचित नहीं था। सभा में प्रधानमंत्री नेहरू को स्पष्टीकरण देना पड़ा। आखिरकार एक संप्रभु राष्ट्र इंग्लैंड के राजा रानी के प्रति निष्ठा कैसे रख सकता है? आयरलैंड ने रिपब्लिक आफ आयरलैंड एक्ट बनाकर अपने आप को इंग्लैंड से पृथक कर लिया। आलोचनाओं के बाद कहा गया कि भारत में सम्राट के प्रति निष्ठा स्वीकार्य नहीं है। यह निर्णय प्रधानमंत्रियों के सम्मेलन में लिया गया। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि, "प्रभुत्व संपन्न गणराज्य बन जाने के पश्चात भी भारत राष्ट्रकुल का पूर्ण सदस्य बना रहेगा।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

लेखक

ललित गर्ग

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है? भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है। शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है। भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है। नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के ज़रिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है।

राशिफल

मेष: परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष: जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

मिथुन: लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क: किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह: भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

कन्या: शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला: लाभ में आशातीत वृद्धि तय है, मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

वृश्चिक: कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

धनु: कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

मकर: सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी।

कुंभ: विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी।

मीन: कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

क्यों वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज खुलने से खफा है कांग्रेस?

लेखक

डॉ.आर.के. सिन्हा

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

> इंदिरा गांधी ने सावरकर को "रिमार्केबल सन ऑफ इंडिया" कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मई 1980 को पंडित बाखले, सचिव, "स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक" के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिक्र किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने लिखा है, "मुझे आपका पत्र 8 मई 1980 को मिला था। वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं।

वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली यूनिवर्सिटी एक नया कॉलेज खोलने जा रही है। वीर सावरकर जैसे महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर कॉलेज खुलने से देशभर के नौजवान निश्चित रूप प्रेरित ही होंगे। इस बारे में किसी को किसी तरह का शक भी नहीं होना चाहिए, पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस को वीर सावरकर के नाम से ही हमेशा ही चिढ़ रही है। अब कांग्रेस को कौन बताए कि वीर सावरकर, जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था, भारत के स्वाधीनता आंदोलन के एक ही अत्यंत महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। वे एक महान क्रांतिकारी, राष्ट्रवादी विचारक, लेखक और वकील थे। उनका जीवन और कार्य भारतीय इतिहास के एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी अध्याय का प्रतिनिधित्व करते हैं। काश, सावरकर के नाम पर खुलने वाले कॉलेज का विरोध करने वाले वीर सावरकर के बारे में अपनी महान नेत्री इंदिरा गांधी की ही राय को जान लेते। इंदिरा गांधी जब भारत की सूचना और प्रसारण मंत्री थीं तब उन्हीं के निर्देश पर वीर सावरकर पर केंद्रित डाक्यमेंट्री फिल्म उनके विभाग ने बनाई थी। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की स्मृति में डाक टिकट भी जारी हुआ। श्रीमती गांधी ने अपने निजी खाते से सावरकर स्मृति कोष के लिए 11 हजार रुपये का अंशदान भी किया था।

इंदिरा गांधी ने सावरकर को " रिमार्केबल सन ऑफ इंडिया" कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मई 1980 को पंडित बाखले, सचिव, "स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक" के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिक्र किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने लिखा है, "मुझे आपका पत्र 8 मई 1980 को मिला था। वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं।" मशहूर लेखक वैभव पुरंदरे ने अपनी किताब 'द ट्रू स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिंदुत्व' में लिखा है कि इंदिरा गांधी का लिखा पत्र सत्य है। किताब में लिखा है कि इंदिरा गांधी ने 1966 में सावरकर के निधन पर गहरा शोक भी जताया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को महान क्रांतिकारी बताते हुए तारीफ की थी और एक बयान भी जारी किया था। इंदिरा गांधी ने कहा था कि सावरकर ने अपने कार्यों से पूरे देश को प्रेरित किया था। अफसोस कि कांग्रेसियों को सच जानने से कोई मतलब ही नहीं रहा। उन्हें तो मीन-मेख निकालनी है। इसलिए इतनी पुरानी पार्टी सिकुड़ती ही चली जा रही है।

वीर सावरकर तो बचपन से ही देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध में भाग लेना शुरू कर दिया था। सावरकर 1905 में श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित 'इंडिया हाउस' में शामिल होने के लिए लंदन चले गए। लंदन में, उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करना था। उन्होंने '1857 का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' नामक एक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह को भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम बताया। इस पुस्तक को ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सावरकर ने इटली के क्रांतिकारी नेता गिउसेप्पे मैजिनी से प्रेरणा ली और उनकी क्रांतिकारी विचारधारा को भारतीय संदर्भ में लागू करने का प्रयास किया। 1910 में, सावरकर को नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जैक्सन की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें दोषी ठहराया गया और 50 साल की कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित सेलुलर जेल में भेजा गया, जहां उन्होंने कई वर्षों तक कठोर यातनाएं सहीं। काला पानी में उन्होंने एकांत कारावास, कठोर श्रम और अमानवीय परिस्थितियों का सामना किया।कोल्हू में बेल की तरह जोतकर उनसे सूखे नारियल से तेल निकलवाया जाता था ।

सावरकर ने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई। सावरकर हिंदू राष्ट्रवाद के एक प्रमुख पैरोकार थे। उन्होंने एक मजबूत और एकजुट हिंदू राष्ट्र की वकालत की। सावरकर ने जाति व्यवस्था और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने हिंदू समाज में सुधार लाने के लिए कई आंदोलन चलाए। वे एक कुशल वक्ता और लेखक थे। उनके भाषणों और लेखों ने लोगों को प्रेरित किया और उनमें देशभक्ति की भावना जगाई।

सावरकर के गृह राज्य महाराष्ट्र में कई संगठन और संस्थान हैं जो उनके विचारों और कार्यों को बढ़ावा देते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र में एक सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उन्हें कई लोगों द्वारा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है। वीर सावरकर का एक शानदार चित्र पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में लगा हुआ था। उनके चित्र का 26 फरवरी, 2003 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने संसद भवन में अनावरण किया था। इसे चंद्रकला कुमार कदम ने बनाया था। जब वीर सावरकर का चित्र लगाने की पहल हुई तब भी कांग्रेस ने यह कहकर विरोध किया था कि वे सांसद नहीं थे। तब कांग्रेसी भूल गए थे कि लोकमान्य तिलक तथा महात्मा गांधी जैसे राजनीति व स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान देने वाले व्यक्ति भी तो सांसद नहीं थे। उनके त्याग व समर्पण को देखते हुए केन्द्रीय कक्ष में उनका चित्र स्थापित कर सम्मान दिया गया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले वीर सावरकर पर गैर-जरूरी टिप्पणी अपमानजनक की थी। उनकी बयानबाजी से शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे भी नाराज हो गए थे। उनहोंने तब कहा था ₹हम स्वातंत्र्यवीर सावरकर के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान से सहमत नहीं हैं। हमारे मन में सावरकर के लिए सम्मान है।₹ आपको कोई पसंद नहीं तो ठीक है। खैर, वीर सावरकर कॉलेज खुलने से राजधानी में उस महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर महत्वपूर्ण प्रतीक स्थापित हो जाएगा। देर से ही सही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब वीर सावरकर का एक अहम प्रतीक स्थापित होने जा रहा है।

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर - एक सोच

करीब दो सौ साल से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा भारत न सिर्फ. गुलामी बल्कि अन्य कई प्रकार की कुरीतिओं की बेड़ियों में भी जकड़ा था। समाज का ढाँचा कुछ ऐसा था की जो लोग निम्न जाति के था उनका शोषण बढ़ता ही जा रहा था। हालाँकि उस समय कुछ ऐसे समाज सुधारक हुए जिन्होंने इन कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाई और उन्हें दूर करने का प्रयास भी किया जैसे राजा राम मोहन रॉय और सावित्री बाई फुले आदि। इन लोगों नें सती प्रथा, छुआ छूत को खत्म करने और नारी शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास किया। इन्हीं नामों में एक और नाम था डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का , जिन्होंने समाज की इन विसंगतियों को काफी करीब से देखा और पुरजोर विरोध किया।

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर एक समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ और दूरद्रष्टा थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त कुरीतिओं और विषमताओं को दूर करने में लगा दिया।उन्होंने कई धर्म ग्रंथों का गहन अध्ययन किया और मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म माना।उन्होंने देश और समाज के कल्याण के लिए समाजिक और धार्मिक समानता को सर्वोपरी रक्खा।

आजादी के पहले भीमराव आम्बेडकर का जन्म एक गरीब दलित परिवार में हुआ था। तब हमारे समाज में कई कुरीतियाँ फैली हुई थीं। अस्पृश्यता, छूआछूत और वर्ण भेद के कारण समाज कई टुकड़ों में बँटा था। दलितों और नीची जाति के लोगों का शोषण होता था और वो समाज की मुख्य धारा से कटे हुए थे। धर्म के नाम पर कर्मकांड और आडम्बर का बोलबाला था। अशिक्षा, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतिओं के कारण नारी की स्थिति काफी खराब थी और उन्हें शिक्षा और अपनी बात रखने जैसे मौलिक अधिकार से भी वंचित रक्खा जाता था।

दलित जाति के होने के कारण भीमराव आम्बेडकर को अस्पृश्यता और असमानता के कारण अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शिक्षित होने के बावजूद कई बार उन्हें अपनी दलित पहचान छिपानी भी पड़ी। परंतु इन सब के बावजूद भी भीमराव जी नें कठिन परिस्थियों से जूझते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की ताकि वो समाज की इन कुरीतिओं के खिलाफ आवाज उठा सकें। उन्होंने समाज में फैली इस असमानता का पुरजोर विरोध किया और उस कट्टरपंथी विचारधारा से अलग हटकर समाज के लिए अपनी एक अलग सोच रक्खी। वे वर्ण व्यवस्था के खिलाफ थे और समाज के सभी लोगों को एक समान अधिकार और अवसर मिलने के पक्षधर थे। उनका मत था की बिना सामाजिक समानता, शिक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के कोई देश विकसित हो ही नहीं सकताङ्कऔर यहीं से जन्म हुआ एक उदारवादी और मानवीय सोच का।

यह वो समय था जब भारत आजाद हो चुका था लेकिन अब भी हमारा देश जाति, वर्ण और धर्म के नाम पर बँटा हुआ था। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर नें देश को एक सूत्र में बाँधने की सोंची और भारत की एक ऐसे राष्ट्र के रूप में परिकल्पना की जहाँ जात-पात और छुआ-छूत से परे हटकर हर व्यक्ति को एक समान अधिकार प्राप्त हो और समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ प्रेम और सद्भाव के साथ रह सकें।

वो भारत को एक ऐसा राष्ट्र बनाना चाहते थे जहाँ हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता हो और साथ ही साथ दूसरे धर्मों का भी आदर कर सकें। उन्होंने कहा था धर्म मनुष्य के लिए है न की मनुष्य धर्म के लिए।

उनकी सोच लोगों को कट्टरपंथी विचारधारा से दूर करनें, सभी धर्मों को सहिष्णु बनाने और मानवता और बंधुत्व से जोड़ने की थी।

उन्होंने शिक्षा को किसी भी देश की प्रगति का आधार माना और उसे सर्वोपरि रक्खा। उनके अनुसार एक शिक्षित समाज ही संगठित रह सकता है और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने न सिर्फ पुरुषों बल्कि नारी शिक्षा को अति आवश्यक माना। उनका मानना था की कोई भी समाज तभी शिक्षित हो सकता है जब उस समाज की महिलाएँ शिक्षित हों।उन्होंने कहा था मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है। उनकी सोच पुरुषों और महिलाओं को समानता का अधिकार और अवसर देने की थी।

रीना सिन्हा सलोनी

शिक्षा के साथ साथ उनकी सोच मानवता, समानता और बुद्धि के विकास की थी। उन्होंने कहा था बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। विचारों में उन्नति और नयापन को उन्होंने देश की प्रगति का आधार माना था।

भीमराव आम्बेडकर जी की इन्हीं सोच नें आजादी के बाद मूर्त रूप लिया और उन्होंने भारत को एक आदर्श और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने के लिए इसके संविधान की रचना की। इस संविधान में भीमराव आम्बेडकर जी नें भारत के नागरिकों के सभी अधिकारों के साथ साथ उनके कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इस संविधान में उन्होंने बताया कि देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनाव व्यवस्था, सरकार का गठन और न्याय प्रणाली कैसी होनी चाहिए। इस संविधान में उन्होंने देश को एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रणाली दी जिसके आधार पर भारत एक गणराज्य बना।

इस प्रकार आज का भारत भीमराव आम्बेडकर के सपनों का भारत है। यह उनकी सोच का ही परिणाम है की आज भारत विश्व के प्रगतिशील राष्ट्रों में एक है। उनकी समानता की पक्षधर और मानवतावादी विचार धारा हर युग में प्रासंगिक है और हम सबको प्रेरणा देती रहेगी ।

अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो

नारी विमर्श या नारी मुक्ति की बात केवल समाज के छोटे-छोटे वर्गों में हीं नहीं पूरे देश के लिए चिंतन का विषय है। क्योंकि आज के बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एक पूरे ढाँचे में बदलाव की आवश्यकता है। जहां महिलाओं के लिए क्षितिज का कोइ कोना अछूता नहीं रहा, वहां पुरुष वर्ग अभी भी अपनी रूढ़ियों से जकड़ा खडा है। समय बदल रहा है। समाज के नियम भी बदल रहे हैं जिसमें महिलाओं की सशक्त भूमिका है। जो घर परिवार और कार्यस्थल दोनों संभालती हैं, बच्चों की शिक्षा दीक्षा ,घर प्रबंधन ,व्यवसाय से लेकर सामाजिक,,राष्ट्रीय समस्याओं के सही सटीक समाधान ढूंढ पाने में वे अग्रणी रही हैं। फिर कमी कहाँ रह गयी उनके चरित्र में?आज पुरुष स्त्री को अपने समकक्ष खडा करा पाने में संकोच का अनुभव करता है.,या यों कहें की उसका अहम् प्रभावी हो जाता है। हमारे देश में महिलाओं ने विकास के रास्ते स्वयं तलाशे हैं। यदि श्रम किया है तो साथ साथ, उद्योग हो या शिक्षा या सृजन सबमे अपनी उपस्थिति दर्शाई है और पुरुषों ने उनका साथ भी दिया है।पर यहाँ महिलाओं का संघर्ष भी है,उपेक्षा भी है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता. इस देश की माटी में पली बढ़ी, जिन्दगी की जद्दोजहद से जूझती इन भुमिसुताओं पर हमें गर्व है। इनकी कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करते रहने की जिजीविषा हमें चमत्कृत करती है.। पर जब छोटी सी उम्र में कलम थामने वाले हाथों में झाड़ू थमा दी जाती है,और अनथक दिन रात परिश्रम करते रहने के लिएमजबूर कर दी जाती हैं,उनके सपनो की उड़ान के पंख कतर दिए जाते हैं, तो मन रो उठता है. आये दिन समाचार पत्रों ०टेलीविजन चैनलों पर किसी न किसी बेटी की पीड़ा, दर्द ०बेबसी की अनगिनत कहानियां यत्र तत्र बिखरी नजर आती हैं। कभी उन्हें नौकरी व पढाई के नाम पर सुदूर जगहों पर भेज दिया जाता है जहां उनका शोषण कर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है,यातनाएं दी जाती हैं,। अगर उनके विरोध में कहीं कोई दबी आवाज उभरी भी तो कुछ दिनों तक प्रेस में ,मीडिया और मुट्ठी भर बुद्धिजीवियों के बीच विमर्श का मुद्दा बनी बेटियाँ आंसू बहाने के सिवाय कुछ नहीं कर पातीं.और सरकार कुछ मुआवजा या दोषियों को दो तीन महीनो की सजा दे अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाती है। और फिर एक नई यातनाकी कहानी का जन्म होता है. आखिर कब तक?..और कितनी कविताओं की बलि चढ़ेगी?क्या हमारा समाज कभी अपनी सोच बदलेगा?..बेटियाँ जो किसी का अभिमान ,किसी के माथे का तिलक बनगौरव ० साहस का नया इतिहास लिख सकती हैं । उन्हें प्रताड़नाओं के दौर से कब तक गुजरना पडेगा. उन्हें ईमानदारी ,और दृढ़ संकल्पों के साथ शिक्षित और जागरुक बनाने की ठोस कोशिश क्यों नहीं होती?केवल "बिटिया वर्ष मनाकर , या साइकिलें बाँट कर,' मिड दे' मील खिला कर, कुछ पुरस्कार देकर ही हमारे कर्तव्य पूरे हो जाते हैं? 'क्या यही है हमारी बेटियों का भविष्य? जबकि हमारा प्रदेश 'बेटी बचाओ और बिटिया वर्ष" मना रहा है ,हमारे पास एक पल यह सोचने की भी फुरसत नहीं कीहम कौन सी दुनिया में जी रहे हैं? बाहर तो हैवानियत का तांडव है ही पर अपने ही घर में छुपे इन नर पिशाचों से कौन बचाएगा उन्हें? भारत में रहने वाले,उसकी संस्कृति से प्यार करने वाले लोग अपनी सोच और विचारों को बदलिए ।हम आदिम युग में नहीं रहते,बल्कि एक सभ्य शिक्षित समाज में रहते हैं। नई जागृति, नए विकास और प्रगति की दिशा में बढाया गया हमारा एक एक कदम व्यर्थ है जबकि हम अपनी ही आधी आबादी सबल और सशक्त पक्ष नारी को उनके जीवन की ही सुरक्षा नहीं दे सकते। फिर हम किस विकास की बात करते हैं? नई नई घोषणाओं .उद्घाटनों से पहले अपने प्रदेश की बेटी को बचाने के लिए कृत संकल्प हों ,ईमानदारी के साथ,गंभीर कदम उठायें ताकि हम विश्व के फलक पर गौरान्वित हो सके।.यदि इसी बहाने कोई बदलाव ,जागृति, नई विचार धारा की लहर बन सके तभी "बेटी वर्ष के नारे की सार्थकता है.। अभी दिल्ली में घटित "दामिनी 'के प्रति पूरे देश ने जिस एकजुटता और साहस का परिचय दिया वह स्तुत्य है।एक बेटी को न्याय मिला ,पर अभी देश की और भी महिलाएं, बेटियां न्याय की प्रतिक्षा में हैं ,हमें उनका भी साथ देना होगा ,अन्याय के खिलाफ इस लड़ाई में हम सब आपके साथ होंगे. यद्यपि यह बात सभी पर लागू नहीं होती । कुछ शिक्षित परिवारों में सचमुच पुरुषों ने ही महिला को विकास का मार्ग दिखाया है,सफलता के रास्ते तलाशे हैं पर केवल कुछ मुट्ठी भर जागरूकता से आदर्श समाज नहीं बनाया जा सकता। पर निराश व हताश होने की आवश्यकता नहीं वर्षों की जमी धूल जरूर हटेगी ,आशाओं और उम्मीदों का सूरज जरूर निकलेगा, और एक दिन नारी अपने पद की गरिमा और ऊंचाईयों को अवश्य छुएगी।. उम्मीद जगाये रखें।तभी महिला दिवस मनाने और उसका सम्मान अक्षुण बनाये रखने की कोशिश साकार होगी और हमारी बेटियां गर्व से कह सकेंगीअगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो।

पद्मा मिश्रा

नरेश अग्रवाल
साहित्य संयोजक, बिहान भारत

हां तुम स्त्री हो

पूनम शर्मा स्नेहिल

कितना आसान है ना स्त्री के तन को देखकर यह सोचना की यह ऐसी है या यह वैसी है

पर क्या कभी स्त्री के मन को टटोल पाए हो क्या कभी जानने की कोशिश की है कि

उसके भीतर कितना द्वंद्व चलता है कई घरों में मौन सी बैठी स्त्री अपने मन की बात खुलकर कहना भी जरूरी नहीं समझती क्योंकि उसकी भावनाओं को उसकी तरह समझने के लिए कोई मौजूद ही नहीं होता ऐसे तमाम लोग जो स्त्री पर न जाने क्या-क्या पंक्तियां लिखते हैं। शायद उन्हें खुद अपने घर में बैठी स्त्री की मनोदशा का विवरण नहीं पता होगा ।

परंतु सब कुछ चल रहा है एक शांत नदी की तरह बहती हुई जब तक स्त्री बिना विरोध किए।

सब कुछ सभी के अनुसार करती चली जाती है

तब तक उसे कभी गाय की तो कभी सीता, तुलसी, गंगा यमुना ,ऐसे न जाने कितनी उपाधियां दे दी जाती हैं ।

परंतु वही स्त्री अगर सही और गलत के मापदंड को तोलते हुए अपनी आवाज उठाती है या किसी बात का विरोध करती है तो उसे सर्वप्रथम घमंडी, बदतमीज, मुंहफट ,चरित्रहीन, ऐसे ना जाने कितने सारे शब्द हैं समाज में जिससे उसे संबोधित किया जाता है।

पहली बात स्त्री एक कोमल सा मन रखने वाली जीव के रूप में ही है वह निर्जीव नहीं है जिसे कभी किसी बात से आहत ही ना हो।

जैसे पानी अपने आप में कई रूप लिए हुए हैं। कहीं का पानी शुद्ध है ,तो कहीं का अशुद्ध ,कहीं का नमकीन है ,तो कहीं का मीठा और कहीं का तो इतना खारा और इतना विशुद्ध जिसका वर्णन भी संभव नहीं है। परंतु उसे पानी के नाम से ही जाना जाता है । उसके आगे उसकी गुणवत्ता को बिना उसे जांचे परखे नहीं जोड़ा जाता ,परंतु स्त्री को तो अपनी सुविधा के अनुसार जब जैसी इच्छा हो लोग नामकरण करके जोड़ देते हैं।

किसी चीज की उपमा बनाना एक अलग बात होती है परंतु किसी चीज को वास्तविकता में , समझना जिस रूप में प्रकृति ने उसे धरा पर भेजा है ,क्या यह कार्य इतना आसान है जो चंद शब्दों में कोई इसे पिरो सकता है। मैं एक स्त्री होकर स्त्री के समस्त रूपों का वर्णन नहीं कर सकती, क्योंकि कहीं मैंने इसको दुर्गा के रूप में देखा है तो कहीं काली लेकिन हां एक बात स्पष्ट रूप से समझ में आई है कि यह दुर्गा भी तभी बनती है जब सामने वाला इसे दुर्गा रूप में देखना चाहता है। जब सामने वाला इसके चंडी रूप को निकालने पर विवश करता है तो स्त्री ना चाहते हुए अपने ममता के रूप को छोड़कर चंडी रूप भी धारण करती है ,और इसका आशीष उसे ईश्वर ने प्रदान किया है, कि तुम अपने समय और परिस्थिति के अनुसार अपने रूपों को परिवर्तित करो ।बिना यह सोचे हुए की सामने वाला तुम्हें किस नाम से संबोधित करेगी।

नाम के संबोधन से तुम्हारे स्त्री होने पर प्रश्न चिन्ह तो है ही नहीं ,क्योंकि तुम ईश्वर की बनाई हुई कीर्ति स्त्री रूप में ईश्वर की इच्छा से धरा पर लाई गई हो,और ईश्वर ने तुम्हें जो तुम्हें लोगों को पहचानने की भिन्न शक्ति प्रदान की है वह तुम्हारी सुरक्षा के लिए की है। तो सिर्फ किसी के शब्दों को सुनकर यह सोचना कि वह क्या कहेगा वह क्या सोचेगा । इस मयार्दा से थोड़ी सी बाहर आ जाओ ।

हां तुम स्त्री हो
कल भी स्त्री थी
आज भी स्त्री हो
और कल भी स्त्री ही रहोगी।

मैं ये जीवन वार दूंगी

चन्दन अंजू मिश्रा

तेरे स्वप्नों से परे हो ,
तुमको इतना प्यार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

अपनों के तानों के कंटक, संग मिलकर हम चुनेंगे ।
रेशा रेशा हो समर्पण, ऐसी एक डोरी बुनेंगे ।।
तुम बनना दर्पण मेरे, मैं बनूं छाया तुम्हारी ।
पेड़ पौधे और लताएं, गायेंगे गाथा हमारी।।
प्रेमालिंगन दो जो मुझको,
बदले ये संसार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

सारे अश्रु मुझको देकर, ले लो सारी खुशियाँ मेरी।
तुम्हारा वर्णन मुख करे क्या, बोलती हैं अँखियाँ मेरी।।
गठबंधन बांधा साजन, सब हुआ तुमको समर्पित।
हृदय पुष्प प्रेम का सादर ,कर रही हूं तुझको अर्पित।।
स्वांस तन मन पर अपने,
तुमको ही अधिकार दूंगी ।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

भीगे इन नयनों ने की है, वर्षों इस क्षण की प्रतीक्षा ।
मांग मेरी सिंदूरी करके, पूर्ण कर दो मेरी इच्छा ।।
हरियाली न लाती बरखा, सूखे सूखे बीते सावन।
अब मिलन की साक्ष्य होगी, हवन की अग्नि ये पावन।।
फूलों की वरमाला जो दो,
मैं बाहों का हार दूंगी।
साथी तुम बस पग बढ़ाना,
मैं ये जीवन वार दूंगी ।।

बेड-टी

रंजना वर्मा उन्मुक्त

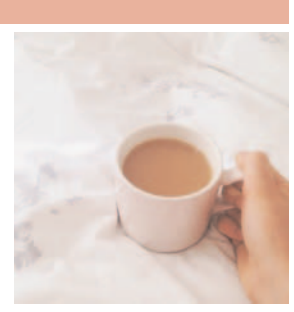

सरला का देवर और सासू माँ का लाडला बेटा छोटू की शादी संपन्न हो गई थी। वह बेहद खुश थी कि संयुक्त परिवार में कभी न खत्म होने वाले घर के कामों में उसका हाथ बटाने वाली उसकी देवरानी अब घर में आ गई थी। उसने देवर की शादी से पहले ही यह ऐलान कर दिया था कि वह अब सुबह की चाय नहीं बनाएगी। चाय बनाने में उसे कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन चाय बनाकर घर के एक-एक व्यक्ति को खोज-खोज कर चाय देने में उसकी हालत खराब हो जाती थी।

वह बिस्तर छोड़ने की तैयारी कर ही रही थी कि उसे रसोई में कुछ खटपट सुनाई दी।

' नई बहू चाय बना रही है।'... उसकी तो बाँछे खिल उठी। वह लगभग दौड़ते हुए रसोई घर में पहुंच गई। लेकिन वहाँ सासू माँ को देखकर वह आश्चर्यचकित रह गई। सासू माँ चाय बना रही थी।

सासू माँ, आप चाय बना रहीं हैं?

हां, अभी छोटू ने मुझे बताया कि नई बहू को बिना बेड-टी के सुबह आँखें ही नहीं खुलती।

पसंदीदा टैरेस

सविता गुप्ता-स्वरचित

शर्मा दंपति अपना रिटायर्ड जीवन प्लान के अनुसार बड़े ही सुकून से अपने नये विशाल से चार कमरों के मकान में बीता रहे थे।दोनों बच्चे वेल सेटल्ड थे और दिल्ली में अपने -अपने परिवार के साथ खुश थे।

सुबह की ग्रीन टी का मग शर्मा जी सुधा जी को थमाते हुए कहा ह्लआज तुम्हारा ये नया मग मैंने निकाल दिया चार साल से पैक थे बेचारे आज मैंने इन्हें आजाद कर दिया ह्लदोनों खिलखिला पड़े।प्रतिदिन टैरेस पर बैठ पहाड़ी के पीछे से सूर्य देव को उगते देखना शर्मा दंपति का पसंदीदा पल होता था।आस -पड़ोस ,दोस्तों के साथ मिलना जुलना, योग करना ,टहलना सब कुछ एक सफल खुशनुमा जीवन. जैसा प्लान किया था गुजर रहा था।

जैसा कि होता है भगवान के घर कभी दोनों साथ नहीं जा पाते वही हुआ शर्मा जी बाजी मार गए।बच्चे सुधा जी के लाख मना करने पर भी अपने साथ ले गए।लेकिन गुजरते समय के साथ अपने बच्चे ही सुधा जी को पराए से लगने लगे।सभी अपने- अपने काम में व्यस्त।काफी कोशिशों के बावजूद जमाने के अनुसार सुधा जी चल नहीं पा रही थी।उन्हें बच्चों के भरे पूरे घर में भी घुटन सी होने लगी बच्चों के बीच भी अकेलापन उन्हें साल रहा था। दो साल बच्चों के पास रहकर आज अपने पसंदीदा टैरेस पर आजाद पक्षी की तरह बैठ शर्मा जी के मग में चाय पीते हुए सुधा जी उनकी शॉल को कस कर लपेट लेती हैं।

सजल

वसंत जमशेदपुरी

संकट के काले धाराधर।
मानवता पर बरसे जम कर।

लूट-पाट फिर नंगा नर्तन।
किया उपद्रव तम ने मन भर।।

शांतिप्रियों के काले करतब।
दुनिया ने देखे टी.वी.पर।।

जाति-जाति का शोर मचाते।
घोड़ों की महफिल में खच्चर।।

कपट-वेश मानव का धारे।
निशिचर नेता हैं कुछ मनहर।।

पहचानो तो बच पाओगे।
वरना नयन झरेंगे झर-झर।।

देख अनय जो चुप बैठे हैं।
भू से उन्हें उठा लो प्रभुवर।।

संवेदना

रीना सिन्हा सलोनी

बीमार थी वो.. बहुत बीमार
अवसाद से घिरी,
पल-पल अकेलापन
साँस-साँस घुटन,
कहना चाहती थी वो अक्सर
मन की बात,
घर के खिड़की दरवाजों से
आईनों से.. दीवारों से..
अपनों से भी..
पर खुलकर न कह पाई कभी कुछ..
एक दिन निकल आई
कंक्रीट के जंगलों से दूर.. बहुत दूर
बैठी रही देर तक,
नदी, पहाड़ , हवा, बादल को निहारती,
मूक थे वो सब, खामोश थी वो भी,
बिन कुछ कहे
उसने सुनी नदी,पर्वतों की व्यथा,
महसूस किया हवा, बादल और धरती का दुख.
दुख नें दुख से बात की
संवेदना पढ़ ली गई..
धरती और पर्वत नें हाथ पकड़ा
बादल हवा उड़ा ले गए अकेलापन
नदी बहा ले गई व्यथा
अब काफी बेहतर है वो..

हादसे कुछ-कुछ.. ऐसे हो गए

मनीष सिंह वंदन

हादसे कुछ-कुछ...ऐसे हो गए
हम समंदर से.....गहरे हो गए

सुनकर...अनसुना कर देता हूं
लोग कहते हैं.....बहरे हो गए

कभी हम भी...हवादार घर थे
आज...सीलबंद कमरे हो गए

पहले खास.....फिर आम हुए
और धीरे-धीरे..ऐरे-गैरे हो गए

खुद से रूठा..खुद को मनाया
अपन...सरकारी नखरे हो गए

यह सही है कि बहक गया था
फिर जैसे थे हम...वैसे हो गए

जमाने के तानों ने इतना मारा है
आंसू पी-पीकर अधमरे हो गए

समय ने छेड़ी ऐसी तान प्यारी
मुरझाए फल फिर..हरे हो गए

चश्में बांटकर मुसीबत खरीदी
खुद पर ही 'वंदन' पहरे हो गए ।।

चुनाव

विजय नारायण सिंह 'बेरुका'

इस चुनाव में कितने हारे
चौंक गए हैं पंडित सारे,
धाकड़-धाकड़ नेता प्यारे
हार चुनाव गए बेचारे।

जनतंत्र में जन होता है
हर जन का इक मन होता है।
जिसने जन के मन को जीता,
जंग चुनावी उसने जीता

जो विजयी बन कभी न आया
उसने निज विश्वास गँवाया
फिर चुनाव में खूब लुभाया
पर जनता के मन ना भाया,

जनता ही सरकार बनाए
चाहे जिसका रंग जमाए
लोकतंत्र में मालिक जनता
राजा भी है सेवक बनता

जो जनता का काम करेगा
जो जनता के बीच रहेगा
जो दुख-सुख में रहे 'बेरुका'
प्रतिनिधि वही बने जनता का

शाम की चाय

मंजूषा जयसवाल

चाय के कप से उठते हुए धुंए में
उभरती हैं कुछ आकृतियाँ
दिन भर का सब किया-कराया
परिश्रम, समर्पण, दृढ़ता
(थोड़ा आलस, थोड़ी जालसाज़ियां)
कुछ खिलखिलाते, कुछ टीस भरे पल,
कामयाबियां, नाकामियां
राहतें, परेशानियां
सुकून, बेचैनियाँ
जवाब, सवाल
आभार, मलाल
शांति, अशांति
सुबह से शाम तक की
सारी क्लांति-
सबकुछ उस धुंए में
एक आखरी सांस लेकर
अधरों पर एक मुस्कान बनकर
बिखर जाता है।
दौड़ती, भागती, तपती,
दिनचर्या में उलझी ज़िंदगी,
चाय की गर्माहट में ही
ठंडक तलाशती है।
उंगलियों के बीच फंसे प्याले में
चाय धीरे धीरे ठंडी होती है।

उम्मीद

प्रियंका कुमारी

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।
वर्षों से तरसे नैना मान बढ़ाना,
बुझे हैं सपने फिर से उन्हें जगाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

भोर है पर ;उजाले नहीं,
जलते हैं पर छाले नहीं,
भोजन है पर निवाले नहीं,
टूटी कड़ियों को फिर से जुड़वाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

व्यंग बाण का तीर चला है,
तुम ही बता कौन भला है ,
बिन विस्फोट ये मन जला है ,
मत करना कोई बहाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

मांगा नहीं मखमल था मैंने,
कोई मन नहीं दुखाया था मैंने,
कोई दीप नहीं बुझाया था मैंने,
आकर सही राह दिखाना।
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

है अर्पित राष्ट्र को,
है समर्पित राष्ट्र को,
सेवा और सम्मान को,
जनहित राष्ट्रहित को पहचाना,
नव वर्ष यूं ही नहीं आना,
आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्वीन क्रूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने क्रूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने क्रूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

एक बार फिर कच्छ में जमीन थर्राई, भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान नहीं

कच्छ। फिर एक बार कच्छ जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया है। कच्छ के दुधई इलाके में 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र दुधई से 28 किमी दूर बताया गया है। भूकंप शाम 4:37 बजे महसूस किया गया। राहत बात है कि भूकंप के झटके से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले नए साल के पहले दिन कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कोई नुकसान नहीं हुआ था। 1 जनवरी 2025 को भूकंप सुबह 10.24 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र भचाऊ से 23 किमी उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था।

पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास

कोच्चि। सीबीआई अदालत ने पेरिया में पांच साल पहले युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक पूर्व विधायक सहित चार अन्य लोगों को 5-5 साल जेल की सजा सुनाई। घटना कासरगोड जिले में पांच साल पहले हुई थी। अदालत ने बीते शनिवार को 14 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 10 दोषियों को हत्या और आपराधिक साजिश के दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों में उनकी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इन 10 दोषियों पर हत्या और आपराधिक साजिश का आरोप लगा था। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है। यह मामला 17 फरवरी, 2019 को कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश (19) और सरत लाल पी.के. (24) की हत्या करने से संबंधित है। एर्नाकुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सीबीआई अदालत के फैसले की सराहना की। वहीं पीड़ित परिवारों की नाराजगी को भी स्वीकार किया। कांग्रेस सांसद ने कहा, एर्नाकुलम सीबीआई अदालत ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सबसे महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया, जहां दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सीपीआईएम द्वारा और सरकार की मदद से हत्या कर दी गई थी। हम उस सजा का स्वागत करते हैं, जिसमें 10 मुख्य दोषियों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

बेंगलुरु की कोर्ट से निकिता, निशा और अनुराग सिंघानिया को राहत, मिली जमानत

नई दिल्ली। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने निकिता सिंघानिया (पत्नी), निशा सिंघानिया (सास) और अनुराग सिंघानिया (जीजा) को जमानत दे दी। सिंघानिया ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और अंतरिम जमानत की मांग की थी। उसके वकील ने अदालत को बताया था कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए कोई आधार नहीं दिया था। वकील ने अदालत से सिंघानिया को अंतरिम जमानत देने का आग्रह किया ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपना बचाव कर सकें। अतुल सुभाष की मां ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। सिंघानिया के वकील ने तर्क दिया कि जमानत के बिना, वह कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस मामले में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका एक हिरासत लड़ाई के बराबर होगी जिसे उसकी अनुपस्थिति में अस्वीकार कर दिया जाएगा।

आईआईएम मुंबई ने जीता प्रतिष्ठित लीप्स-2024 पुरस्कार

-शिक्षा और कौशल विकास श्रेणी के 34 प्रतिभागियों में आईआईएम मुंबई रहा अव्वल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) मुंबई ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लॉजिस्टिक्स सेक्टर श्रेणी में इंस्टीट्यूशन- एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट का लीप्स 2024 (लीप्स-2024) पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है। इस तरह संस्थान ने 34 प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर लॉजिस्टिक्स शिक्षा और कौशल विकास में अपने नेतृत्व को और मजबूती से प्रस्तुत किया है। यह पुरस्कार केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी को प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि लीप्स 2024 यानि लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस, एडवांसमेंट एंड परफॉरमेंस शील्ड की यह पहल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के भीतर असाधारण योगदान और इनोवेशंस को सम्मान देती है, जिसमें एमएसएमई, स्टार्टअप और प्रमुख सक्षमकर्ता शामिल हैं जो बदलाव करने वाले कार्यों और महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं।

पुरस्कार के साथ, बहुप्रतीक्षित लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स रिपोर्ट 2024 का भी अनावरण किया जाना है। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 के तहत डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) द्वारा किया जाने वाला यह वार्षिक मूल्यांकन पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रदान करता है।

इस घोषणा से बेहद उत्साहित, आईआईएम मुंबई के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए मैनेजमेंट की शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता लाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम भारत सरकार और गवर्निंग बॉडीज के प्रति उनके निरंतर समर्थन और हमारे दृष्टिकोण में विश्वास रखने के लिए बहुत आभारी हैं। जैसे-जैसे लॉजिस्टिक्स भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है, आईआईएम मुंबई भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्थिरता और क्षमता निर्माण जैसे उभरते ट्रेंड्स के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने के लिए समर्पित है।

ऑलकार्गो ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन तथा आईआईएम मुंबई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शशि किरण शेट्टी भारत के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन इंडस्ट्री को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले तीन दशकों में, उन्होंने पुराने बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और वेयरहाउसिंग सिस्टम को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित सल्यूशंस बदले जाने का नेतृत्व किया है, जिससे भारत वैश्विक व्यापार में एक प्रतिस्पर्धी देश बन गया है।

जब से श्री शेट्टी ने आईआईएम मुंबई बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, तब से संस्थान ने लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में इनोवेशन के ड्राइवर्स के रूप में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में बहुत अधिक गति प्राप्त की है, क्योंकि वे संस्थानों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम प्रथाओं, प्रतिभा को बढ़ावा देने और इंडस्ट्री कोलैबरेशन के केंद्र के रूप में हैं। श्री शशि किरण शेट्टी के इस दृष्टिकोण का उद्देश्य टिकाऊ और कुशल समाधानों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के लिए नोडल एजेंसी के रूप में आईआईएम मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को आकार देने में इसकी सक्रिय भागीदारी भारत के लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में इसके अद्वितीय योगदान को रेखांकित करती है।

आईआईएम मुंबई को मिला यह सम्मान न केवल प्रबंधन शिक्षा और इनोवेशन में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है, बल्कि इसे भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता दिलाने में अग्रणी के रूप में भी स्थापित करता है।

आईआईएम मुंबई के बारे में

भारत सरकार द्वारा देश की आर्थिक राजधानी में 1963 में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) का लगातार भारत के शीर्ष बी-स्कूलों में शुमार रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 1,200 छात्रों के साथ, आईआईएम मुंबई देश में प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी है और पूरे भारत में प्रबंधन संस्थानों में 2024 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 6वें स्थान पर है। आईआईएम मुंबई ऑपरेशंस मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, अनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, एचआर, इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी और सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट जैसे विविध कार्यात्मक क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जदयू के पोस्टर से गायब पीएम मोदी, क्या फिर खेला करने को तैयार नीतीश बाबू

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान एक पोस्टर ने सियासी बवाल मच गया है। सीएम नीतीश कुमार ने जिले में आईटीआई का उद्घाटन कर कई विकास योजनाओं की शुरुआत की, लेकिन पोस्टर के विवाद ने बीजेपी और जदयू के रिश्तों में खटास का संकेत दे दिया है। जिला समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जदयू द्वारा लगे पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश के साथ-साथ पार्टी के कई नेताओं और मंत्रियों के फोटो थे, लेकिन पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के किसी अन्य नेता का फोटो नहीं था। इस पर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने सवाल उठाकर कहा कि यह गठबंधन धर्म का उल्लंघन है। उन्होंने मामले में जदयू के राष्ट्रीय नेतृत्व से जांच की मांग कर कहा कि यह मुद्दा एनडीए की बैठक में भी उठाया जाएगा। बीजेपी नेताओं का आरोप था कि पोस्टर में जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के नेताओं को शामिल नहीं किया गया, जो एक सियासी संदेश देता है। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई, जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीजेपी नेताओं के फोटो पोस्टर पर लगा दिए। इस घटनाक्रम ने एनडीए गठबंधन में दरार की चर्चाओं को हवा दी है, और सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या नीतीश कुमार फिर से खेला करने जा रहे हैं। अब सभी की नजरें इस पर हैं कि क्या यह सियासी विवाद गठबंधन टूटने की दिशा में कोई बड़ा कदम होगा।

पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज

*** 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज से पटना साहिब शनिवार की सुबह गूंजने लगा। प्रभात फेरी, नगर कीर्तन के साथ ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले प्रकाश उत्सव पर्व में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं।

शनिवार की सुबह से ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालु पटना साहिब पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रबंधन कमेटी के लोगों ने भी सभी लोगों के ठहरने की पूरी व्यवस्था की है। पटना साहिब के बाल लीला गुरुद्वारा, कंगन घाट, मुख्य गुरुद्वारा पटना साहिब, अतिथिशाला सहित सभी जगह को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित किया गया है।

सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को गुरु पर्व के मौके पर आने का निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान, उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के आने के भी संभावना है। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पटना साहिब प्रबंधन कमेटी के अलावा बिहार सरकार के तरफ से भी समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि भूरी वाले के तरफ से और प्रबंधन कमेटी की तरफ से सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर 24 घंटे के लिए खोल दिए गए हैं।

तीन दिनों का परीक्षण हुआ सफल: अब 180 की तेज गति से दौड़ेगी वंदे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। आशय ये है कि चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज़ ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है।

रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी/घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी/घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

कोटा और लबान के बीच हुआ परीक्षण

राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे। एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

एससी/एसटी छात्रों की आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, यूजीसी से मांगा डेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी/एसटी वर्ग के छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं और जातिगत भेदभाव के मामलों पर सख्त रुख अपनाया है। रोहित वेमुला और पायल ताडवी की मां द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय, राज्य, निजी और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से इन मामलों से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को 2012 के रेग्युलेशन के तहत बनाए गए समान अवसर सेल्स (ईओसी) की शिकायतों और उन पर उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमित सुनवाई की जाएगी।

2012 रेग्युलेशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने 2004 से 2024 के बीच आईआईटी संस्थानों में 115 आत्महत्याओं के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि 2012 के यूजीसी रेग्युलेशन को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मजबूत तंत्र आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जातिगत भेदभाव के मामलों को खत्म करने के लिए संस्थानों में शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाना होगा।

रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामले प्रमुख

याचिका में विशेष रूप से रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामलों का उल्लेख किया गया है। रोहित वेमुला ने 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में जातीय भेदभाव के आरोपों के चलते आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह, पायल ताडवी, जो मुंबई के टीएन टोपीवाला मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं, ने 22 मई 2019 को आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ता ने एससी/एसटी छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र की मांग की है। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता जताई कि संस्थान शिकायतों को गंभीरता से लें और भेदभाव रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत के समक्ष इन मुद्दों की गंभीरता को रेखांकित किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई को प्राथमिकता देते हुए आगे की कार्रवाई का संकेत दिया है।

खुद को मॉडल बता कर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती, फिर निजी तस्वीरों से ब्लैकमेलिंग का काम

*** दिल्ली पुलिस ने शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने 23 साल के शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया है, तुषार ने फेक प्रोफाइल बनाकर ऑनलाइन डेटिंग एप पर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती कर उनकी निजी तस्वीरें प्राप्त कर उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने खुद को एक अमेरिकी फ्रीलांस मॉडल बताकर और ब्राजील के मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल कर लड़कियों को अपने जाल में फंसाया।

पुलिस ने बताया कि तुषार ने 18 से 30 साल की उम्र की लड़कियों को निशाना बनाया था। वह बंबल, स्नैपचैट और अन्य डेटिंग एप पर एक अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर का उपयोग करता था। जब महिलाएं आरोपी तुषार से दोस्ती करने लगती थीं, तब वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो मांगता था और बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूलता था।

विवाद तब बढ़ा जब एक दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने तुषार से अपनी निजी तस्वीरें साझा की थीं और इसके बाद में ब्लैकमेलिंग का शिकार हुई। आरोपी ने छात्रों को धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए, तब वहां उसकी निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। परेशान होकर छात्रा ने अपने परिवार को बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। तुषार के पास से कई फर्जी आईडी, एक मोबाइल फोन,

और 13 क्रेडिट कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, तुषार ने 500 से अधिक महिलाओं से चैटिंग की और उनके व्यक्तिगत डेटा का गलत फायदा उठाकर पैसों की उगाही की। अब तक 4 अन्य महिलाओं की भी पहचान की जा चुकी है, जो तुषार के शिकार बनी थी।

भारत के कथित गुप्त मिशनों की खबरों को भारत ने नकारा कहा- पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की कुछ खबरों को लेकर भारत में काफी चर्चा हुई। मालदीव और पाकिस्तान में भारत के कथित गुप्त मिशनों वाली दोनों खबरों को लेकर भारत ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं बताया। मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित यह दोनों खबरें निराधार, गैर-विश्वसनीय और भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये वाली हैं। इसलिए हम इन्हें सिरे से खारिज करते हैं। जायसवाल ने यह भी कहा कि इन दोनों खबरों को देखकर ऐसा लगता कि अखबार और उसके संवाददाता दोनों ही भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों और खबरों में एक पैटर्न को देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, उसके आकलन का काम हम आप पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमें उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती है।

वाशिंगटन पोस्ट ने मालदीव पर डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज के हवाले से अपनी खबर में यह दावा किया कि राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू को उनके पद से हटाने के लिए उन पर महाभियोग चलाने के लिए मालदीव के विपक्षी नेताओं ने उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के कुछ सदस्यों सहित विपक्ष के 40 सांसदों ने भारत से कथित तौर पर लगभग 6 मिलियन डॉलर (51 करोड़ रुपए) की रिश्वत की मांग की थी। मालदीव की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने पिछले साल 2024 की शुरुआत में भारत से रिश्वत की यह मांग की थी। हालांकि ये सफल नहीं हो पाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस काम को पूरा करने के लिए भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के एजेंटों की मालदीव के विपक्षी सांसदों से गुप्त चर्चा भी हुई। वहीं, पाकिस्तान को लेकर आई खबर में वाशिंगटन पोस्ट ने अनाम पाकिस्तानी और पश्चिमी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ वर्ष 2021 से पाकिस्तान के अंदर आधा दर्जन लोगों को मारने का एक कार्यक्रम चला रही है।

चीन के दो नए काउंटी मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमने चीन की होटन प्रांत में दो नई काउंटियों की स्थापना से जुड़ी हुई घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख क्षेत्र में भी आते हैं। यह हमें बिलकुल भी मंजूर नहीं है। भारत ने कूटनीतिक माध्यमों से इसे लेकर चीनी पक्ष के सामने अपना

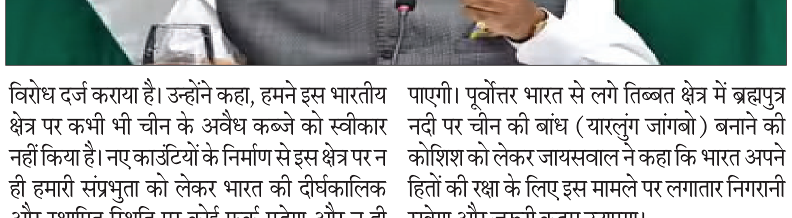

विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, हमने इस भारतीय क्षेत्र पर कभी भी चीन के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से इस क्षेत्र पर न ही हमारी संप्रभुता को लेकर भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई फर्क पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध कब्जे को कोई मान्यता मिल पाएगी। पूर्वोत्तर भारत से लगे तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की बांध (यारलुंग जांगबो) बनाने की कोशिश को लेकर जायसवाल ने कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए इस मामले पर लगातार निगरानी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा।

नेपाल के बाल गायक सचिन ने 15 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

कांठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध बाल गायक सचिन परियार का निधन हो गया है। महज 15 साल की उम्र में सचिन की ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हुआ है। काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था, जहां 2 जनवरी को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सचिन कई सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और पांच साल तक इलाज के बावजूद उनकी

हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सचिन के निधन से उनके प्रशंसकों और परिवार गहरे सदमें में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन की मां और पिता अपने बेटे के निधन के बाद सुदबुद खो चुके हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में सचिन के अंतिम संस्कार के दृश्य में उनके माता-पिता को रोते बिलखते देखा गया। सचिन की मां की चीखें दिल दहला देने वाली थीं, क्योंकि वह अपने बेटे को खोने के दुख सह नहीं पा रही थी। सचिन के पिता भी सहारा लेते दिखाई दिए। एक तस्वीर में सचिन की मां अपने बेटे के शव के पास खड़ी थीं, जो फूलों से सजा था और माथे पर लाल कुमकुम लगा था। सचिन परियार को 28 दिसंबर, 2024 को तेज बुखार, दौरे और चेतना के चलते अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आई और उन्हें निमोनिया, कई अंगों की शिथिलता, तीव्र किडनी की चोट, एन्सेफैलोपैथी और रक्तस्राव विकार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। एन्सेफैलोपैथी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क का कार्य या संरचना प्रभावित होता है। बता दें छोटी सी उम्र में ही सचिन ने नेपाली मनोरंजन उद्योग में अपनी विशेष पहचान बनाई। वह अपने लोकप्रिय गीत ओथा खोलेरा के लिए बहुत मशहूर थे। सचिन की यादें हमेशा उनके प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी और उनका योगदान नेपाली संगीत जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

अदीस अवावा। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है। हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं। विशेष रूप से फेंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, 'घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में हुआ करोड़ों का नुकसान तो फ्री कूपन का लेने लगे आनंद

-2024 में संपत्ति 31.5 करोड़ रुपए पहुंची, आज भी साइकिल से चलते हैं

टोक्या ।75 साल के जापानी बुजुर्ग हिरोटो किरितानी, जिन्हें गॉड ऑफ फ्रीबीज के नाम से जाना जाता है। वह अनोखी लाइफस्टाइल के चलते इंटरनेट पर छाए हुए हैं। करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद किरितानी हर दिन कूपन और मुफ्त ऑफर्स का पूरा फायदा उठाते हैं ।किरितानी जो जापानी शतरंज जैसे खेल शोगी के शानदार खिलाड़ी थे, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शेयर बाजार में सिक्योरिटीज फर्म में टीचर के तौर पर की थी। वहीं पर उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के गुर सीखे और पहली बार 10 करोड़ येन यानी 5.29 करोड़ रुपए की कमाई की। 2024 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 60 करोड़ येन यानी 31.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई लेकिन वह आज भी साइकिल से ही चलते हैं। 2008 के स्टॉक मार्केट क्रैश में 20 करोड़ येन का नुकसान होने के बाद किरितानी ने ठान लिया कि अब एक भी पैसा बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने एक हजार से ज्यादा कंपनियों के शेयर खरीदकर उनके कूपन और शेयरहोल्डर परक्स का इस्तेमाल किया। शेयरहोल्डर परक्स उन विशेष लाभों को कहते हैं, जो कंपनियां अपने शेयरधारकों को देती हैं। इनमें डिस्काउंट कूपन, मुफ्त प्रोडक्ट सैंपल, फ्री टिकट्स, गिफ्ट्स, बोनस और कंपनी इवेंट्स में शामिल होने का मौका शामिल है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त लाभ जैसे बोनस शेयर या डिविडेंड भी देती हैं, जो निवेशकों की वफादारी बनाए रखने में मदद करते हैं। किरितानी हर सुबह टोक्यो की सड़कों पर अपने कूपन से खरीदी गई साइकिल से निकलते हैं। वह मुफ्त खाने के लिए रेस्टोरेंट जाते हैं। फ्री जिम में एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक कि फ्री मूवी टिकट्स के जरिए हर साल 140 फिल्में देखते हैं। मजेदार बात यह है कि वह फिल्मों का आनंद नहीं लेते, बल्कि थिएटर की आरामदायक सीट्स पर सो जाते हैं। किरितानी का मानना है कि कूपन का सही इस्तेमाल करना उनके जीवन का उद्देश्य है। उनकी अनोखी कहानी ने उन्हें इंटरनेट सेंसेशन बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी इस लाइफस्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

जॉनसन बने हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जॉनसन को दोबारा स्पीकर बनने के लिए 218 वोट की जरूरत थी। लेकिन शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर दो उन्हें रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए।

अमेरिका में ट्रक से कुचलने के बाद, गोलीबारी की घटना....4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया

वाशिंगटन ।अमेरिका में ट्रक से कुचलने की घटना के बाद अब वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना हुई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया है। घायलों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है। घटना रात करीब 9 बजे हुई। हमले की चपेट में आए सभी पीड़ित होश में हैं। बात दें कि गोलीबारी की घटना हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद 2 पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं गोलीबारी के दौरान भगदड़ से कई लोग घायल भी हुए हैं। जिस जगह पर गोलीबारी हुई, वहां अक्सर काफी भीड़ रहती है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर तैनात है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। आसपास जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की जा रही है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शनी पार्क में समरनेट्स कार फेस्टिवल के दौरान बर्नआउट प्रदर्शन का मंचन किया गया। यहां पर प्रतिवर्ष 2 से 5 जनवरी तक कार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है।

बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका का आर्थिक मदद देकर, क्या डेट ट्रैप डिप्लोमेसी कर रहा चीन

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट और बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका में चीन अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के नाम पर चीन ने श्रीलंका में राहत सामग्री और सहायता पहुंचाकर अपनी पैठ बढ़ने की कोशिश की है। चीन ने श्रीलंका में 46 लाख बच्चों के लिए मुफ्त स्कूल ड्रेस और राशन उपलब्ध कराया हैं। यह कदम श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति में चीन की छवि सुधारने और वहां अपनी मौजूदगी को मजबूती करने की रणनीति का हिस्सा है। चीन के इस कदम पर विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की असली मंशा अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बढ़ावा देना है। श्रीलंका में पहले से ही कई चीनी परियोजनाएं चल रही हैं, इसमें हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट सिटी जैसी प्रमुख योजनाएं हैं। इन परियोजनाओं के द्वारा चीन अपनी आर्थिक और रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है। चीन की यह सॉफ्ट पावर रणनीति आर्थिक सहायता और मानवीय राहत के जरिए देशों को अपनी ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है। श्रीलंका में यह रणनीति न केवल चीन की उपस्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि भविष्य में श्रीलंका को अपने पक्ष में रखने की गारंटी भी देगी। दरअसल आर्थिक संकट के चलाते श्रीलंका को चीन और अन्य देशों से कर्ज लेना पड़ा है। इस स्थिति में चीन की मदद कई बार डेट ट्रैप डिप्लोमेसी का हिस्सा होती है, जहां कर्ज के बदले चीन संबंधित देश पर राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण बढ़ा लेता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब देने रुस ने चलाया ब्रह्मास्त्र, जेलेंस्की की उड़ी नींद

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन का युद्ध अब स्वाभिमान का सवाल बन गया है। करीब तीन सालों से जारी युद्ध में कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नए ब्रह्मास्त्र से यूक्रेन खौफ में आ गया है। पुतिन का ये नया ब्रह्मास्त्र ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नींद उड़ा दी है? यूक्रेन के डिफेंस इंटेलिजेंस प्रमुख किरिलो बुडानोव ने रूस के अत्याधुनिक फाइबर ऑप्टिक ड्रोन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यूक्रेन के पास रूस के इस हथियार का कोई तोड़ नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम ड्रोन वॉर जीत रहे थे लेकिन अब रूस ने बड़े स्तर पर फाइबर ऑप्टिर एफपीवी ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये हमारे लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर से इसे रोक पाना असंभव है। हम इसका तकनीकी समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बीते कुछ समय से यूक्रेन की सेना को रूस के

इस नए तरह के एफवीपी ड्रोन कामिखाजा के नए प्रकार का पता चला है।

रूस के इस एफवीपी कामिखाजा ड्रोन को सेना की लैब में तैयार किया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच ये जंग ड्रोन युद्ध के रूप में बदल चुकी है। दोनों मुल्क जमकर ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध के बीच ये समझ पाना मुश्किल है कि कौन सा ड्रोन किसका है। ये ड्रोन अद्भुत कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलते हैं। रूस के ये नए ड्रोन इतने सशक्त और भेदी हैं कि ये वायरलेस रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी बचकर निकल जाते हैं।

दरअसल पारंपरिक ड्रोन जीपीएस और आरएफ सिग्नल पर निर्भर होते हैं और इन्हें जैमिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टेक्टिक्स के जरिए डिसेबल किया जा सकता है। इससे पहले भी यूक्रेन में रूसी सेना की स्पेशल मिने बटालियन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर निशाना बना रही है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए रूसी सेना एफपीवी-ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। रूसी सैनिक एफपीवी-ड्रोन में जैविक हथियार जोड़ने के लिए फिटिंग बनाने के लिए 3डी-प्रिंटर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसी ड्रोन का लेटेस्ट वर्जन यूक्रेन के लिए सिरदर्द बन गया है। यूक्रेन परेशान है इसका जवाब कैसे दिया जाए।

परेशानी में ट्रंप, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में 10 जनवरी को आएगा फैसला

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक नई मुश्किल खड़ी होने वाली है। 10 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सजा सुनाई जाएगी। मामले की सुनवाई करने वाले जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से सजा सुनने के वक्त कोर्ट में मौजूद हो सकते हैं।

दरअसल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प ने कथित तौर पर डेनियल्स को पैसे दिए ताकि वह उनके साथ कथित यौन संबंधों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात न करें। इस मामले में मैनहैटन कोर्ट ने पिछले साल मई में ट्रंप पर 34 आरोप तय किए थे। वहीं ट्रम्प ने मामले को अवैध राजनीतिक हमला करार दिया है। उन्होंने जज मर्चेन को कट्टरपंथी और पक्षपाती बताया और कहा, यह मामला हमारे संविधान के खिलाफ है। इस तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने भी मामले की निंदा कर कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी निर्णय और कानूनी प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जज मर्चेन ने कहा है कि ट्रंप को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरुरी है। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति पद की दी गई छूट के कारण ट्रम्प मामले में कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। उधर ट्रम्प ने मामले को धोखाधड़ी बताकर कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनका उद्देश्य ट्रम्प की छवि खराब करना है।

आतंकी हमले के बाद बाइडेन की दो टूक, आईएसआईएस को बक्शा नहीं जाएगा

वाशिंगटन ।न्यू ऑरलियंस में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका आईएसआईएस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वादा किया कि अमेरिका आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करेगा। बाइडेन ने कहा, हम आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करने वाले है। जहां वे हैं और उन्हें कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं मिलेगी। इस बीच न्यू ऑरलियन्स के बॉर्बन स्ट्रीट में उम्मीद और वादे के साथ रेस्तरां और बार फिर से खुल गए। शहर और देश को झकझोर देने वाले हमले के बाद भले ही पर्यटकों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके की इस लोकप्रिय सड़क पर पर्यटकों के साथ-साथ लोग भी वापस आ गए हैं। इस सड़क के मशहूर बैंड भी वापस आ गए हैं। बता दें बॉर्बन स्ट्रीट में एक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी ने तेज रफ्तार ट्रक घुसा दिया था। हमले में 14 लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक कथित तौर पर टेक्सास निवासी 42 वर्षीय संदिग्ध शम्सुद्दीन जब्बार चला रहा था इस सुरक्षाबलों ने मार गिराया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जब्बार ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस या आईएस) का झंडा मिला है।

डोभाल से मुलाकात करने दिल्ली पहुंच रहे अमेरिकी एनएसए सुलिवन

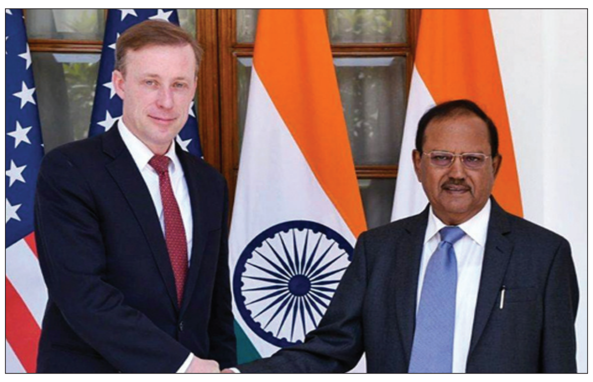

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने वाले है।

सुलिवन,पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देने वाले है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं, और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज को दिया गया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

तीन मोर्चों में जंग लड़ रहे इजरायली सैनिकों में आत्महत्या के मामले बढ़े, चिंतित नेतन्याहू खुद मैदान में उतरे

तेलअवीव (एजेंसी)। साल 2024 में इजरायल पूरी तरह युद्ध फंसा दिखाई दिया और नये साल में यहूदी देश के खिलाफ युद्ध का नए मोर्चे खुलने से जंग में और ज्यादा फंसे रहने की उम्मीद है। अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए भीषण हमले के बाद इजरायल दुश्मन देशों पर कहर बनकर टूट रहा है। पहले हमास फिर लेबनान और अब नए साल के साथ ही यमन के हूती विद्रोहियों के साथ इजरायल की जंग शुरू हो चुकी है। लेकिन युद्ध के तीन मोर्चों में उलझे इजरायली सैनिकों की मनोस्थिति ठीक नहीं है। इजरायल की फौज यानी आईडीएफ का डेटा कहता है कि युद्ध शुरू होने के बाद से सैनिकों में आत्महत्या की संख्या बढ़ी है। 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने सुसाइड किया। हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद से आत्महत्या के 28 मामले सामने आए। चिंतित नेतन्याहू सरकार ने सैनिकों की आत्महत्या रोकने के लिए 800 से ज्यादा डॉक्टरों की टीम को मदद के लिए उतार दिया है। वे लगातार सैनिकों की काउंसलिंग कर रहे हैं।

आईडीएफ ने बीते दो वर्षों में हुई मौतों के आंकड़े जारी कर कहा है कि युद्ध के दौरान सेना में आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जहां 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने आत्महत्या की है, उसमें से 28 ने 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद आत्महत्या की। 2022 में आईडीएफ में 14 आत्महत्याएं दर्ज हुईं और 2021 में यह संख्या 11 थी।

वहीं आईडीएफ के अनुसार, 558 सैनिक मारे गए, जिसमें 512 की जंग के दौरान मौत हुई। दुर्घटनाओं में 16 सैनिकों की मृत्यु हुई, जिसमें प्रशिक्षण के दौरान दो, नागरिक कार दुर्घटनाओं में चार, सैन्य कार दुर्घटनाओं में पांच, एक आकस्मिक हथियार विस्फोट के परिणामस्वरूप और 10 की बीमारी से मौत हुई। 2024 में, आईडीएफ ने सेना में कुल 363 मौतें दर्ज कीं, जिनमें युद्ध के दौरान परिचालन गतिविधि में 295 और आतंकवादी हमलों में 11 मौतें शामिल हैं। दुर्घटनाओं में 23 सैनिक मारे गए, 17 नागरिक कार दुर्घटनाओं में, तीन सैन्य कार दुर्घटनाओं में तथा 13 की मृत्यु बीमारी के कारण हुई।

युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक आईडीएफ के 891 सैनिक मारे गए हैं। इसमें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान 329, गाजा में लड़ाई के दौरान करीब 390, उत्तरी इजरायल पर हमलों में 37, लेबनान के अंदर लड़ाई के दौरान 50 और वेस्ट बैंक में 11 सैनिक मारे गए।

आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान आईडीएफ में कुल मृत्यु दर में 2023 की तुलना में कमी आई है, लेकिन आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईडीएफ का कहना है कि 2024 में कम से कम 21 सैनिकों ने आत्महत्या कर दी, जिसमें सात भर्ती किए गए सैनिक, दो कैरियर सैनिक और 12 रिजर्व सैनिक शामिल हैं। आईडीएफ ने बताया कि सेना में आत्महत्याओं को रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सैनिकों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन शुरु की गई है। अक्टूबर 2023 में सेल के स्थापित करने के बाद से काउंसलिंग के लिए 3900 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। आईडीएफ ने युद्ध के दौरान सैनिकों की मनोस्थिति ठीक करने के लिए 800 से अधिक डॉक्टरों की टीम को भी नियुक्ति किया है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग(एजेंसी)। कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने यह भी बताया कि चीन की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन ने सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में, फैल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकोप हर साल सर्दियों के दौरान होता है।

सिडनी टेस्ट में भारत को 145 रनों की लीड, पंत की धमाकेदार पारी ने दिल जीत लिया

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत ने पलटवार कर आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 181 रनों पर आलआउट कर 4 रन की लीड के साथ अपनी दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 141 रन बनाए। भारत की कुल लीड अब 145 रन की हुई है। दिन का खेल खत्म होने के समय जडेजा 8 और वशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। खेल के अंतिम सत्र में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की दूसरी पारी का आकर्षण विकेटकीपर और बल्लेबाज रिषभ पंत (61) की धमाकेदार बल्लेबाजी रही। पंत ने ये रन मात्र 33 गेंदों पर छह चौके और चार छक्कों की मदद से बनाये। उन्होने अपना अर्धशतक मात्र 29 गेंदों में पूरा किया। वे पैट कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों लपके गये। वहीं विराट कोहली का बल्ला आज भी नहीं चला और वे सिर्फ 6 रन का योगदान दे सके। यशस्वी जायसवाल (22) ने भारत को तेज शुरुआत देने की कोशिश की मगर वह भी जल्द ही चलते बने। सीरीज में पहली बार खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 42 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि मो सिराज ने 51 रन देकर 3 विकेट झटके। बुमराह और नीतीश कुमार रेड्डी ने दो दो विकेट हासिल किए। 4 रन की लीड मिलने के बावजूद बुमराह की फिटनेस ने भारत को चिंता में डाल दिया है। शनिवार को के सत्र की शुरुआत में सिर्फ 1 ओवर फेंकने के बाद बुमराह मैदान से बाहर गए और बाद में उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल जाते देखा गया, जिससे बाकी मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदेह में पड़ गई है। वहीं बुमराह की गैर मौजूदगी में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। पारी के 51वें ओवर में आखिरी खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड को आउट करने में उनकी रफ्तार काबिल ए तारीफ थी। प्रसिद्ध कृष्णा और रेड्डी ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से सभी को आकर्षित किया। रेड्डी ने मिचेल स्टाकर को 1 रन पर और पैट कमिंस को 10 रन पर आउट किया। दोनों स्लिप में कैच आउट हुए। विकेटों की झड़ी के बावजूद, नवोदित ब्यू वेबस्टर (57) और एलेक्स कैरी (21) ने मजबूत इरादों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। वेबस्टर ने अद्भुत संयम दिखाया और 105 गेंदों में पांच चौकों सहित 57 रन बनाए। उन्होने रेड्डी की गेंद पर शॉट लगा कर पहले ही टेस्ट मैच में पचास रन पूरे किये। दूसरी छोर पर कैरी ने कई आत्मविश्वास भरे स्ट्रोक खेले और दो बार ऑफ साइड से बाउंड्री लगाई। इससे पहले, भारत ने खेल पर मजबूत पकड़ के साथ शुरुआत की थी।

जसप्रीत बुमराह का मेडिकल बुलेटिन आया बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा ने दी अपडेट

सिडनी (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा शनिवार को कहा कि कप्तान जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन है और भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में लक्ष्य का बचाव करते समय मेडिकल स्टाफ से इस स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धता को लेकर जानकारी का इंतजार कर रही है। बुमराह चोट के कारण एहतियाती स्कैन (जांच) कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौट आए। उन्हें यहां लंच के बाद केवल एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस टेस्ट में बुमराह की गेंदबाजी भारत के लिए काफी अहम होगी क्योंकि टीम ने अपनी दूसरी पारी में 141 रन पर छह विकेट गंवा दिए है और उसकी कुल बढ़त सिर्फ 145 रन की है।

कृष्णा ने दूसरे दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पीठ में ऐंठन थी। वह स्कैन के लिए गए थे। मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। जब मेडिकल टीम हमें कोई जानकारी देगी तभी इस बारे में कुछ पता चलेगा। बुमराह कुल मिलाकर 3 घंटे और 20 मिनट तक मैदान से दूर रहे, लेकिन उनकी वापसी से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी से पहले भारतीय खेमे की चिंताएं कम हो सकती हैं। बुमराह की अनुपस्थिति में विराट कोहली ने टीम का नेतृत्व किया। बुमराह इससे पहले पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण 2022 और 2023 के बीच लगभग एक साल तक क्रिकेट से बाहर रहे थे।

श्रृंखला में पहले ही 32 विकेट ले चुके बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 10 ओवरों में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने सुबह के सत्र में मार्नस लाबुशेन का विकेट लिया था। लंच के बाद अपने स्पैल में एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह को कुछ असुविधा महसूस हुई। उन्होंने कोहली से बात की और मैदान से बाहर चले गए और फिर आधिकारिक प्रसारकों ने उन्हें टीम के सुरक्षा संपर्क अधिकारी और टीम डॉक्टर के साथ मैदान से बाहर जाते हुए दिखाया। 'फॉक्स स्पोर्ट्स% के दृश्यों में उन्हें एक एसयूवी में स्टेडियम से बाहर निकलते हुए दिखाया गया।

एक दिन में 15 विकेट गिर गए, हम ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों की तरह नहीं रोते : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे 5वें टेस्ट में हरी पिच पर सवाल क्यों नहीं उठ रहे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि क्या यह खेल भारत में खेला जा रहा है। इस पर सवाल क्यों नहीं उठाए जा रहे। यह पिच टेस्ट क्रिकेट खेने के लिए बिल्कुल भी आदर्श नहीं है। पहले दिन 11 विकेट गिरे थे अब दूसरे दिन 15 विकेट गिर चुके हैं। बता दें कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर आउट करने के बाद पहली पारी में 4 रन की बढ़त ली थी। दूसरे दिन के खेल का अंत होने तक भारतीय टीम का स्कोर 141/6 हो गया है और उनके पास 145 रन की बढ़त है।

सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर भारत में (एक ही दिन में) 15 विकेट गिर जाते, तो सब गड़बड़ हो जाती। हमारे पास ग्लेन मैक्ग्राथ हैं। वह बीते दिनों बोल रहे थे कि उन्होंने पहले कभी इस पिच पर इतनी घास नहीं देखी। क्या आपने भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच के बारे में विलाप करते हुए सुना है? पूर्व (ऑस्ट्रेलियाई और अंग्रेजी क्रिकेटर) विशेषज्ञ हर समय भारतीय पिचों और परिस्थितियों के बारे में बात करते रहते हैं। हम विलाप करने वाले नहीं हैं, हम रोने वाले नहीं हैं। आप हमें कभी शिकायत करते हुए नहीं पाएंगे। लेकिन भारत में एक दिन में 15 विकेट गिर जाए तो यार यह नरक होगा। जब हम बाहर जाते हैं और क्रिकेट खेलते हैं तो हम ऐसा नहीं करते। अगर हम हारते हैं, तो हम हारते हैं। विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल है। मैंने कहा था कि जब हमने कल पिच देखी थी, तो इसपर इतनी घास थी कि गाएं भी चर सकती थी। यह बिल्कुल भी आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं है जो चौथे और पांचवें दिन तक चले। अगर बारिश नहीं होती तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन यहां रहेंगे।

भारतीय टीम की हालत से दुखी होंगे द्रविड़

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड टीम की अभी की हालत देखकर दुखी होंगे। उन्होंने विश्व विजेता के तौर पर टीम को छोड़ा था और उनके जाने के बाद टीम की क्या हालत हो गयी। वह श्रीलंका में एकदिवसीय हारी जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर उसे 3-0 से हार टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। अब ऑस्ट्रेलिया में 1-2 से पिछड़ी हुई है, जबकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से तकरीबन बाहर हो चुकी है।

वहीं दूसरी ओर रोहित शर्मा भी सोच रहे होंगे कि अगर द्रविड़ एक साल और कोच रहते तो अच्छा रहता। द्रविड़ के कोच रहते भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, एकदिवसीय विश्वक के फाइनल में पहुंची थी जबकि टी20 विश्वकप उसने जीता था। भारतीय कप्तान रोहित को अभी खराब दौर से गुजरने के कारण टीम से बाहर तक रहना पड़ रहा है। उन्हें किसी का समर्थन भी नहीं मिलता दिख रहा है। द्रविड़ के कोच पद छोड़ने के बाद नये कोच बने गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रलिया दौरे में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में

टीम को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भी निशाना बनाया है। वह भी खिलाड़ियों का मजाक बना रही है। कोच गंभीर का रवैया भी कप्तान को लेकर अब तक सख्त रहा है। खराब फार्म के कारण रोहित दबाव में भी दिखे मेलबर्न में बल्लेबाजी के दोरान उनका अति रक्षात्मक रुख दिखा। एकदिससीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद राहुल द्रविड़ कोचिंग छोड़ना चाहते थे पर रोहित ने उन्हें रुकने के लिए मनाया और भारतीय टीम विश्व विजेता बनी। इन दोनो की जुगल जोड़ी जीत की गारंटी जैसी लगती थी पर अभी टीम में गुटबाजी दिखती है। वह एकजुट नहीं नजर आती तो टीम के तौर पर आनी चाहिए। अभी वह समय है और जिस तरह से रोहित ने द्रविड़ को कोचिंग छोड़ने से रोका था उसी प्रकार कोई रोहित को रोके तो वह एक बार फिर पुराने में नजर आ सकते हैं। वह कोच के तौर पर द्रविड़ की कमी अनुभव कर रहे होंगे। वहीं द्रविड़ यह सोच रहे होंगे कि टीम इंडिया को किस जगह पर छोड़ा था और आज टीम कहां पहुंच गयी है।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रह सकते हैं ये दिग्गज

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पर इसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शायद ही खेलें । बुमराह को कार्याभार प्रबंधन के कारण इस सीरीज से बाहर रहना पड़ सकता है। बुमराह के अलावा रोहित शर्मा और विराट भी इस सीरीज से बाहर रह सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत की ये आखिरी 50 ओवर की सीरीज होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह को इसलिए आराम दिया जाएगा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह से फिट रहें। बुमराह पिछले कुछ समय से लगाता खेल रहे हैं जिसके उनके चोटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। वहीं विराट और रोहित का प्रदर्शन टी20 विश्वकप के बाद से ही अच्छा नहीं रहा है। ऐसें में चयनर्ता इस सीरीज के लिए भी इन्हें आराम देकर युवा खिलाड़ियों का आजमा सकते हैं।

पंत की 184 के स्ट्राइक रेट से खेली गई पारी के दीवाने हुए सचिन

मुंबई । भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर हो रहे मुकाबले के दौरान अपने पुराने अंदाज में दिखाई दिए। बेखौफ पंत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। स्टार्क के ओवर में उन्होंने लगातार गेंदों पर छक्के लगाए, जबकि कुछ ओवरों में उन्होंने जमकर बाउंड्री ठोकी। उन्होंने 33 गेंदों का सामना कर 61 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। जब तक वह क्रीज पर थे कंगारूओं की सांसे अटकी हुई थी। पंत की पारी की महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी तारीफ की है। पंत ने 29 गेंद में अर्धशतक लगाया, जोकि टेस्ट में भारत की ओर से लगाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी पंत के नाम दर्ज है, उन्होंने 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ 28 गेंदों में फिफ्टी लगा दी थी। सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में पंत ने चार छक्के और 6 चौके लगाए। उनकी पारी के दौरान स्टेडियम में मौजूद फैंस का भरपूर मनोरंजन हुआ। पंत की पारी पर तेंदुलकर ने लिखा, इसतरह के विकेट पर, जहां ज्यादातर बल्लेबाजों ने 50 से भी कम स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की, पंत की 184 के स्ट्राइक रेट से खेली गई पारी अद्भुत है। उन्होंने पहली गेंद से ऑस्ट्रेलिया को हिलाकर रख दिया। पंता को बल्लेबाजी करते देखना हमेशा मनोरंजक होता है। प्रभावशाली पारी थी।

लवलीना अब खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाएंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। ।लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।'' एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

फखर को इन चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा। रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे। इंग्लैंड एकमात्र भाग लेने वाला देश है जिसने इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। ग्रुप ए के शुरुआती मैच में पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। अगले दिन दुबई चरण की शुरुआत भारत और बांग्लादेश के बीच होगी।

देश में इस बार खेले जाएंगे ये अहम टूर्नामेंट

नई दिल्ली । भारत में इस साल क्रिकेट सहित अलग-अलग खेलों में बड़े-बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन होने जा रहा है। इनमें महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट से लेकर खो खो विश्वकप भी शामिल हैं। ऐसे में खेल प्रशंसकों को एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

खो-खो विश्वकप 2025 : नए साल की शुरुआत में ही सबसे पहले खो-खो विश्व कप का आयोजन होगा। ये टूर्नामेंट राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 13 से 19 जनवरी 2025 तक खेला जाएगा। इससे खो-खो के उभरेते हुए खिलाड़ियों को नये अवसर मिलेंगे।

महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 : महिला विश्व कप क्रिकेट का आयोजन सितंबर-अक्तूबर में होगा। इस दौरान दुनिया भर की महिला टीम भारत आयेंगी और लोगों को बेहतरीन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 : पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का आयोजन भारत की राजधानी दिल्ली में होगा। 26 सितंबर से 5 अक्तूबर 2025 तक पूरी दिल्ली इसकी मेजबानी करेगी।

खेलों इंडिया विंटर गेम्स 2025 : आइस हॉकी और आइस स्कीइंग का आयोजन 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में होगा। इसके बाद अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्की माउंटेनियरिंग और स्नोबोर्डिंग 22 से 25 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर में आयोजित होंगे।

आईपीएल 2025 : इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन की शुरुआत 14 मार्च से होगी। वहीं इसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा।

आज भारत के पास सिडनी कलंक को मिटाने का मौका, 46 सालों का सूखा हो सकता है खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में खतरे की घंटी बजा दी है। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन किया लेकिन बल्लेबाजों ने मेहनत पर पानी फेर दिया। शनिवार को स्टंप्स के समय भारत का दूसरी पारी में स्कोर 141/6 था। भारत की अभी कुल बढ़त 145 रनों की है। भारत के 185 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर आल आउट हो गई थी। टीम इंडिया फिलहाल मुश्किल में घिरी है। भारत का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। भारत पर फिर हार का खतरा मंडराने लगा है।

वैसे, सिडनी में लक्ष्य का पीछा करना कभी आसान नहीं होता। हालांकि, मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने कई बार चुनौती पर पार पाया है। यहां सबसे बड़ा टारगेट चेज करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम ही दर्ज है। ऑस्ट्रेलिया ने यह कारनामा साल 2006 में किया था। कंगारुओं ने तब साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 287 रनों का लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से विजयी परचम फहराया। उसके बाद से एससीजी में 21वीं सदी में कोई भी टीम 200 प्लस का टारगेट सफलतापूर्वक चेज नहीं कर सकी।

सिडनी में अभी तक छह मर्तबा 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल हुआ है। यह कमाल भी ऑस्ट्रेलिया ने ही किया है। ऑस्ट्रेलिया ने 1898 में इंग्लैंड के विरुद्ध 276 और 1907 में 275 रन बनाकर जीत दर्ज की। कंगारू टीम ने 1985 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 260, इंग्लैंड के विरुद्ध 1980 में 216 जबकि 1947 में 214 का टारगेट चेज किया। वहीं, इंग्लैंड ने सिडनी में 1903 में 194 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। ऑस्ट्रेलिया का सिडनी में दमदार रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने 121 टेस्ट खेले हैं, 61 में जीत और 28 में हार मिली है।

सिडनी में भारतीय टीम पर एक कलंक लगा हुआ है। भारत ने इस मैदान पर पिछले 46 सालों से कोई टेस्ट मैच नहीं जीता। भारत ने सिडनी में एकमात्र जीत 1978 में हासिल की थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में 13 टेस्ट मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट जीते और 7 ड्रॉ रहे। रविवार को पांचवें टेस्ट का रिजल्ट निकलने की संभावना है। भारत को अगर सिडनी में कलंक मिटाना है, तब ऑस्ट्रेलिया को 200 से अधिक रनों का टारगेट देने पर फोकस करना होगा। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा 8 और वॉशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। पंत ने दूसरे दिन 33 गेंदों में 61 रन की तूफानी पारी खेली। विराट कोहली (6), केएल राहुल (13) और शुभमन गिल (13) का बल्ला नहीं चला। यशस्वी जायसवाल ने 23 रनों का योगदान दिया।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस में जोकोविच को ओपेल्का ने सीधे सेटों में हराया

ब्रिस्बेन। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार मिली। अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। 47 साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं। ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है। कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है। ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी। पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह बनाई।

जिले के तापमान में लगातार गिरावट व बढ़ते ठंड के मद्देनजर जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की

आवासहीन, गरीब, दिव्यांग, अतिवृद्ध, नि:सहाय व्यक्तियों को वितरित करें कंबल : नैंसी सहाय

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची से प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखण्ड राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान में लगातार गिरावट हो रही है जिससे हजारीबाग जिला में भी शीतलहर, ठण्ड, कुहासा के प्रकोप बढ़ रही है। इसके आलोक में शीतलहर व ठण्ड से बचाव के लिए उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार ने जिले वासियों की सुरक्षा के लिए कई निर्देश जारी किये हैं। उपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने अधीनस्थों को इन निर्देशों का अनुपालन सक्रियता से सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने शीतलहर, ठण्ड की दृष्टि से सभी जगह विशेषकर ज्यादा संवेदनशील इलाको, नदियों , नालों , डैम के किनारे बसे गाँव, सार्वजनिक स्थल यथा रैन बसेरा, अस्पताल परिसर, रेल , बस , रिक्शा पड़ाव, मुसाफिरखाना इत्यादि में अलाव का जलाया जाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। शहरी क्षेत्रों में रिक्शा चालकों, दैनिक मजदूरों, असहायों, आवास विहीन एवं सदृश्य श्रेणी के ऐसे गरीब निःसहाय व्यक्तियों के रहने हेतु रैन बसेरों की समुचित व्यवस्था करने तथा जहाँ रैन बसेरा उपलब्ध न हों, वहाँ वैकल्पिक व्यवस्था करने, इस कार्य में गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग लेने, सभी रैन बसेरों, शरणस्थलों में अलाव, कम्बल इत्यादि की समुचित व्यवस्था के साथ आम जनमानस की सूचना के लिए इसका प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है। शीतलहर से प्रभावित जनता विशेषकर आवासहीन, गरीब, रिक्शाचालक, दिव्यांग, अतिवृद्ध, निःसहाय व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए आवश्यकतानुसार कम्बल का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने शीतलहर से बचाव के उपायों का आम जनता के बीच जागरूकता एवं बचाव हेतु प्रचार-प्रसार, विशेषकर स्कूल, कॉलेज, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से शहरी- ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शीतलहर से बचाव के उपाय के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के पम्पलेटों, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, होर्डिंग एवं बैनर के माध्यम से भी जनता को अवगत कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कुहासे के दौरान नदियों / डैम के आस-पास एवं पुल से लगी सड़कों पर विशेष ट्रैफिक निगरानी करने तथा पीसीआर वैन, हाईवे पेट्रोलिंग द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर निःसहाय एवं वृद्ध व्यक्तियों के ठण्ड से बचाव हेतु विशेष निगरानी बरतने का निर्देश जारी किया है।उपायुक्त ने जिलेवासियों से ठंड से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन के निर्देशों का अनुपालन करने की अपील की है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति की बैठक

हजारीबाग। डीएमएफटी के संचालित कार्यों की अद्यतन स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक 4 जनवरी को उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद मौजूद रहे। समाहरणालय सभाकक्ष में हुई डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति की बैठक में डीएमएफटी मद द्वारा नए प्रपोजल पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जनहित से जुड़ी तथा प्राथमिकता क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं महिला एवं बाल विकास आदि से संबंधित कार्यों को शामिल करें। उन्होंने चुनाव पूर्व स्वीकृत कार्यों की निविदा प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने डीएमएफटी मद द्वारा स्वास्थ्य विभाग में उपलब्ध कराए गए उपकरणों के रख रखाव व क्रियाशीलता पर विशेष ध्यान देने को कहा। छोटे मोटे कारणों से महंगे उपस्कर बंद न हो तथा इसकी पूरी मॉनिटरिंग हो इस बाबत जिला स्तर पर टीम गठित करने का निर्देश दिया ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी अड़चनों को तत्काल दूर कर उन उपकरणों को क्रियाशील बनाया रखा जा सके। उपायुक्त ने कहा कि डी एम एफ टी मद से किसी भी विभाग के जरूरतों या गैप को कम करना उद्देश्य है। उन्होंने कहा से सभी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में मद से अनेकों उन्नयन के कार्य किए जा रहे है,जिनका समुचित सदुपयोग की अपेक्षा की जाती है। हर स्कीम की सस्टेनेबिलिटी संबंधित विभाग की जिम्मेवारी है। उपायुक्त ने सभी स्वीकृत किए गए योजनाओं के अद्यतन स्थिति व टेंडर प्रक्रिया की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने सभी अधिकारियों व एजेंसियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा अपनी जिम्मेवारी सुनिश्चित करने को कहा साथ ही संचालित योजना एवं निर्माण कार्यों कि नियमित रूप से स्थल का भ्रमण का मॉनेटरिंग करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी अजीत कुमार,जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गौ विज्ञान अनुसंधान का हुआ आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गतिविधि के अंतर्गत गौ विज्ञान अनुसंधान एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन हुआ। मालूम हो कि इस परीक्षा में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, डी ए वी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग एवं के डी चिल्ड्रन स्कूल, हजारीबाग के कुल 87 भैया- बहनों ने परीक्षा दी। गौ विज्ञान अनुसंधान एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा में बाल एवं किशोर वर्ग के बच्चों ने परीक्षा दी। मालूम हो कि इस परीक्षा का आयोजन समिति के संयोजक एवं केंद्र के पर्यवेक्षक ज्ञानचंद मेहता के दिशा निर्देश में संपन्न हुई। आज विद्यालय की वंदना सभा में विद्यालय के सचिव डॉ जयप्रकाश रविदास ने भैया- बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी भैया- बहन भारतीय संस्कृति के अनुसार शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आप सभी पूर्ण मनोयोग से पढ़ाई- लिखाई करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। आप सभी सच्चे राष्ट्रभक्त बने। मौके पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य अनिल कुमार, राजीव रंजन, सुमन आनंद, रामेश्वर गोस्वामी, नरेंद्र कुमार सिन्हा, कार्यालय प्रमुख, कुमार प्रवीण मनिकाजी, अंजली मेहता एवं भैया - बहन उपस्थित थे।

सीमा सुरक्षा बल मेरू कैंप, हजारीबाग में वार्ब तिमाही बैठक का हुआ आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। बल मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वार्ब के तत्वावधान में प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरू परिसर स्थित परिवार कल्याण केन्द्र में दिनांक 04 जनवरी से झारखण्ड राज्य में रहने वाले सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त कार्मिकों व उनके आश्रितों की पेन्शन व रिटायमेन्ट लाभ में उत्पन्न विसंगतियों के लिए एक ही पटल पर सुनवाई व निवारण हेतु वार्ब मीटिंग का आयोजन किया गया !गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश की अमूल्य धरोहर केन्द्रीय पुलिस बलों के पेन्शनभोगी सेवानिवृत कार्मिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास और कल्याण हेतु वार्ब का गठन किया गया है। वार्ब बैठक में बड़ी संख्या मंेसेवानिवृत कार्मिक और उनके आश्रित उपस्थित रहे। इस दौरान राकेश रंजन लाल, उपमहानिरीक्षक (प्रशासन) कैंप के सक्षम अधिकारी, अनुभवी लेखा अधिकारी, अनुसचिवीय स्टाफ और अन्य सम्बंधित विभागों के प्रभारी, सेवानिवृत कार्मिकों एवं आश्रितों की समस्याओं के निवारण के लिए उपस्थित रहे। बैठक में सेवानिवृत कार्मिकों एवं आश्रितों की पंेशन से जुड़ी समस्याओं का निवारण किया गया साथ ही पुनर्वास व कल्याण संबधित जानकारी एवं भविष्य मंे सेवानिवृत कार्मिकों व उनके आश्रितों के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया गया। जानकारी के मुताबिक सीमा सुरक्षा बल मेरू कैंप में अगली वार्ब की बैठक आगामी मार्च 2025 माह में होगी।

श्रमाधीक्षक अनिल रंजन कैमरून से लौटे प्रखंड के प्रवासी मजदूरों से मिले

विष्णुगढ़/बिभा संवाददाता। विष्णुगढ़ प्रखंड मुख्यालय सभागार में शनिवार को श्रमाधीक्षक हजारीबाग ने सरकार की योजना का लाभ दिलाने और कंपनी से बकाया राशि दिलाने हेतू सबों से मिले और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान सभी मजदूरों का श्रमिक मित्र राजेश्वर महतो ने निर्माण श्रमिक व अन्य में निबंधन किया, ताकि श्रम विभाग के योजनाओं के साथ अन्य योजनाओं का लाभ सभी को मिले। प्रवासी मजदूरों के हितार्थ कार्य करने वाले झारखंड लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी मोर्चा के केंद्रीय संगठन मंत्री महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही पटेल ने कहा कि सरकार को रोजगार की व्यवस्था करने के साथ ही प्रवासी मजदूरों के लिए ठोस नीति बनाने की जरूरत है, जिससे मजदूरों के साथ शोषण और ठगी के शिकार न हो। श्री पटेल ने कहा कि आज 04 जनवरी 2025 को ही नरकी पंचायत के अलकिलवा में राजस्थान से नरेश गंझू का शव आया, कंपनी इसे सामान्य मौत बता रही है। आए दिन झारखंड के प्रवासी मजदूरों के मौत और शोषण की घटनाएं हो रही है झारखंड सरकार को नीति बनानी चाहिए।

प्रमंडलीय आयुक्त ने चतरा जिले का दौरा कर राजस्व मामलों की समीक्षा की

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार का शनिवार को चतरा आगमन हुआ। उनके चतरा परिसदन आगमन पर उपायुक्त रमेश घोलप ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात समाहरणालय सभाकक्ष में प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार की अध्यक्षता में राजस्व से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से ई कोर्ट, म्यूटेशन के लंबित मामले एवं भारतमाला परियोजना में अधिग्रहीत भूमि के रैयतों का मुआवजा से संबंधित बिंदुवार समीक्षा की गई एवं कई आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। दाखिल खारिज के मामले में आयुक्त ने निर्देशित करते हुए सभी अंचल अधिकारी को कहा कि न्यूनतम 30 दिन एवं 90 दिनों के अंदर लंबित दाखिल खारिज के मामले का निष्पादन करें। वहीं भू अर्जन की समीक्षा के दौरान जिला भू अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह ने जानकारी दिया भारतमाला परियोजना जिले के चार अंचल से गुजर रहा है यथा हंटरगंज, चतरा, पत्थलगड्डा, सिमरिया। जिसमें भारत माला परियोजना के लिए अधिग्रहीत की गई भूमि का भुगतान 157 करोड़ में से लगभग 100 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

सिंदूर स्थित पाइप फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों की संपत्ति जलकर राख

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के सिंदूर स्थित रिगटेक इंफ्रा ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड पाइप फैक्ट्री में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी, जिससे फैक्ट्री में रखा करोड़ों का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, समय रहते दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।घटना शनिवार आधी रात करीब 12:30 बजे की है। फैक्ट्री में पिछले 25 दिसंबर से मजदूरों की छुट्टी थी और उत्पादन कार्य पूरी तरह से बंद था। बावजूद इसके, बिजली के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट की वजह से फैक्ट्री में आग लग गई। चूंकि फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री, पाइप और अन्य रॉ मटेरियल रखा था, इसलिए आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री के आसपास रहने वाले पड़ोसियों ने जब वहां से धुंआ उठता देखा, तो तुरंत फैक्ट्री मालिक बलवंत लाल सुमन को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत कोर्रा थाना को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने दमकल विभाग को सूचित किया। कुछ ही देर में दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री के मालिक बलवंत लाल सुमन ने बताया कि अगर समय पर दमकल विभाग नहीं पहुंचता, तो यह आग आसपास की अन्य दुकानों और मकानों तक भी फैल सकती थी, जिससे भारी जनहानि हो सकती थी। इस हादसे में फैक्ट्री में रखा रॉ मटेरियल और तैयार पाइप जलकर राख हो गया। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, लगभग डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। हालांकि, नुकसान का सही आकलन अभी किया जा रहा है। फैक्ट्री मालिक ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है, ताकि हुए नुकसान की भरपाई में सहायता मिल सके। बलवंत लाल सुमन ने कहा कि वे इस नुकसान से उबरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और जल्द ही उत्पादन कार्य फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन को चाहिए कि वे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

हजारीबाग के नवादा में एनआईए की छापेमारी

हजारीबाग। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने शनिवार को हजारीबाग के विष्णुगढ़ स्थित नवादा गांव के एक घर में छापेमारी कर लोगों से पूछताछ की। एनआईए की टीम ने गोमिया के झुमरा पहाड़ के क्षेत्रों में छापेमारी की है। झुमरा पहाड़ और उसके आसपास के गांव नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। यहां कई बार पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़ भी हो चुकी है। पिछले सप्ताह शुक्रवार को एनआईए की टीम गिरिडीह पहुंची थी। यहां नक्सली कृष्णा हांसदा से जुड़े मामले को लेकर कई घरों में छापेमारी की गई थी। जिन घरों में टीम ने छापेमारी की है, वे घर नक्सलियों के लिए काम करने वाले संदिग्ध और ओवर ग्राउंड वर्करों के हैं। लगभग पूरे दिन चली कार्रवाई में टीम ने न केवल घरों की तलाशी ली, बल्कि उनसे जुड़े दूसरे परिसरों की भी जांच की। जांच के दौरान कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड आदि जब्त किए है। अब टीम इन सबकी जांच कर रही है।

पौता में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 32 जरूरतमंद लोगों ने उठाया लाभ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल एवं संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में दिन शनिवार को सदर प्रखण्ड स्थित पौता में निशुल्क दंत जांच शिविर एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें जरूरमंद ग्रामीणों को चिकित्सकों द्वारा दांत एवं स्वास्थ्य का जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर में 32 जरूरतमंद का जांच किया गया। उपचार के साथ चिकित्सकों के द्वारा उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श दिया गया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बी पी ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर एंव आरबीएस का जांच मुफ्त हुआ। मुफ्त दवाई भी उपलब्ध कराया गया। मुफ्त मेडिकल कैंप से इलाज करवाकर मरीजों ने संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल एवं हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल का धन्यवाद व साधुवाद ज्ञापित किया। शिविर के आयोजन में स्थानीय लोगों ने सरहानीय योगदान दिया। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष एंव डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि शिविर में बुनियादी उपचार बिलकुल मुफ्त है। वर्तमान दौर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मरीजों की परेशानीयों को कम करने के उद्देश्य से हर जगह निशुल्क शिविर लगाया जा रहा है। इस विशेष पहल से कईं जरूरतमंदों को अनुभवी चिकित्सकों से उपचार कर उत्तम स्वास्थ्य का लाभ मिल रहा है। अस्पताल एवं कॉलेज परिवार की आगे भी कोशिश रहेगा की यह मुफ्त शिविर जगह- जगह पर जारी रहे और जरूरतमंद शिविर से लाभान्वित हो। मौके पर स्थानीय लोगों ने कहा कि वाकई मे स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिशन होस्पिटल एवं डेंटल कॉलेज काफी अच्छा पहल है।

प्रवासी मजदूर नरेश गंझू का शव पहुंचा पैतृक गांव, पसरा मातम

बिभा संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत नरकी पंचायत के अलकलिवा बस्ती के झमन गंझू के 36 वर्षीय पुत्र नरेश गंझू की मृत्यु 1 जनवरी को राजस्थान के बीकानेर जिले के खांडा शहर में देर रात सोते सोते ही हो गई थी। नरेश गंझू टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी में फिटिंग मास्टर के रूप में कार्यरत थे। शनिवार की सुबह नरेश गंझू का शव उनके पैतृक गांव पहुंचते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। इस दौरान मौके पर उपस्थित जेएलकेएम नेता इंजीनियर मुकेश कुमार महतो द्वारा कंपनी प्रबंधन से लगातार वार्ता होने के बाद शव गांव पहुंचते ही कम्पनी द्वारा परिजनों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमति बनी। मौके पर केंद्रीय संगठन मंत्री माही पटेल, प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो, नरकी मुखिया प्रभु गंझू, प्रखंड उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, नरकी पंचायत अध्यक्ष निर्मल महतो, खेमनारायण महतो, संतोष महतो समेत कई गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी ससंघ 12 पिच्छी का हजारीबाग में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। परम पूज्य गणाचार्य 108 विराग सागर जी महाराज की शिष्या गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी ससंघ (12 पिच्छी) का शनिवार को प्रातः 8:30 बजे हजारीबाग नगर में गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश डिस्ट्रिक मोड़ चौक (आरोग्यम) के पास से हुआ जिसमें जैन समाज के अध्यक्ष धीरेंद्र सेठी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश विनायका, समाज के महामंत्री पवन कुमार अजमेरा, मंत्री उत्तम पाटोदी, कार्यकारिणी सदस्य सुनील अजमेरा, सुनील विनायका,विजय लुहाड़िया, राजेश सेठी सहित काफी संख्या में जैन समाज के महिला एवं पुरुष वर्ग के लोग शामिल हुएं। नगर प्रवेश के क्रम में जगह जगह भक्तों द्वारा आरती व पाद प्रक्षालन किया गया। बड़ा बाजार मंदिर जी में समाज की महिलाओं द्वारा सभी आर्यिका माता जी का भव्य स्वागत और पाद प्रक्षालन किया गया। जिन दर्शन के उपरांत आर्यिका 105 विभाश्री माताजी का मंगल प्रवचन हुआ माता जी ने बताया कि वाणी में मधुरता कितनी जरूरी है जरा सी बोलने में चूक हो जाएं तो सारा किया कराया में पानी फिर जाता है। साथ ही माताजी ने बताया कि नित्य नियम से जितना देव दर्शन ,जिन पूजन ,अभिषेक, गुरु भक्ति आदि करेंगे उतना हमारा पुण्य संचय होगा जिसके कारण हमें भविष्य में किसी भी तरह का अभाव नहीं होगा। बताते चलें कि तिलैया से इटखोरी होते हुए माता जी ससंघ का विहार हजारीबाग की ओर हुआ विहार कराने में तिलैया और इटखोरी वालों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। माता जी का विहार हजारीबाग से रामगढ़ होते हुए इंदौर की तरफ होगा।

माता जी ससंघ के दर्शन हेतु तिलैया, इटखोरी, रामगढ़ समाज से काफी संख्या में भक्तों का आना हुआ। सभी ने श्री फल अर्पित कर माता जी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।दिगंबर जैन पंचायत हजारीबाग द्वारा बाहर से आए सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। मंगलाचरण कुसुम अजमेरा द्वारा किया गया कार्यक्रम संचालन विजय लुहाड़िया द्वारा किया गया। प्रवचन के पश्चात आहारचार्य का कार्यक्रम हुआ।पूज्य माताजी का मंगल विहार शनिवार दोपहर 2.30 बजें बड़ा बाजार मंदिर जी से हुआ जिसमें काफी संख्या में समाज के स्त्री और पुरुष वर्ग के लोग शामिल हुएं। माता जी का रात्रि विश्राम श्री राधा कृष्ण स्कूल, मोरांगी में हुआ। उक्त जानकारी दिगंबर जैन पंचायत के मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया ने दी !

हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने संजीवनी सेवा कुटीर का किया भव्य उद्घाटन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने जन्मदिवस के विशेष अवसर पर जनता को एक ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में संजीवनी सेवा कुटीर का भव्य उद्घाटन किया गया। यह सेवा केंद्र शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को राहत प्रदान करेगा। मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और चतरा सांसद कालीचरण सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी,मांडू विधायक तिवारी महतो और चतरा विधायक जनार्दन पासवान शामिल हुए,साथ ही कई प्रमुख नेता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।सर्वप्रथम सबसे पहले प्रदीप प्रसाद ने सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया जिसके बाद कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटने के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया। सांसद,विधायक और अन्य अतिथियों ने सेवा कुटीर का अवलोकन किया और इसके उद्देश्यों की सराहना की। इसके अतिरिक्त, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह,चतरा भाजपा जिला अध्यक्ष,प्रसिद्ध यूट्यूबर आर राजेश,हॉस्पिटल के सी.एस,जिला परिषद सदस्य,भाजपा नेता,सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहें ।कार्यक्रम के समापन पर मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों ने सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं और बधाई दी। इस विशेष क्षण को और यादगार बनाने के लिए जन्मदिन का केक काटने का आयोजन किया गया। सांसद,विधायक सहित सभी विशिष्ट अतिथियों ने एक साथ केक काटा और प्रदीप प्रसाद को केक खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सभी अतिथियों ने विधायक के स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम का यह हिस्सा आत्मीयता और सौहार्द से भरा रहा। उपस्थित कार्यकर्ताओं और जनता ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस पल को और खास बना दिया। मंच पर उपस्थित सभी नेताओं ने प्रदीप प्रसाद के सेवा और समर्पण भाव की सराहना की और उनके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की।

संजीवनी सेवा कुटीर की विशेषताएं

संजीवनी सेवा कुटीर हजारीबाग के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को 24 घंटे सेवा प्रदान करेगा। यह केंद्र कई सुविधाओं से लैस है, जो मरीजों के परिजनों को तत्काल मदद और स्वास्थ्य सेवा का भरोसा देता है। 24X7 सेवा के माध्यम से सेवा कुटीर में 24 घंटे एक प्रशिक्षित व्यक्ति तैनात रहेगा, जो मरीजों और उनके परिजनों को आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान करेगा। मरीजों को तत्काल सहायता हेतु शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को सेवा कुटीर के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य सुविधाओं तक कनेक्टिविटी के लिए यह केंद्र मरीजों को बेहतर इलाज के लिए आवश्यक स्थानों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। मरीजों के परिजन, जो अक्सर दूर-दराज से आते हैं, उनके लिए यह सेवा केंद्र एक ठिकाने के रूप में कार्य करेगा, जहां वे अपनी चिंताओं का समाधान पा सकें ।इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की संजीवनी सेवा कुटीर क्षेत्र के मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी मरीज या उसका परिवार स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में परेशान न हो। साथ ही कहा की ठंड को देखते हुए यहां पर मरीजों के लिए कंबल की भी व्यवस्था रहेगी दवाइयां भी यहां पर रखी जाएगी ताकि मरीज के परिजनों को तकलीफ ना हो आने वाले 6 महीने के अंदर एक लैब का निर्माण किया जाएगा जिसमें काम शुल्क या निशुल्क लैब संचालित रहेगा जिसके जरिए मरीज के परिजनों को काफी मदद पहुंचेगी बाजारों में दिन पर दिन लैब जांच का दर बढ़ते जा रहा है, 2 से 3 वर्षों के अंदर मेरी कोशिश रहेगी एक भव्य अस्पताल का निर्माण कर पाऊं ताकि क्षेत्र और क्षेत्र से बाहर आसपास जिले से आने वाले तमाम मरीज को तकलीफों का सामना न करना पड़े। मैं चल पड़ा हूं अकेले मंजिल को पूरा करने लोग साथ दे रहे हैं और कारवां बढ़ रहा है। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि वर्तमान समय में सदर अस्पताल में जो बिचौलियों का अड्डा बना हुआ है उसे जल्द से जल्द समाप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य के आला अधिकारियों ने की मुलाकात, दी बधाई

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने मुलाकात की। सभी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष 2025 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की बधाई एवं मंगलकामनाएं दी।
मुलाकात करने वालों में प्रधान सचिव वंदना दादेल, सचिव मुकेश कुमार, सचिव मनोज कुमार, निदेशक शशि प्रकाश सिंह, रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार, प्रबंध निदेशक कृतिश्री, उपायुक्त कोडरमा मेघा भारद्वाज, उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी, उपायुक्त रामगढ़ चन्दन कुमार एवं उपायुक्त खूंटी लोकेश मिश्र शामिल रहे। इनके अलावा मुख्यमंत्री से जेल आईजी सुदर्शन मण्डल, आईजी ऑपरेशन एवी होमकर, डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम, एसएसपी रांची चन्दन सिन्हा एवं जैप-10 कमांडेंट पियूष पांडेय ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नव वर्ष की बधाई और उनके मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

खादी महोत्सव के 16वें दिन 15,000 हजार लोगों ने मेले का किया भ्रमण

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव, 2024-25 के सोलहवें दिन सुबह से ही लोगों का आगमन शुरू हो गया था। जैसे-जैसे महोत्सव के समापन की तिथि निकट आ रही है। वैसे-वैसे महोत्सव में लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। लगभग 15,000 हजार लोगों ने महोत्सव का भ्रमण किया। मुख्य न्यायाधीश श्री एस. एन. पाठक एवं केवीआईसी के ईस्ट जॉन के सदस्य मनोज सिंह द्वारा भी महोत्सव का परिभ्रमण किया गया।
कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा महोत्सव में मुकेश तिवारी एवं दल, राँची हिन्दी गायन एवं सिम्मी गोस्वामी एवं दल, राँची नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया गया। साथ ही, खादी फैशन शो को जैविक बास्केट द्वारा प्रायोजित किया गया जिसमें खादी फैशन शो में मिससे खादी प्रथम मिनाक्षी पाण्डेय, द्वितीय कृति सहाय एवं तृतीय रीना कुमारी रही। श्रीमती वर्षा रितु एवं सिम्मी गोस्वामी के दल द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया।
बच्चों के लिए आयोजित गायन प्रतियोगिता में पांच से बारह आयु वर्ग में प्रथम स्थान आकाश गुप्ता, द्वितीय स्थान ऐश्वर्यम शर्मा एवं तृतीय स्थान जशरीत कौर ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
05 जनवरी को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा महोत्सव में पंकज कुमार एवं दल, शास्त्रीय संगीत बनारस घराना, बनारस, आदर्श कुमार एवं ग्रुप सूफी संगीत गायन, चुटू सिंह मुंडा एवं दल, आदिवासी छऊ नृत्य पार्टी, सोनाहातू, रांची और माधवी कुमारी एवं दल, राँची- हिन्दी गायन की जायेगी।
बच्चों के लिए पांच से नौ आयु वर्ग तथा दस से चौदह आयु वर्ग के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिन बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेना है. महोत्सव परिसर में आकर वे प्रातः 11.00 बजे तक अपना रजिस्ट्रेशन करा लेंगे।

राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव में आदिवासी कला और संस्कृति का नया रूप दिखा

बिभा संवाददाता

रांची: राष्ट्रीय खादी और सरस महोत्सव 2024-2025 का आयोजन मोराबादी मैदान में उत्साह और जोश के साथ किया गया। मेले में भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने खादी, हस्तशिल्प, और झारखंड के पारंपरिक उत्पादों का आनंद लिया। महोत्सव में झारखंड के उद्योग सचिव, श्री जितेंद्र सिंह ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने पलाश ब्रांड अंतर्गत खाद्य एवं गैर खाद्य विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाई सखी मंडल की महिलाओं से बातचीत की और उनके संघर्ष व कार्य की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने मेले में आए लोगों को झारखंड की कला और संस्कृति को समझने और सखी मंडल की दीदियों की प्रेरणादायक कहानियों से रूबरू होने का आह्वान किया।

'आदिवासी कला और संस्कृति का नया रूप'

इस वर्ष सरस मेला ने पारंपरिक आदिवासी कला और संस्कृति को आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। पलाश ज्वेलरी और वस्त्रों से सजे मॉडलों ने मंच पर अनूठा प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। मेले में झारखंड की कला, हस्तशिल्प और संस्कृति का जीवंत अनुभव देखने को मिला।

व्यंजनों और उत्पादों की धूम

मेले में झारखंड के स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों, जैसे दीदी कैफे के पकोड़े, छिलका, बालूशाही और अन्य परंपरागत व्यंजनों की खास चर्चा रही। पलाश मार्ट और जेएसएलपीएस के विभिन्न स्टॉल पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। राष्ट्रीय खादी और सरस महोत्सव ने न केवल झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को मंच दिया, बल्कि महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया।

सरस मेला में आए लोग उठा रहे हैं झारखंडी खाने का लुफ्त.

स्टॉल नंबर एच - 10 सिमडेगा जिले के सिमडेगा प्रखंड की रहने वाली राधा दिदी 2014 मे जुडी राधा दीदी को खाना बनाने का बहुत-बहुत शोक है इसलिए 2022 में उन्होंने समुह से बैंक लिकेज से 80000 ऋण लिए उससे उन्होंने अपना एक छोटा सा होटल खोला उनका होटल बढ़िया चलता है सिमडेगा प्रखंड के बीपीएम द्वारा सरस मेले के बारे में पता चला 2024 में पहली बार हो सरस मेले में ना स्टोल लगाई. अपने स्टाल में झारखंड का फेमस ढक्कन डब्बा, उछिलका, बारा, धुसका उरद पीठा, आदि जिसे लोग अपने पुरे परिवार के साथ बड़े चाव से खाने के लिए प्रत्येक दिन आ रहे है. जिससे दिदी बहुत खुश है प्रत्येक दिन का सेल 8 से 10 हजार कमाई कर रही है वह सरस मेले बार बार आना चाहती।

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम. एस. रामचंद्र राव से उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामना दी। इस दौरान उनसे राज्य हित के प्रसंग में चर्चा हुई। मौके पर उपस्थित जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आफताब जमील एवं समाजसेवी मो. सरफराज ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामना दी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुकेश कुमार, सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्यपाल को नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पद्मश्री अशोक भगत, सचिव, विकास भारती, बिशुनपुर ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर श्री भगत ने राज्यपाल को नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएँ दीं तथा संस्था की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। राज्यपाल ने संस्था के प्रयासों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर अजय मारू ने राज्यपाल को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। राज्यपाल ने भी श्री मारू को नव वर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

दुमका में तसर रेशम कृषि मेला-2025 का हुआ आयोजन

तसर रेशम उत्पादन से ग्रामीण रोजगार सृजन की असीम संभावना: अभिजीत

तसर उद्योग को गति प्रदान करने में केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन?द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची का अप्रतिम योगदान: डॉ.एन.बी.चौधरी

तसर रेशम कृषकों की सफलता की कहानी के आयाम: प्रो. बिमल प्रसाद सिंह

जल, जंगल, जमीन एवं पर्यावरण का संरक्षण में तसर उद्योग की भूमिका: श्री सात्विक

बिभा संवाददाता

दुमका : केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची द्वारा दुमका में तसर रेशम कृषि मेला-2025 का हुआ वृहद् आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अभिजीत सिन्हा, डीडीसी दुमका ने कहा कि तसर रेशम उत्पादन से ग्रामीण रोजगार सृजन की असीम संभावना है. डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक ने कहा कि तसर उद्योग को गति प्रदान करने में केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची का अप्रतिम योगदान है. इस अवसर पर प्रो. बिमल प्रसाद सिंह, कुलपति सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका ने कहा कि तसर रेशम कृषकों की सफलता की कहानी के आयाम ले कर आयेगी.
डॉ.एन.बी.चौधरी ने कहा कि पत्ती से रेशम बनाने की अद्भुत कला प्रकृति ने तसर रेशम कीट को प्रदान किया है, तसर रेशमकीट को एंथेरिया माईलिट्टा कहते हैं . ये रेशमकीट जंगली जंगलों में टर्मिनलिया प्रजाति और शोरिया रोबस्टा के पेड़ों के साथ-साथ बेर, जामुन जैसे अन्य खाद्य पौधों पर रहते हैं एवं इन पेड़ों की पत्तियों को खाते हैं । तसर रेशम अपनी समृद्ध बनावट और प्राकृतिक, गहरे सुनहरे रंग के लिए मूल्यवान है, और इसके अनेक एकोरेश भारत के विभिन्न राज्यों में उत्पादित की जाती हैं। रेशम उद्योग की विभिन्न कड़ियां रोजगार का सृजन करती हैं कीटपालन का कार्य या कीट के गुणवत्तापूर्ण अंडों का निर्माण हो, या धागाकरण, कताई बुनाई व वस्त्र निर्माण का कार्य हो सभी जगह स्वरोजगार की संभावना है। भारत में तसर रेशम उद्योग का गौरवशाली इतिहास सदियों पुराना है एवं झारखण्ड राज्य तसर रेशम उत्पादन में अग्रणी है । तसर रेशम की विलक्षण गुणवत्ता इस उद्योग को अनोखा स्थान प्रदान करता है।
डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची ने बताया कि तसर उद्योग को बढ़ावा देने में संस्थान का अप्रतिम योगदान रहा है, साथ ही कहा कि यह संस्थान तसर रेशम के अनुसंधान और विकास के लिए समर्पित देश की एकमात्र संस्थान के रूप में कार्य करता है। आगामी वर्ष में तसर को बढ़ावा देना और उत्पादकता बढ़ाना अनुसंधान एवं विकास का मुख्य फोकस क्षेत्र होगा. तसर रेशम को इसकी चमक और अद्वितीय गुणवत्ता के साथ-साथ बड़े पैमाने पर गरीब आदिवासियों और महिलाओं की संख्या के पारंपरिक ग्रामीण स्तर के व्यवसाय के कारण एक विशिष्ट और अद्वितीय सामग्री के रूप में लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है। निदेशक ने बताया कि केंद्रीय तसर अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान रांची की स्थापना वर्ष 1964 में की गयी थी यह केंद्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरु, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार का एकमात्र संस्थान है जो तसर रेशम के शोध हेतु जाना जाता है, यह प्रयास काफी प्रभावी रहा है . वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच गहन संवाद तसर रेशम उद्योग में नवाचार और विकास को प्रोत्साहित किया है . तसर रेशम उद्योग से जंगलों के आसपास निवास करने वाली गरीब, आदिवासियों, महिलाओं को प्रमुखतया से स्वरोजगार प्रदान किया है जिससे पलायन कम हुआ है साथ ही साथ ही जल, जंगल, जमीन एवं पर्यावरण का संरक्षण भी हुआ है।
तसर किसानों के सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि तसर रेशम उद्योग की उन्नति में प्रशिक्षण एवं प्रसार का व्यापक योगदान है क्योंकि आदिवासी परिवार द्वारा यह कार्य व्यापक तौर पर किया जा रहा है अतः नवीन तकनीकियों की जानकारी सुदूर अंचलों में पहुँचाने का परिणाम है की कृषक आज अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं भारत में तसर का महत्वपूर्ण स्थान है हमारा मूल उद्देश्य तसर रेशम उत्पादन में सुधार और संवर्धन के लिए नवीनतम् तकनीकों और पद्धतियों की पहचान करना और उन्हें कृषकों द्वारा अपनाना है । आने वाले वर्षों में सिल्क समग्र के माध्यम से रेशम उद्योग को नयी गति प्रदान की जायेगी. मिट्टी से रेशम बनने तक के विभिन्न शोध आयामों को जीवंत गति प्रदान करने में केंद्रीय रेशम रेशम बोर्ड का अप्रतिम योगदान रहा है जो कि राष्ट्रीय स्तर पर अपने को स्थापित करने में प्रभावी भूमिका अदा किया है। श्री तूफान कुमार पोद्दार ने बताया कि तसर बहुत महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम का सञ्चालन संस्थान के वैज्ञानिक डा जयप्रकाश पाण्डेय ने किया धन्यवाद ज्ञापन डा शांताकार गिरी ने किया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू** *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com